epaper.dehatsandesh.com

3 खैर की लकड़ी की तस्करी नाकाम, 37 लट्ठे व महिंद्रा वाहन जब्त
5 एरिना सबालेंका ने चीनी खिलाड़ी को हराकर तीसरे राउंड में जगह बनाई
8 विकसित भारत की सोच का केंद्र समावेशी और समान शिक्षा : धर्मेंद्र प्रधान

न्यूनतम 8 मौसम जम्मू अधिकतम 15

E-mail: dehatsandesh@gmail.com

देहात संदेश

जम्मू-कश्मीर का एकमात्र ग्रामीण दैनिक

वर्ष-23, जम्मू तवी, अंक-20 | जम्मू तवी, वीरवार 22 जनवरी, 2026 | मूल्य-3 रूपये- (लेह) 4 रूपये | पृष्ठ -8

भारत की सैन्य शक्ति का केंद्रीय आधार बनी रहेगी हवाई शक्ति : वायु सेना प्रमुख

नयी दिल्ली 21 जनवरी। वायुसेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल ए. पी. सिंह ने सशस्त्र बलों से अतीत की उपलब्धियों में उलझे रहने के बजाय भविष्य की ओर देखने का आह्वान करते हुए कहा है कि वायु सेना की शक्ति ने युद्धक्षेत्र में बार-बार अपनी उपयोगिता सिद्ध की है और आने वाले वर्षों में यह भारत की सैन्य शक्ति का केंद्रीय आधार बनी रहेगी। उन्होंने जोर देकर कहा कि यदि भारत को प्रभावशाली शक्ति बने रहना है तो भविष्य की चुनौतियों की तैयारी पर अधिक ध्यान देना होग।

वायुसेना प्रमुख ने बुधवार को यहां सेंटर फॉर एयरोस्पेस पावर एंड स्ट्रैटेजिक स्टडीज द्वारा आयोजित 22वें सुब्रोतो मुखर्जी सेमिनार को संबोधित करते हुए देश के आधुनिक युद्ध, विशेषकर आतंकवाद-रोधी अभियानों में भारतीय वायुसेना की भूमिका पर बात की। उन्होंने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान वायु सेना ने पाकिस्तान में काफी अंदर स्थित आतंकवादी ठिकानों और लक्ष्यों को निष्क्रिय करने के लिए अनेक सटीक हमले किये।उन्होंने कहा, दुनिया में क्या हो रहा है और भारत में क्या हुआ है, सैन्य शक्ति का कौन सा हिस्सा सबसे अधिक उपयोगी साबित हुआ , जिसने अपेक्षित परिणाम दिए। मुझे लगता है इसका नाम लेने की आवश्यकता नहीं है - वह वायु सेना की शक्ति है। यदि हमें एक प्रभावशाली सैन्य शक्ति बनना है तो इस पहलू पर ध्यान केंद्रित करना बेहद

जरूरी है।

एयर चीफ मार्शल ने कहा, चाहे वह सूडान जैसे संघर्ष के क्षेत्रों से लोगों को सुरक्षित निकालना हो, या आतंकवादी ढांचे और उनके सरगनाओं पर प्रहार करना हो, या कुछ ही घंटों में पाकिस्तान के कई ठिकानों पर हमला कर यह संदेश देना हो कि अब बहुत हो चुका है और उन्हें घुटनों पर ला देना हो — इन सभी में वायु सेना की शक्ति ने निर्णायक भूमिका निभाई है और इसे याद रखा जाना चाहिए।

उन्होंने किसी भी प्रकार की आत्मसंतुष्टि के प्रति चेतावनी देते हुए तेजी से बदलते और अनिश्चित वैश्विक सुरक्षा परिदृश्य में उभरती चुनौतियों के लिए तैयार रहने पर जोर दिया। भविष्य की ओर देखने की आवश्यकता पर बल देते हुए उन्होंने कहा, आइए, हम अतीत की उपलब्धियों पर न रुकें। आइए, भविष्य की चुनौतियों के लिए स्वयं को तैयार करें।

राष्ट्रीय सुरक्षा की बदलती प्रकृति पर बात करते हुए वायुसेना प्रमुख ने वेनेजुएला और इराक के उदाहरण दिये और कहा कि केवल आर्थिक शक्ति से सुरक्षा सुनिश्चित नहीं होती। उन्होंने कहा, हमें यह समझना होगा कि सैन्य शक्ति ही राष्ट्रीय शक्ति का अंतिम निर्णायक होती है। कोई भी देश आर्थिक रूप से मजबूत हो सकता है, लेकिन सुरक्षित नहीं। उन्होंने कहा, हमारे अपने देश का उदाहरण भी है। एक समय भारत और चीन मिलकर दुनिया की 60 प्रतिशत जीडीपी को नियंत्रित करते थे, लेकिन इससे हमें कब्जे और उपनिवेश बनने से नहीं रोका जा सका। इन सभी शक्तियों का महत्व है, लेकिन अंततः सबसे जरूरी मजबूत सैन्य शक्ति होती है, क्योंकि इसके बिना कोई भी आपको अधीन कर सकता है। वेनेजुएला और इराक इसके उदाहरण हैं। सैन्य शक्ति महत्वपूर्ण है, लेकिन उससे भी अधिक महत्वपूर्ण है उस सैन्य शक्ति का उपयोग करने की इछाशक्ति। पिछले वर्ष अक्टूबर में आयोजित वार्षिक प्रेस वार्ता के दौरान वायुसेना प्रमुख ने कहा था कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान किए गए हमलों में पाकिस्तान के कई हवाई अड्डों और सैन्य प्रतिष्ठानों को निशाना बनाया गया था।

राजकोषीय अनुशासन के अनुरूप प्रस्ताव प्रस्तुत करें विभाग : उमर अब्दुल्ला

जम्मू, 21 जनवरी । जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने राजकोषीय अनुशासन पर जोर देते हुए बुधवार को सभी विभागों को सरकार के विकास रोडमैप के अनुरूप सुव्यवस्थित और आवश्यकता-आधारित प्रस्ताव प्रस्तुत करने का निर्देश दिया। मुख्यमंत्री ने लगातार दूसरे दिन आगामी बजट सत्र की तैयारियों के तहत विभिन्न विभागों के साथ गहन परामर्श किया। जम्मू-कश्मीर विधानसभा का बजट सत्र 2 फरवरी से शुरू होने वाला है।

मुख्यमंत्री, जिनके पास वित्त मंत्रालय का भी प्रभार है, ने सामाजिक कल्याण, स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा, स्कूली शिक्षा, उच्च शिक्षा, लोक निर्माण विभाग (सड़कें एवं भवन), खनन, उद्योग एवं वाणिज्य तथा श्रम विभाग के साथ व्यापक विचार-विमर्श की अध्यक्षता की। बैठकों का उद्देश्य बजट प्राथमिकताओं, क्षेत्रीय आवश्यकताओं और विकास की अनिवार्यताओं का समग्र आकलन करना रहा।

बैठक को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने कहा, ष्विभागों को सरकार के विकास रोडमैप और राजकोषीय अनुशासन के अनुरूप सुव्यवस्थित, यथार्थवादी और

आवश्यकता-आधारित प्रस्ताव प्रस्तुत करने चाहिए। उन्होंने इस बात पर विशेष जोर दिया कि सभी विभाग परियोजनाओं के समयबद्ध क्रियान्वयन, प्रशासनिक पारदर्शिता और कुशल सेवा वितरण को प्राथमिकता दें।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आगामी बजट में जम्मू-कश्मीर के लोगों की आकांक्षाओं का स्पष्ट प्रतिबिंब होना चाहिए। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि बजट का फोकस समावेशी विकास, संतुलित क्षेत्रीय प्रगति और सतत आर्थिक विकास पर केंद्रित होना चाहिए, ताकि समाज के सभी वर्गों को इसका लाभ मिल सके।

बैठकों के दौरान उमर अब्दुल्ला ने क्षेत्रवार विकास की स्थिति, चल रही परियोजनाओं की प्रगति, बजट आवंटन के उपयोग और भविष्य की आवश्यकताओं की विस्तार से समीक्षा की। उन्होंने परिणामोन्मुखी और व्यावहारिक बजट तैयार करने की आवश्यकता पर बल देते हुए कहा कि सार्वजनिक धन का उपयोग उन प्राथमिक क्षेत्रों में किया जाना चाहिए, जो सीधे आम जनता के जीवन स्तर में सुधार लाते हों।

मुख्यमंत्री ने विभागों को जन-केंद्रित और प्रदर्शन-उन्मुख दृष्टिकोण अपनाने का निर्देश देते हुए कहा कि आगामी बजट में विशेष रूप से स्वास्थ्य सेवाओं और शिक्षा के बुनियादी ढांचे को सुदृढ़ करने, सामाजिक सुरक्षा योजनाओं के दायरे का विस्तार, सड़क संपर्क में सुधार, औद्योगिक विकास को प्रोत्साहन और युवाओं के लिए रोजगार के अवसर सृजित करने पर विशेष ध्यान दिया जाना चाहिए।

भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन ने राष्ट्रीय पदाधिकारियों और प्रदेश अध्यक्षों के साथ की अहम बैठक

नयी दिल्ली, 21 जनवरी। भारतीय जनता पार्टी के अध्यक्ष नितिन नवीन ने बुधवार को पार्टी मुख्यालय में राष्ट्रीय पदाधिकारियों एवं प्रदेश अध्यक्षों की बैठक की अध्यक्षता की। इस अहम बैठक में संगठन की वर्तमान स्थिति की समीक्षा, आगामी राजनीतिक कार्यक्रमों, चुनावी तैयारियों और केंद्र और राय सरकारों की जनकल्याणकारी योजनाओं को आम जनता तक पहुंचने की रणनीति पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में पार्टी के शीर्ष संगठनात्मक पदाधिकारी, विभिन्न रायों के प्रदेश अध्यक्ष और वरिष्ठ नेता शामिल हुए। यह बैठक ऐसे समय में आयोजित हुई है जब पार्टी संगठन पर्व के बाद नए सिरे से संगठनात्मक गतिविधियों को तेज़ करने और आगामी विधानसभा चुनावों की तैयारी में जुटी हुई है।

बैठक में भाजपा के संगठन महासचिव बीएल संतोष, राष्ट्रीय महासचिव अरुण सिंह, विनोद तावड़े, सुनील बंसल, दुष्यंत गौतम, तरुण चुग, सीटी रवि और राधा मोहन दास अग्रवाल सहित कई राष्ट्रीय पदाधिकारी मौजूद रहे।

मुख्य सचिव ने एमएसएमई के व्यापक मूल्यांकन के लिए समयबद्ध कार्य योजना की मांग की

जम्मू, 21 जनवरी । मुख्य सचिव अटल दुल्लू ने आज उद्योग एवं वाणिय विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों और अन्य हितधारकों के साथ बैठक में एमएसएमई प्रदर्शन संवर्धन एवं त्वरण कार्यक्रम के तहत एमएसएमई स्वास्थ्य क्लिनिक के कार्यान्वयन की समीक्षा की। समीक्षा में प्राप्त प्रगति, उद्यमों तक पहुंच और संकटग्रस्त एमएसएमई की शीघ्र पहचान एवं पुनर्वास के तंत्र पर ध्यान केंद्रित किया गया। उद्योग एवं वाणिय विभाग के आयुक्त सचिव के अलावा बैठक में सूचना एवं नियंत्रण सचिव, जम्मू और कश्मीर पुलिस स्टेशन के निदेशक, उद्योग निदेशक, जम्मू/कश्मीर और अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित थे। प्रगति का आकलन करते हुए मुख्य सचिव ने उद्योग एवं वाणिय विभाग को जम्मू और कश्मीर के सभी एमएसएमई का व्यवस्थित विश्लेषण करने के लिए एक स्पष्ट, समयबद्ध कार्य योजना तैयार करने पर जोर दिया। उन्होंने जमीनी स्तर पर स्वास्थ्य क्लिनिक के ठोस परिणाम सुनिश्चित करने के लिए निर्धारित समयसीमा, मापने योग्य लक्ष्यों और जिला-वार कवरेज की आवश्यकता पर बल दिया।मुख्य सचिव ने रोजगार की सुरक्षा और आर्थिक विकास को

बनाए रखने के लिए समय पर निदान और हस्तक्षेप को महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने निर्देश दिया कि कार्यान्वयन की बारीकी से निगरानी और समय-समय पर समीक्षा की जाए ताकि एमएसएमई स्वास्थ्य क्लिनिक केंद्र शासित प्रदेश में उद्यम पुनरुद्धार और दीर्घकालिक मजबूती के लिए एक सशक्त संस्थागत तंत्र के रूप में उभर सके।

नेहरू काल में 'कल्याण' ने भारतीय संस्कृति की राह दिखाई: अमित शाह

देहरादून, 21 जनवरी। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने कहा कि 1950 में, जब नेहरू के नेतृत्व में पाश्चात्य प्रभाव वाली नीतियां बन रही थीं, तब कल्याण के 'हिंदू अंक' के प्रकाशन से गीता प्रेस ने देश को वैचारिक दिशा दी। प्रकाशन का उद्देश्य भारतीय संस्कृति और सनातन मूल्यों को देश की वैचारिक दिशा में शामिल करना था। केंद्रीय मंत्री अमित शाह ने बुधवार को उत्तराखंड के ऋषिकेश में गीता प्रेस की ओर से प्रकाशित मासिक पत्र 'कल्याण' के शताब्दी अंक का विमोचन किया। इस अवसर पर उन्होंने लक्ष्मीनारायण मंदिर और मां गंगा के दर्शन एवं पूजन भी किए। समारोह में उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी सहित कई गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे। अमित शाह ने कहा कि जब देश स्वतंत्र होकर नीतियां बना रहा था,तब गीता प्रेस ने विदेशी प्रभाव के बजाय भारतीय विचारों को आधार बनाया। पत्रिका ने कभी आक्रामक भाषा का प्रयोग नहीं किया और इसका मुख्य उद्देश्य लोककल्याण और विश्व कल्याण था।

गणतंत्र दिवस समारोह में सेना की स्वदेशी तोपों से दी जायेगी राष्ट्रीय ध्वज को सलामी

नयी दिल्ली 21 जनवरी। गणतंत्र दिवस समारोह में सेना की 1721 फील्ड बैटरी (सेरेमोनियल) राष्ट्रीय ध्वज को 21 तोपों की पारंपरिक सलामी देगी। समारोह के दौरान यह आर्टिलरी बैटरी देश में ही बनी 105 मिमी लाइट फील्ड तोपों से फायरिंग कर सलामी देगी।

गणतंत्र दिवस समारोह में राष्ट्रीय ध्वज को 21 तोपों की सलामी देना एक महत्वपूर्ण और ऐतिहासिक परंपरा है। यह कर्तव्य पथ के लॉन से राष्ट्रीय ध्वज को दिया जाने वाला सर्वोच सैन्य सम्मान है। इन तोपों की फायरिंग एक साथ होने वाली तीन गतिविधियों का तालमेल होती है जिसमें प्रोटोकॉल अधिकारी द्वारा राष्ट्रीय ध्वज फहराना, सेना बैंड द्वारा राष्ट्रगान बजाना और राष्ट्रपति बॉडीगार्ड द्वारा राष्ट्रीय सलामी देना शामिल है।

यह सेरेमोनियल बैटरी दिल्ली में तैनात है और इसकी जिम्मेदारी राष्ट्रीय महत्व के अलग-अलग अवसरों पर पारंपरिक फायरिंग कर सलामी देना है। इनमें कर्तव्य पथ पर गणतंत्र दिवस, राजघाट पर शहीद दिवस, लाल किले पर स्वतंत्रता दिवस और राष्ट्रीय राजधानी में राष्ट्रपति भवन में राष्ट्राध्यक्षों के दौरे शामिल हैं।

यह बैटरी 172 फील्ड रेजिमेंट का हिस्सा है जो मुख्यालय 36 आर्टिलरी ब्रिगेड के तहत आती है। सेरेमोनियल बैटरी 21 तोपों की सलामी देने के लिए 105 मिमी लाइट फील्ड गन का इस्तेमाल करेगी जो स्वदेशी तोप प्रणाली है। पहले यह फायरिंग ब्रिटिश काल की 25 पाउंडर तोप से की जाती थी।

यह तोप प्रणाली आत्मनिर्भर भारत की दिशा में भारत की रक्षा निर्माण क्षमता को प्रदर्शित करती है। पहले 21 तोपों की सलामी के लिए ब्रिटिश काल की 25 पाउंडर तोपों का इस्तेमाल किया जाता था।

1721 फील्ड बैटरी (सेरेमोनियल) सेना की एक विशेष इकाई है जो गणतंत्र दिवस और स्वतंत्रता दिवस जैसे राष्ट्रीय कार्यक्रमों में 21 तोपों की पारंपरिक सलामी देती है। सलामी में ध्वनि और धुएं के लिए विशेष सेरेमोनियल कारतूसों का इस्तेमाल किया जाता है जिससे किसी को नुकसान नहीं होता।

न्याय, समता और बंधुता संविधान की आत्मा, विधायिका समाज को दिशा देती है: योगी

लखनऊ, 21 जनवरी। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को कहा कि न्याय, समता और बंधुता भारतीय संविधान की आत्मा हैं और इन्हीं मूल्यों के आधार पर देश की विधायिका समाज को दिशा देने का कार्य करती है। मुख्यमंत्री ने यह बात लखनऊ में आयोजित अखिल भारतीय पीठासीन अधिकारी सम्मेलन के समापन सत्र को संबोधित करते हुए कही। श्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि उत्तर प्रदेश की राजधानी इस महत्वपूर्ण राष्ट्रीय आयोजन की साक्षी बनी है। उन्होंने कहा कि जो लोग इस सम्मेलन से सीधे जुड़े हैं, वे अपने अनुभवों के माध्यम से इसकी गंभीरता और उपयोगिता को महसूस कर रहे हैं, जबकि अन्य लोग मीडिया के जरिए इसकी जानकारी प्राप्त कर रहे हैं। मुख्यमंत्री ने सम्मेलन में शामिल सभी पीठासीन अधिकारियों, जनप्रतिनिधियों और अतिथियों का स्वागत किया। उन्होंने कहा कि यह मंच केवल संवाद का अवसर नहीं है, बल्कि यह तय करने का भी माध्यम है कि लोकतांत्रिक संस्थाओं का उपयोग कैसे किया जाए और वे किस दिशा में आगे बढ़ें।

भारत निश्चित रूप से तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनेगा : अश्विनी वैष्णव

दावोस, 21 जनवरी। केंद्रीय सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बुधवार को कहा कि भारत आने वाले कुछ वर्ष में निश्चित रूप से दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा। वहीं, अर्थशास्त्री गीता गोपीनाथ ने कहा कि यह साल 2028 या उससे भी पहले संभव है। स्विट्जरलैंड के दावोस में विश्व आर्थिक मंच (डब्ल्यूईएफ) 2026 की वार्षिक बैठक के एक सत्र में चर्चा के दौरान केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने भरोसा जताया कि भारत अगले कुछ वर्षों में निश्चित रूप से दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा। इसी चर्चा में शामिल अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) की प्रथम उप-प्रबंध निदेशक अर्थशास्त्री गीता गोपीनाथ ने भी इससे सहमति जताते हुए कहा कि भारत साल 2028 या उससे भी पहले इस मुकाम को हासिल कर सकता है। वैष्णव ने इस चर्चा के दौरान कहा कि इस वक्त भारत के लिए चिंता की एकमात्र वजह अमीर देशों पर कर्ज का बढ़ता बोझ है। उन्होंने आशंका जताई कि अगर विकसित देशों में कर्ज का यह संकट गहराता है, तो इसका भारत पर क्या प्रभाव पड़ेगा। उन्?होंने कहा कि इसे लेकर सतर्क रहने की जरूरत है। केंद्रीय मंत्री ने वैश्विक ऋण संकट पर चिंता जाहिर करते हुए जापान का उदाहरण दिया। उन्होंने कहा कि अगर विकसित देशों में बांड मार्केट या ऋण को लेकर बड़े पैमाने पर उथल-पुथल होती है, तो हमें यह देखना होगा कि हमारी अर्थव्यवस्था पर इसका क्या असर होगा। हालांकि, फिलहाल भारत की स्थिति काफी मजबूत है।

मचेल यात्रा के दौरान त्रासदी में लापता हुए लोगों के परिजनों को आज तक न्याय और राहत का इंतजार

किश्तवाड़, 21 जनवरी । जम्मू-कश्मीर केंद्र शासित प्रदेश के जम्मू संभाग में अगस्त 2025 के दौरान मचेल यात्रा के समय छछोती इलाके में हुए भीषण बादल फटने की घटना को छह महीने बीत चुके हैं लेकिन इस त्रासदी में लापता हुए लोगों के परिजनों को आज तक न्याय और राहत का इंतजार है। इस हादसे में कई परिवारों के सदस्य लापता हो गए थे। कुछ पीड़ितों के शव तो बरामद हो गए लेकिन कई परिवार आज भी अपने प्रियजनों के शव मिलने की आस लगाए बैठे हैं। इस दर्दनाक इंतजार ने परिजनों को मानसिक और भावनात्मक रूप से तोड़ कर रख दिया है। इसी सिलसिले में कुछ पीड़ित परिवार पंजाब के जालंधर से और कुछ जम्मू के जिला सांबा से जम्मू पहुंचे जो अपनी बेटियों के शवों को घर ले जाकर अंतिम संस्कार करना चाहते हैं। मीडिया के सामने अपना दर्द बयां करते हुए परिजनों की आंखें छलक पड़ीं। उन्होंने बताया कि डीएनए मिलान के लिए उनके सैंपल तो ले लिए गए थे और 15 दिनों में रिपोर्ट आने का आश्वासन दिया गया था लेकिन महीनों बीत जाने के बावजूद आज तक कोई रिपोर्ट नहीं दी गई परिजनों का आरोप है कि जब वे रिपोर्ट के बारे में पूछताछ करते हैं तो उन्हें यह कहकर टाल दिया जाता है कि डी एनए के लिए जरूरी केमिकल उपलब्ध नहीं हैं। इतना ही नहीं उन्हें यह भी कहा गया कि अगर उपराज्यपाल मनोज सिन्हा से मेल करवाई जाएगी तभी रिपोर्ट जल्द तैयार हो पाएगी।पीड़ित परिवारों का कहना है कि अब उन्हें सरकार से कोई उम्मीद नहीं बची है।

कई प्रतिनिधिमंडलों ने लद्दाख के उपरायपाल से की मुलाकात

लेह, 21 जनवरी । विभिन्न समुदायों के प्रतिनिधियों ने लद्दाख के उपरायपाल कविंदर गुप्ता से उपरायपाल सचिवालय में मुलाकात की और क्षेत्रीय चिंताओं और विकास प्राथमिकताओं पर चर्चा की। वॉर हीरोज कॉलोनी डेवलपमेंट सोसाइटी के एक प्रतिनिधिमंडल ने सैनिक कल्याण विभाग के निदेशक और राय सैनिक बोर्ड लद्दाख के सचिव, कर्नल (सेवानिवृत्त) लोबज़ंग नीमा की उपस्थिति में, आइबेक्स कॉलोनी स्थित वॉर हीरोज कॉलोनी से संबंधित मुद्दे उठाए। इसी प्रकार, एसकेयूएएसटी कश्मीर में कार्यरत बागवानों ने लद्दाख में प्रत्यावर्तन की मांग की।

लामयुरु मठ के प्रतिनिधियों ने जीर्णोद्धार की आवश्यकताओं पर

प्रकाश डाला, जबकि दारचिक गांव के प्रतिनिधि ने सड़क चौड़ीकरण कार्यों के दौरान क्षतिग्रस्त हुए घरों के मुद्दे उठाए। कर्नल वरुण के नेतृत्व में मात्र्सलांग की एक महिला स्वयं सहायता समूह (एसएचजी) ने उपरायपाल को अपने जैव अपघटनीय सैनिटरी पैड उत्पादन अभियान की जानकारी दी। तुर्तुक के थांग निवासी गोबा अली ने समुदाय के लाभ के लिए किए गए विभिन्न कल्याणकारी प्रयासों के बारे में बताया।

उपरायपाल ने लद्दाख के लोगों के सर्वांगीण कल्याण के प्रति केंद्र शासित प्रदेश प्रशासन की अटूट प्रतिबद्धता को दोहराते हुए गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, विश्व स्तरीय स्वास्थ्य सुविधाएं, बेहतर संपर्क और पर्यटन क्षेत्र के विकास पर विशेष जोर दिया, ताकि स्थानीय लोगों के लिए स्थायी रोजगार के अवसर पैदा हो सकें।

बालों की खोई हुई खूबसूरती

वापस पाना चाहते है तो अपनाए

शहद

चेहरे के साथ-साथ बाल भी हमारी पर्सनैलिटी को बढ़ाते हैं। इसके बिना हमारी खूबसूरती अधूरी सी लगती है, लेकिन कई बार उम्र बढ़ने से पहले ही हमें झड़ते बाल, रूखे-बेजान बाल, रूसी और खुजलीज्जैसी कई समस्याएं face करनी पड़ती हैं। अगर आप इसके लिए ढेर सारे उपाय भी कर चुके हैं और कोई फायदा नहीं हुआ, तो अब आजमाएं कुछ Natural। इसमे honey important रोल प्ले कर सकता है। ये आपके बालों की खोई हुई खूबसूरती वापस ला सकता है।

1. बालों की लंबाई (Hair Growth)

शहद एक natural Antio&idant हैं। इससे scalp हेल्दी होते हैं और बालों की growth भी अच्छी होती है। इसके लिए 2 बड़े चम्मच शहद में एक चम्मच पुदीने का तेल और एक चम्मच नारयिर तेल मलिाएं। इस हेयर मास्क को गीले या सूखे बालों पर लगाएं। इसे थोड़ी देर बाद पानी में सेब का सरिका मलिाकर बाल धो लें। इसके बाद कंडीशनर लगाएं।

2. बालों को Highlight करना

बनिा कसिी हार्थ केमकिल का इस्तेमाल कएि भी आप अपने घने बालों को हाइलाइट कर सकती हैं। शहद में मौजूद ग्लोकज ऑक्सीडोज इसमें Natural तरीके से मदद करता है। इससे की में स्सा साफ पानी मिलाकर कुछ देर के लिए छोड़ दें और बाद में इसे बालों पर 20 मनिट के लिए लगा कर छोड़ दें। बाद में इनहे कंडीशनर से धो लें। अगर आप Bride blond color चाहती हैं, तो इस मक्सिचर में नींबू मलिाएं। अगर Reddish Blonde चाहती हैं, तो इस मिश्रण में दालचीनी ए

शहद natural softener का भी काम करता है।

ये बालों को रुखा होने से बचाता है। High sugar content के कारण बालों को मजबूत बनाने में शहद अहम रोल अदा करता है। इसके लिए वर्जनि Olive oil में शहद मलाकर हल्का गर्म करें। इसे साफ बालों पर लगाएं। शॉवर कैप से बालों को कवर करें और 30 मनिट तक ऐसे ही छोड़ दें। ए धो लें।

4. बालों में Dandruff

शहद के anti bacterial गुणों के कारण ये ह्यष्ड्डद्यश्च को Infection और बैक्टीरया से भी बचाता है। इसका मतलब ये है द्वक इसके इस्तेमाल से डैंड्रफ या खुजली आदकी परेशानी से भी नजिात मलिती है। इसके लिए शहद को पानी में मलिाकर scalp पर लगाएं। 2-3 घंटे बालों को ऐसे ही रहने दें। इसके बाद बाल धो लें। अगर बालों में चपिचपिहाट रहे, तो सेब के सरिके में पानी मलिाकर बाल धोएं।

5. बालों में Shine

शहद आपके बालों को चमकदार बनाने में भी मदद करता है। अगर बाल dull, रुखे-सूखे और बेजान हैं, तो आप Honey पैक का इस्तेमाल कर सकती हैं। इसके लिए पांच बड़े चम्मच शहद में दो कप पानी मलिाएं और साफ धुले हुए बालों पर इस मश्रिण को लगाएं। शॉवर कप लगाएं और 30 मनिट के लिए ऐसे ही छोड़ दें। इसके बाद बाल धो लें। आपको फर्क नजर आएगा।

सुंदरता

का बहुत बड़ा राज छुपा है इन ब्यूटी फूड्स में..

हर कोई चाहता है की वो सुन्दर और खूबसूरत दिखे। इसके लिए वे कई तरह के ब्यूटी प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल करते हैं। इसलिए आज हम आपको ब्यूटी प्रोडक्ट्स नही बल्कि ऐसे ब्यूटी फूड्स क बारे में बता रहे हैं जिन्हे रोजाना खाने से आप पा सकती हैं बेहद खूबसूरत और आकर्षक त्वचा।

आइए जाने किस फूड में छुपा है सुंदरता का राज:

सेब

सेब हेल्थ के साथ सुंदरता के लिए बहुत लाभकारी है यह एक एंटीऑक्सीडेंट है जिसके सेवन से धूप से त्वचा का बचाव होता है और स्किन कैंसर के खतरे को भी रोकता है।

डार्क चॉकलेट

डार्क चॉकलेट, ग्रीन टी और रेड वाइन में एंटी ऑक्सीडेंट्स पाया जाता है। जिससे चेहरे पर अच्छा निखार आता है। इससे त्वचा में नमी आती है और धूप से झुलसी त्वचा को भी साफ़ करता है।

शकरकंद खाएं

शकरकंद में विटामिन ए पाया जाता है। यह एक एंटी रिंकल एजेंट है। इससे त्वचा कोमल बनती है।

दही का सेवन करे

रोजाना दही खाएं इससे त्वचा के दाग-धब्बे व झांइया दूर होती है। दही में जिंक और कैल्शियम पाया जाता है जिसके सेवन से सेहत अच्छी होती है साथ ही खूबसूरत त्वचा बनती है।

ब्रोकली खाएं

इसमें एक ऐसा एसिड पाया जाता है जो पैरों को मुलायम बनाने के साथ खूबसूरत बनता है।

लंबे व मजबूत नाखून पाना चाहते है तो अपनाएं ये चीजें

आजकल हर महिला चाहती है कि उसके नाखून तेजी से बढ़ें और दूखने में खूबसूरत लगें। लंबे नाखूनों नेलपॉलिश बहुत अच्छी लगती है और दिखने में भी वह बहुत खूबसूरत लगते है। लंबे नाखून हाथ की खूबसूरती भी बढ़ा देते है। ऐसे नाखूनों पर नेल आर्ट करना बहुत ही आसान होता है। मगर कई लड़कियों की समस्या होती है कि उनके नाखून अच्छी तरह से बढ नहीं पाते या फिर अगर बढ़ते भी हैं तो वह जल्द टूट जाते हैं। यह समस्या आपके आहार में ढेर सारे पोषक तत्व न शामिल होने के कारण होते है। आज हम आपको मजबूत और लंबे नाखून पाने के घरेलू उपचार बताएंगे।

1. लहसुन लहसुन को दो टुकड़ों में काट कर अपने नाखूनों पर 10 मिनट तक रगड़ें। इससे आपके नाखून 10 दिनों में अच्छे खासे बढ़ जाएंगे। पर इस प्रक्रिया आपको रोजाना सुबह और शाम करनी पड़ेगी।

2. संतरे का रस अंडे के सफेद भाग को एक कटोरी में निकाले और उसमें 2 चम्मच संतरे का रस निचोड़ें। इस घोल को अपने नाखूनों पर 5 मिनट तक लगा कर रखें। इसमें विटामिन सी होता है जो कोलाजिन का प्रोडक्शन करता है जिससे नाखूनों में मजबूती आती है।

3. जैतून तेल अपने नाखूनों पर जैतून का तेल लगा कर मालिश करें। इसमें विटामिन ई होता है जो नाखूनों को पोषण प्रदान करता है और खून का फ्लो नाखूनों तक बढाता है जिससे नाखून बढ़ना शुरु हो जाते हैं।

4. टमाटर नाखूनों पर टमाटर की स्लाइस को 10 मिनट तक रगड़ें। इससे नाखून जल्द बढ़ेंगे।

5. अलसी का तेल एक मुलायम ब्रश की मदद से अपने नाखूनों पर अलसी का तेल लगाएं। 5 मिनट तक इस तेल को लगाए रखें। इसेस आपके नाखूनों को प्रोटीन, विटामिन ई और ओमेगा 3 मिलेगा जिससे नाखूनों में मजबूती आएगी।

6. नारियल का तेल नारियल तेल में फैटी एसिड तथा अन्य पोषण पाए जाते हैं, जिसे नाखूनों पर लगाने से फायदा होता है।

7. एप्पल साइडर वेनिगर 1 चम्मच घिसा लहसुन लें और उसमें 1 चम्मच एप्पल साइडर वेनिगर मिलाएं। इसे अपने नाखूनों पर लगाएं और 10 मिनट तक ऐसे ही रहने दें।

झुर्रियों से यूं बचाएं अपने Soft hands

चेहरे के मुकाबले हमारे हाथों पर झुर्रियां जल्दी आ जाती हैं। यह बात तो आपने भी नोटिस की होगी। इसका कारण यह है कि हम लोग अपने चेहरे की तो केयर करते हैं लेकिन हाथों और पैरों के मामले में अनदेखी बरतते हैं, जिसकी वजह से हाथों पर उम्र से पहले ही झुर्रियां नजर आने लगती हैं। हाथों को, बल्कि शरीर के सभी हिस्सों को चेहरे जैसी ही देख-रेख की जरूरत होती है। आज हम आपको बताएंगे कि आप किस तरह उम्र से पहले ही पड़ने वाली झुर्रियों से हाथों को बचा सकते हो। इन आसान तरीकों को अपनाने से आपके हाथ मुलायम रहेंगे।

-सख्त साबुन

हम दिन में बहुत बार हाथ धोते हैं लेकिन हाथों को धोने के लिए बार-बार हार्ड साबुन का इस्तेमाल न करें जबकि इसके उल्ट लोग सारा दिन साबुन से ही हाथ घिसते हैं। यह हमारे हाथों की त्वचा को सख्त और बेजान बना देता है। हाथ रूखे-सुखे लगने लगते हैं इसलिए जितना ज्यादा हो सके सख्त और ज्यादा खूशबू वाले साबुन से बचें क्योंकि इसमें बहुत ज्यादा तेज कैमीकल्स का इस्तेमाल किया जाता है।

-डिटर्जेंट

आप घर पर कपड़े तो धोते ही होंगे तो क्या हाथों को मुलायम बनाए रखने के लिए आप कुछ खास तरीकों को इस्तेमाल करती है? डिटर्जेंट में बहुत तेज कैमीकल्स का इस्तेमाल किया जाता है। अगर आप की स्किन सेंसटिव है तो यह आपकी त्वचा को जख्म भी दे सकता है इसलिए कपड़े धोने से पहले हाथों में दस्ताने जरूर पहन लें। इससे न तो आपके हाथ फटेंगे और न ही यह अपनी नमी खोएंगे।

-हैंड सेनिटाइजर

बदलते जमाने के साथ साथ आजकल लोग हैंड सैनिटाइजर का इस्तेमाल ज्यादा करने लगे हैं। हाथ सेनिटाइजर से धोना अच्छी बात है लेकिन अगर वह बढ़िया क्वालिटी का हो तो नहीं तो यह आपके हाथों की त्वचा को खराब कर सकते हैं।

-मोएस्चराइजर क्रीम साबुन से हाथ धोने के बाद अक्सर लोग मोएस्चराइजर क्रीम का इस्तेमाल करना भूल जाते हैं लेकिन मोएस्चराइजर का इस्तेमाल न करने से हाथ सख्त से हो जाते हैं। आप जितनी बार हाथ धोते हैं, उतनी बार मोएस्चराइजर लगाएं ताकि हाथ मुलायम रहें।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक - नीलम सिंह गिल द्वारा देहात संदेश, गुरूद्वारा सुंदर सिंह रोड, जम्मू से प्रकाशित एवं नार्थलाईनस पबलिशर्स, 18-B, Phase- II, Industrial Estate, Gangyal, Jammu से मुद्रित। संपादक- नीलम सिंह गिल। फोन नंबरः- (95)191- 2574109 2548103 RNI Regd. No.: JKBIL/2004/13144 *Email: dehatsandesh@gmail.com, dehatsandesh@yahoo.com, dehatsandesh@rediffmail.com*

गणतंत्र दिवस से पहले तलाशी अभियान तेज, किश्तवाड़ मुठभेड़ स्थल पर अतिरिक्त सैनिक तैनात

किश्तवाड़, 21 जनवरी (हि.स.)। गणतंत्र दिवस नजदीक आने के साथ ही जम्मू भर में सुरक्षा व्यवस्था को काफी सख्त कर दिया गया है। अधिकारियों ने बताया कि बुधवार को सुरक्षा बलों ने रोहिंग्या मुसलमानों की बड़ी आबादी वाले एक इलाके में घर-घर तलाशी अभियान चलाया। उन्होंने बताया कि रविवार को हुई मुठभेड़ के बाद घने जंगल में भाग गए आतंकवादियों को मार गिराने लिए जारी तलाशी अभियान के चौथे दिन किश्तवार जिले के ऊपरी इलाकों में अतिरिक्त सेना के जवान तैनात किए गए।

अधिकारियों ने बताया कि पुलिस, केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीपीआर) के जवानों की सहायता से जम्मू शहर के बाहरी इलाके भाटिंडी-नारवाल-राजीव नगर क्षेत्र में घर-घर तलाशी अभियान चला रही है। इस इलाके में रोहिंग्या और बांग्लादेशी मुसलमानों की बड़ी संख्या में बस्तियां हैं। उन्होंने बताया कि तलाशी अभियान उनकी झुग्गी-झोपड़ियों पर केंद्रित था और अभी तक किसी को हिरासत में नहीं लिया गया है। अधिकारियों ने बताया कि गणतंत्र दिवस समारोह को शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने और आतंकवादियों द्वारा किसी भी प्रकार की अशांति फैलाने की कोशिश को नाकाम करने के लिए किए जा रहे कड़े सुरक्षा इंतजामों के तहत यह कदम उठाया गया है। अधिकारियों के अनुसार सुरक्षा बलों ने निगरानी, जांच और तलाशी तेज करके सीमा सुरक्षा और राजमार्ग सुरक्षा को पहले ही मजबूत कर दिया है किश्तवाड़ में चत्रू क्षेत्र के सोनार, मन्द्रल-सिंहपोरा और आसपास के इलाकों में आतंकवादियों की तलाश तेज करने के लिए अतिरिक्त बल तैनात किए गए हैं।

खैर की लकड़ी की तस्करी नाकाम, 37 लट्ठे व महिंद्रा वाहन जब्त

कठुआ, 21 जनवरी (हि.स.)। पुलिस पोस्ट मढ़हीन थाना राजबाग क्षेत्र में कठुआ पुलिस ने खैर की लकड़ी की तस्करी को नाकाम बनाते हुए एक महिंद्रा लोड कैरियर से 37 खैर के लट्ठे बरामद किए हैं। जब्त लकड़ी का वजन करीब 22 क्विंटल बताया गया है।पुलिस के अनुसार बीते 19 जनवरी की तड़के विशेष नाका चेकिंग के दौरान वाहन जेके08जे-5539 को रोका गया। पुलिस को देखते ही चालक वाहन छोड़कर मौके से फरार हो गया। तलाशी के दौरान वाहन से अवैध खैर की लकड़ी बरामद की गई। मामले को वन विभाग से संबंधित पाए जाने पर वाहन सहित लकड़ी को जब्त कर आगे की कार्रवाई हेतु वन विभाग को सौंप दिया गया है।

चित-उत्सव में चमके जम्मू के युवा कलाकार, क्लस्टर यूनिवर्सिटी ने किया प्रतिभाशाली छात्रों का सम्मान

जम्मू, 21 जनवरी (हि.स.)। क्लस्टर यूनिवर्सिटी ऑफ जम्मू ने ऑल इंडिया यूनिवर्सिटीज़ नॉर्थ ज़ोन इंटर-यूनिवर्सिटी कल्चरल फेस्ट फ्चितउत्सवफ् में शानदार प्रदर्शन करने वाले अपने प्रतिभाशाली छात्रों को सम्मानित किया। यह भव्य समारोह चितकारा यूनिवर्सिटी द्वारा आयोजित प्रतियोगिता में विश्वविद्यालय की उल्लेखनीय उपलब्धियों के उपलक्ष्य में रखा गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलपति प्रो. के. एस. चंद्रशेखर ने की। इस अवसर पर डीन अकादमिक अफेयर्स डॉ. ट्विंकल सूरी, रजिस्ट्रार अंकर महाजन, डीन डीएसडब्ल्यू प्रो. दलजीत सिंह मन्हास सहित शिक्षक, अधिकारी और छात्र उपस्थित रहे। विश्वविद्यालय की ओर से 49 छात्रों का एक मजबूत दल, एसोसिएट डीन डीएसडब्ल्यू डॉ. आशिक हुसैन और कैंपस कल्चरल कमेटी की चेयरपर्सन डॉ. दविंदर कौर के नेतृत्व में प्रतियोगिता में शामिल हुआ। छात्रों ने 26 विभिन्न सांस्कृतिक प्रतियोगिताओं में भाग लेकर 6-7 प्रमुख स्पर्धाओं में तृतीय से पंचम स्थान हासिल कर विश्वविद्यालय की राष्ट्रीय स्तर पर सांस्कृतिक प्रतिष्ठा को नई ऊंचाई दी। फेस्ट का मुख्य आकर्षण डोगरी लोक करक पर आधारित समूह गीत फ्मां बा्वे वाली रहा, जिसने दर्शकों का दिल जीत लिया और सोशल मीडिया पर वायरल होकर व्यापक सराहना प्राप्त की। इस प्रस्तुति के लिए विश्वविद्यालय को अवार्ड ऑफ एक्सीलेंस से सम्मानित किया गया, जिससे क्षेत्र की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत राष्ट्रीय मंच पर उजागर हुई। कुलपति प्रो. के. एस. चंद्रशेखर ने छात्रों, मार्गदर्शकों और आयोजकों को बधाई देते हुए कहा कि इस तरह की उपलब्धियां विश्वविद्यालय की राष्ट्रीय पहचान को सशक्त बनाती हैं। उन्होंने सांस्कृतिक गतिविधियों को रचनात्मकता, आत्मविश्वास, नेतृत्व और टीमवर्क के विकास के लिए आवश्यक बताते हुए भविष्य में भी छात्रों को हरसंभव सहयोग का आश्वासन दिया।

शोपियां में बाग से बरामद आईईडी को सुरक्षा बलों ने किया निष्क्रिय

श्रीनगर, 21 जनवरी (हि.स.)। बुधवार को सुरक्षा बलों ने जम्मू-कश्मीर के शोपियां जिले के एक बाग से बरामद इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस (आईईडी) को निष्क्रिय कर दिया। अधिकारियों के अनुसार गणतंत्र दिवस से पहले चलाए गए तलाशी अभियान के दौरान दक्षिण कश्मीर के अवनीरा गांव के एक बाग से लगभग 6 किलोग्राम वजनी आईईडी बरामद किया गया था। उन्होंने आगे बताया कि आईईडी को बाद में नियंत्रित विस्फोट में नष्ट कर दिया गया।

यूएलबी और पंचायत चुनावों को लेकर कांग्रेस की तैयारी तेज, अहम बैठक

जम्मू, 21 जनवरी (हि.स.)। जम्मू-कश्मीर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के सीनियर वाइस प्रेसिडेंट विनोद शर्मा ने जम्मू ईस्ट के वार्ड-17 में एक महत्वपूर्ण संगठनात्मक बैठक की अध्यक्षता की। बैठक में आगामी शहरी स्थानीय निकाय और पंचायत चुनावों को लेकर पार्टी की रणनीति, तैयारियों और जमीनी स्तर पर संगठन को मजबूत करने पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक को संबोधित करते हुए शर्मा ने कहा कि आने वाले चुनावों में कांग्रेस को जन-केंद्रित और मुद्दा आधारित राजनीति के साथ मैदान में उतरना होगा। उन्होंने जोर दिया कि वार्ड और पंचायत स्तर के कार्यकर्ताओं की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करते हुए जनता की वास्तविक समस्याओं को प्रमुखता से उठाया जाए और उनके ठोस समाधान प्रस्तुत किए जाएं।

उन्होंने क्षेत्र में लगातार बनी हुई पानी और बिजली की अनियमित आपूर्ति पर गंभीर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि इन बुनियादी सुविधाओं की कमी ने आम नागरिकों का जीवन कठिन बना दिया है। विनोद शर्मा ने कहा कि बिजली कटौती और पेयजल संकट प्रशासनिक उदासीनता और कमजोर शासन का प्रतीक हैं, जिन्हें कांग्रेस हर मंच पर मजबूती से उठाएगी। सीनियर वाइस प्रेसिडेंट ने आगे कहा कि जम्मू-कश्मीर के लोग बेरोजगारी, बढ़ती महंगाई, जर्जर होती नागरिक सुविधाओं और जवाबदेह शासन के अभाव जैसी गंभीर समस्याओं से जूझ रहे हैं।

कांग्रेस इन सभी मुद्दों पर जनता की आवाज बनकर उनके अधिकारों और कल्याण के लिए संघर्ष करती रहेगी। बैठक में अन्य ज्वलंत विषयों—जैसे शहरी वार्डों की उपेक्षा, सीमांत और वंचित वर्गों की समस्याएं, तथा मजबूत स्थानीय स्वशासन के माध्यम से प्रभावी विकेंद्रीकरण की आवश्यकता—पर भी गहन चर्चा हुई।

आवारा कुत्तों के प्रति जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

कठुआ/बसोहली, 21 जनवरी (हि.स.)। राजकीय डिग्री कॉलेज बसोहली में आवारा कुत्तों के प्रति मानवीय व्यवहार और शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व को बढ़ावा देने के उद्देश्य से एक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम के दौरान डॉ. निखिल भारती ने व्याख्यान देते हुए आवारा कुत्तों के प्रति करुणा, टीकाकरण, नसबंदी तथा जिम्मेदार व्यवहार के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने आवारा कुत्तों से जुड़ी आम चिंताओं पर भी चर्चा की और उनके प्रबंधन के लिए मानवीय एवं कानूनी उपायों की जानकारी दी। इस जागरूकता गतिविधि में विद्यार्थियों और स्टाफ की सक्रिय भागीदारी देखने को मिली। कार्यक्रम के माध्यम से समाज में आवारा कुत्तों के प्रति जिम्मेदारी और दयालुता का संदेश प्रभावी ढंग से प्रसारित किया गया।

कठुआ में वंदे मातरम् अभियान के तहत कार्यक्रमों की श्रृंखला आयोजित

कठुआ, 21 जनवरी (हि.स.)। राष्ट्रीय गौरव वंदे मातरम अभियान के द्वितीय चरण के तहत जिला प्रशासन कठुआ द्वारा पूरे जिले व उपमंडलों में विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन कर वंदे मातरम् के 150 वर्ष पूरे होने का स्मरण किया गया। अभियान का उद्देश्य जनमानस में देशभक्ति, राष्ट्रीय एकता और संवैधानिक मूल्यों को सुदृढ़ करना रहा। स्पोर्ट्स स्टेडियम कठुआ में वंदे मातरम् का भव्य सामूहिक पाठ हुआ जिसमें छात्रों, युवाओं, सरकारी कर्मचारियों, सुरक्षा बलों व आम नागरिकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। उपायुक्त कठुआ राजेश शर्मा ने वंदे मातरम् के ऐतिहासिक महत्व पर प्रकाश डालते हुए इसे राष्ट्रीय एकता का प्रतीक बताया। इसके अलावा संगोष्ठी, जागरूकता व्याख्यान, क्विज प्रतियोगिता, स्वच्छता अभियान और सरकारी कार्यालयों में सामूहिक पाठ जैसे कार्यक्रम आयोजित किए गए। बिलावर, बसोहली, रामकोट, हीरानगर सहित सभी उप-मंडलों और पोषण परियोजनाओं में भी कार्यक्रमों का आयोजन कर अभियान को जन-जन तक पहुंचाया गया।

आयुष्मान भारत, आभा कार्ड, राशन कार्ड और वोटर आईडी का वितरण, युवाओं को मतदान के लिए किया प्रेरित

जम्मू, 21 जनवरी (हि.स.)। जनकल्याण और डिजिटल सशक्तिकरण को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए सम्वेदना सोसाइटी के चेयरमैन एवं सामाजिक कार्यकर्ता केशव चोपड़ा ने एक व्यापक जनसंपर्क एवं वितरण अभियान का आयोजन किया। इस विशेष अभियान का उद्देश्य सरकारी योजनाओं और आम जनता के बीच की दूरी को कम करना था, ताकि लोगों को आवश्यक दस्तावेज़ एक ही स्थान पर सुलभ हो सकें।

अभियान के दौरान स्थानीय निवासियों को आयुष्मान भारत स्वास्थ्य बीमा कार्ड, आभा डिजिटल हेल्थ अकाउंट, राशन कार्ड तथा वोटर आईडी कार्ड उपलब्ध कराए गए। कार्यक्रम में भारी संख्या में लोगों ने भाग लिया, जिसमें स्वास्थ्य सुरक्षा की तलाश कर रहे नागरिकों से लेकर पहली बार लोकतांत्रिक प्रक्रिया में शामिल होने वाले युवा भी शामिल थे। इस अवसर पर केशव चोपड़ा ने कहा कि सम्वेदना सोसाइटी का मुख्य उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि सरकार की जनकल्याणकारी योजनाएं जमीनी स्तर तक पहुंचें। उन्होंने वोटर आईडी प्राप्त करने वाले युवाओं को संबोधित करते हुए मतदान को देश के विकास में भागीदारी का सशक्त माध्यम बताया। स्वास्थ्य पर विशेष जोर देते हुए उन्होंने कहा कि आयुष्मान भारत कार्ड हर परिवार के लिए बेहद महत्वपूर्ण है, जो सालाना पांच लाख रुपये तक का स्वास्थ्य बीमा प्रदान करता है। वहीं आभा कार्ड के माध्यम से मरीज का मेडिकल रिकॉर्ड डिजिटल रूप से सुरक्षित रहता है, जिससे इलाज की प्रक्रिया आसान हो जाती है।

पुलिस ने अखनूर में एक नशीले पदार्थ तस्कर को गिरफ्तार किया

जम्मू, 21 जनवरी (हि.स.) जम्मू पुलिस ने अखनूर क्षेत्र में नशीले पदार्थों के खिलाफ चल रहे अभियान में महत्वपूर्ण सफलता हासिल करते हुए एक नशीले पदार्थ चिट्टा को गिरफ्तार किया है। अखनूर स्थित पुराने पुल के पास नियमित गश्त और नाकाबंदी के दौरान पीएसआई एजाज-उल-हक के नेतृत्व में पुलिस दल ने अंबाराइन से अखनूर की ओर आ रही एक मोटरसाइकिल को रोका। पुलिस नाका देखते ही मोटरसाइकिल चालक ने भागने का प्रयास किया लेकिन सतर्क पुलिसकर्मियों ने उसे तुरंत पकड़ लिया। व्यक्तिगत तलाशी के दौरान उसके पास से लगभग 5.50 ग्राम चिट्टा जैसा मादक पदार्थ बरामद हुआ। आरोपी की पहचान अभिषेक जमवाल पुत्र रघुबीर सिंह निवासी अघोर रंजन तहसील भलवाल जिला जम्मू के रूप में हुई। बरामद पदार्थ को मजिस्ट्रेट की उपस्थिति में विधिवत जब्त कर लिया गया।

जीडीसी कठुआ में सड़क सुरक्षा जागरूकता रैली आयोजित

कठुआ, 21 जनवरी (हि.स.)। सड़क सुरक्षा जागरूकता माह के अंतर्गत राजकीय डिग्री कॉलेज कठुआ के रोड सेफ्टी क्लब द्वारा एनसीसी व एनएसएस इकाइयों के सहयोग से सड़क सुरक्षा जीवन रक्षा विषय पर जागरूकता रैली का आयोजन किया गया। रैली का उद्देश्य विद्यार्थियों व आमजन को यातायात नियमों के पालन और सुरक्षित सड़क व्यवहार के प्रति जागरूक करना रहा। कॉलेज परिसर से शुरू होकर उपायुक्त कार्यालय के आसपास के क्षेत्रों तक निकाली गई इस रैली में विद्यार्थियों ने हेलमेट व सीट बेल्ट पहनने, ओवरस्पीडिंग और मोबाइल फोन के उपयोग से बचने तथा ट्रैफिक संकेतों का पालन करने संबंधी संदेश दिए। रैली को प्राचार्य डॉ. मनोहर लाल ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया और सड़क सुरक्षा को सामूहिक जिम्मेदारी बताया। रोड सेफ्टी क्लब की संयोजक डॉ. नीलिमा गुप्ता, एनसीसी व एनएसएस अधिकारियों सहित वरिष्ठ शिक्षकों ने विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन किया। रैली का समापन सड़क सुरक्षा के सशक्त संदेश के साथ हुआ।

रेलयात्री कृपया ध्यान दें!

महत्वपूर्ण जानकारी

दिल्ली–वाराणसी–दिल्ली के बीच विशेष रेलगाड़ी का संचालन

रेलयात्रियों के सुविधाजनक आवागमन के लिए उत्तर रेलवे द्वारा दिल्ली–वाराणसी–दिल्ली के बीच एक विशेष रेलगाड़ी संचालित करने का निर्णय लिया गया है, जिसका विस्तृत विवरण निम्नानुसार है :–

04024/04023 दिल्ली जं.-वाराणसी-दिल्ली जं. सुपरफास्ट स्पेशल एक्सप्रेस (4 फेरे)

रेलगाड़ी सं. 04024		स्टेशन	रेलगाड़ी सं. 04023	
आगमन	प्रस्थान		आगमन	प्रस्थान
----	19:25	दिल्ली जं.	08:50	--
20:08	20:10	गाजियाबाद	08:00	08:02
22:30	22:38	मुरादाबाद	05:17	05:25
03:30	03:40	लखनऊ	00:20	00:30
04:55	04:57	रायबरेली जं.	21:58	22:00
06:35	06:40	माँ बेल्हा देवी धाम प्रतापगढ़	20:20	20:25
09:40	----	वाराणसी	----	18:35

चलने के दिन: 04024 दिल्ली जं. से दिनांक 23.01.2026 एवं 25.01.2026 को और 04023 वाराणसी से दिनांक 24.01.2026 एवं 26.01.2026 को।

स्थान : 2 टियर वाता., 3 टियर वाता., शयनयान एवं सामान्य।

रेगगाड़ी संख्या 04081/04082 नई दिल्ली–श्री माता वैष्णो देवी कटड़ा–नई दिल्ली स्पेशल ट्रेन की संचालन अवधि में मौजूदा समय–सारणी, ठहराव एवं स्थान के साथ विस्तार

रेलगाड़ी संख्या	स्टेशन से	स्टेशन तक	फ्रीक्वेंसी	अतिरिक्त फेरों की तिथि	फेरे
04081	नई दिल्ली	श्री माता वैष्णो देवी कटड़ा	प्रतिदिन	23.01.26 से 26.01.26	04
04082	श्री माता वैष्णो देवी कटड़ा	नई दिल्ली		24.01.26 से 27.01.26	04

विस्तृत जानकारी के लिए कृपया रेलमदद हेल्पलाइन नं. 139 डायल करें अथवा रेलवे पूछताछ वेबसाइट www.enquiry.indianrail.gov.in देखें ।

रेलमदद हेल्पलाइन नं. 139

रेलमदद वेबसाइट देखें :– www.railmadad.indianrailways.gov.in

रेलमदद ऐप डाउनलोड करें

223/26

पर हमें फॉलो करें

उत्तर रेलवे सदैव आपकी सेवा में हमें www.nr.indianrailways.gov.in पर मिलें

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

केंद्रीय विश्वविद्यालय जम्मू में स्पिक मैके का शास्त्रीय संगीत समारोह आयोजित

जम्मू, 21 जनवरी (हि.स.)। केंद्रीय विश्वविद्यालय जम्मू में आज स्पिक मैके के तत्वावधान में एक भव्य शास्त्रीय संगीत कार्यक्रम का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. संजीव जैन के दूरदर्शी नेतृत्व में छात्रों को भारतीय शास्त्रीय कला से निरंतर जोड़ने की दिशा में यह कार्यक्रम एक महत्वपूर्ण प्रयास रहा। आयोजन डीन ऑफ स्टूडेंट्स वेलफेयर कार्यालय के अंतर्गत स्पिक मैके क्लब द्वारा किया गया।

कार्यक्रम में स्पिक मैके से जुड़े प्रसिद्ध युगल कलाकार अविनाश कुमार और रिंदना रहस्य ने अपनी मनमोहक प्रस्तुति दी। दोनों कलाकार आकाशवाणी, नई दिल्ली के 'ए ग्रेड' कलाकार हैं और मूरछना-भेदम, जिसे जसरंगी शैली के नाम से भी जाना जाता है, में अपनी युगल प्रस्तुतियों के लिए विख्यात हैं। उनके साथ ज़ाहिन खान, ज़ाकिर ढोलपुरी, सोहेल और उजित उदय कुमार ने वाद्य यंत्रों पर संगत कर कार्यक्रम को और प्रभावशाली बनाया।

शास्त्रीय संगीत की इस संध्या में विश्वविद्यालय के शिक्षक एवं छात्र बड़ी संख्या में उपस्थित रहे और आत्मा को छू लेने वाली प्रस्तुतियों का भरपूर आनंद लिया। कार्यक्रम में रजिस्ट्रार प्रो. यशवंत सिंह ने भारतीय शास्त्रीय संगीत के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि ऐसे आयोजन छात्रों में भारतीय सांस्कृतिक जड़ों को पुनर्जीवित करने में अहम भूमिका निभाते हैं। इस अवसर पर प्रो. ऋतु बख्शी ने कलाकारों को सम्मानित किया। कार्यक्रम का सफल संचालन विश्वविद्यालय के स्पिक मैके क्लब के स्वयंसेवकों द्वारा किया गया, जिन्हें संकाय संयोजक डॉ. नैन्सी मेंगी और डॉ. भावना अरोड़ा का मार्गदर्शन प्राप्त रहा।

चांसलर ट्रॉफी में जीडीसी हीरानगर के विद्यार्थियों का शानदार प्रदर्शन

कठुआ/हीरानगर, 21 जनवरी (हि.स.)। जम्मू विश्वविद्यालय में 15 से 19 जनवरी 2026 तक आयोजित चांसलर ट्रॉफी प्रतियोगिता में राजकीय डिग्री कॉलेज हीरानगर के विद्यार्थियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन कर कॉलेज का नाम रोशन किया। कॉलेज के चतुर्थ सेमेस्टर के छात्र राघव और अतुल ने अपने-अपने खेल स्पर्धाओं में स्वर्ण पदक जीतकर उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की।

कॉलेज लौटने पर प्राचार्य ने दोनों पदक विजेताओं को सम्मानित किया और उनकी मेहनत, अनुशासन व समर्पण की सराहना की। उन्होंने विद्यार्थियों को पढ़ाई के साथ-साथ खेलों में भी उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए प्रेरित किया। कॉलेज परिवार ने इस उपलब्धि पर छात्रों को बधाई दी और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

GOVERNMENT OF JAMMU & KASHMIR
OFFICE OF THE TEHSILDAR GHAGWAL
(Tehsil Office Complex, Ghagwal, Samba, 184141)

Public Notice

It is hereby notified for the information of the general public of Tehsil Ghagwal, particularly the landholders and interested persons of villages mentioned below, that the digitized Jamabandi of the said villages shall be publicly read out as per the following schedule

S.No	Name of Patwar Halqa	Name of village	Time and Date	Venue
1	Ghagwal	1. Ghagwal 2. Gurah Jattan	11:00 AM 22.01.2026	Tehsil Office Ghagwal/ Panchayat Ghar Tapyal
2	Surara	1. Ratwana	11:00 AM 22.01.2026	Govt. High School Nichla
3	Ghagwal	1. Chhan Matloni 2. Tapyal	11:00 AM 23.01.2026	Tehsil Office Ghagwal/ Panchayat Ghar Tapyal

All landholders and other interested persons of the above said villages are hereby requested to attend the said programme for verification of their land records. In case of any discrepancy, objection, or grievance, the same may be raised on the spot for necessary action in accordance with the prescribed rules.
The concerned Patwari and Girdawar is hereby directed to remain present at the venue and maintain a Grievance Register strictly as per the prescribed format for recording objections/representations of the public.
This notice is issued for wide publicity and strict compliance.
No: OQ/TG/ Dated: 20-01-2026

DIP/J-10481/25
Dtd: 21-1-2026

Sd/-
Shakil Ahmed (JKAS)
Tehsildar Ghagwal

संपादकीय

नए ज़माने की भारतीय रेलवे

यह पक्का है कि भारतीय रेलवे की वंदे भारत ट्रेनों ने पूरे देश में यात्रा के अनुभव में क्रांति ला दी है, क्योंकि यह प्रतिष्ठित सेवा शुरू होने के तुरंत बाद ही लोगों की पहली पसंद बन गई है। वंदे भारत ट्रेनों के आने से पहले चलने वाली ट्रेनों और इन नए रेक के सेट के बीच का अंतर साफ़ है, क्योंकि ये कम किराए में आराम, सुविधा और समय की बचत देती हैं, जिससे यात्रियों के लिए फायदे वाली स्थिति बनती है। पहले यात्रियों को देश के अलग-अलग शहरों को जोड़ने वाले तय रूट पर जो भी सेवा मिलती थी, उसी से संतोष करना पड़ता था।

तारीफ़ के काबिल बात यह है कि वंदे भारत रेक में सुधार करने और भारतीय रेलवे के अलग-अलग सेक्शन में बड़ी संख्या में ऐसी ट्रेनें शुरू करने के अलावा, सुधार की प्रक्रिया लगातार जारी रही है। अब भारतीय रेलवे ने उत्तर बंगाल के मालदा टाउन स्टेशन से हावड़ा और गुवाहाटी (कामाख्या) के बीच अपनी पहली वंदे भारत स्लीपर ट्रेन शुरू करके एक और बड़ी छलांग लगाई है।

इस ट्रेन सेवा को खुद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हरी झंडी दिखाई, जिससे देश और दुनिया को यह दिखाया कि भारत को विकास के रास्ते पर ले जाने के लिए उनके लिए आसमान ही सीमा है। खबरों के मुताबिक, उन्होंने गुवाहाटी-हावड़ा वंदे भारत स्लीपर ट्रेन को भी वर्चुअली हरी झंडी दिखाई।

वंदे भारत ट्रेनों का यह नया वर्जन आधुनिक भारत की बढ़ती परिवहन ज़रूरतों को पूरा करने के लिए देश में ही विकसित किया गया है, क्योंकि पूरी तरह से AC वंदे भारत स्लीपर ट्रेन ने यात्रियों को हवाई यात्रा के बराबर अत्याधुनिक सुविधाएं देना शुरू कर दिया है, वह भी बहुत किफायती किराए पर। निश्चित रूप से यह रेलवे का एक मास्टरस्ट्रोक है, क्योंकि इतनी सारी सुविधाओं के साथ लोग इस नए यात्रा अनुभव को ज़रूर पसंद करेंगे। जहाँ तक इस नई ट्रेन सेवा के बताए गए रूट की बात है, तो यह यात्रा के समय को लगभग 2.5 घंटे कम कर देगा, जो उन लोगों के लिए एक तोहफ़ा है जो तेज़ी से और आराम से यात्रा करना चाहते हैं।

नरेंद्र मोदी सरकार द्वारा शुरू की गई वंदे भारत ट्रेनों के बारे में खास बात यह है कि विपक्षी नेता भी इस पहल की तारीफ़ करते हैं क्योंकि यह बिना किसी कमी के है और दुनिया के विकसित देशों के बराबर भारत को लाने की दूरदर्शी सोच से बनाई गई है। एक आम यात्री के तौर पर, यह लोगों का कर्तव्य है कि वे वंदे भारत ट्रेनों को सही-सलामत, साफ़-सुथरा और सेवा के लायक रखकर सरकार की ऐसी सभी प्रगतिशील पहलों का समर्थन करें, जैसा कि दिल्ली के लोगों ने मेट्रो के मामले में किया है। यह हर बार जब लोग ट्रेन से यात्रा करना पसंद करते हैं, तो अच्छे यात्रा अनुभव को बनाए रखने और ग्लोबल लेवल पर देश की इमेज को बेहतर बनाने के लिए बहुत ज़रूरी है।

AI से आत्मनिर्भरता तक- महिलाओं और युवाओं का नया भविष्य

इससे महिलाओं को लचीले काम के घंटे, तय आमदनी और बेहतर सुरक्षा मिलती है। इसी तरह, टैक्सी और डिलीवरी सेवाओं में रियल-टाइम लोकेशन शेयरिंग और वॉयस-एक्टिवेटेड इमरजेंसी फीचर जैसी सुविधाओं ने महिला ड्राइवर्स का भरोसा बढ़ाया है। ग्रामीण और अर्ध-शहरी भारत में भी एआई डिजिटल समावेशन को आगे बढ़ा रहा है। क्षेत्रीय भाषाओं में काम करने वाले एआई सहायक और आवाज से चलने वाली डिजिटल भुगतान सेवाएं उन महिलाओं के लिए मददगार साबित हो रही हैं, जो पढ़ना-लिखना कम जानती हैं। अब वे बिना झिझक अपने पैसों का लेन-देन और प्रबंधन कर पा रही हैं। 'युवा एआई फॉर ऑल' युवाओं के लिए एआई केवल एक तकनीक नहीं, बल्कि नए भविष्य का दरवाज़ा है।

श्रीमती कविता भाटिया

भारत इंडिया-एआई इम्पैक्ट समिट 2026 की तैयारियों में जुटा है। इस समिट में दुनिया भर के एआई के धुरंधर शामिल होंगे और इस वैश्विक मंच पर भारत के युवाओं को भी अपना पुरुषार्थ दिखाने का अवसर मिलेगा। अब एआई यानी आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस केवल मशीनों, एल्गोरिदम या ऑटोमेशन तक सीमित नहीं है। असली चर्चा इस बात की है कि एआई को सभी के लिए उपयोगी और सुलभ कैसे बनाया जाए। खासतौर पर महिलाओं, युवाओं और उन कामगारों के लिए, जो अब तक औपचारिक अर्थव्यवस्था से दूर रहे हैं। एआई की सबसे बड़ी ताकत यह नहीं है कि वह इंसानों की जगह ले ले, बल्कि यह है कि वह इंसानों की क्षमता बढ़ाए।

अगर सही तरीके से इस्तेमाल किया जाए, तो एआई महिलाओं को आत्मनिर्भर बना सकता है, युवाओं को नए कौशल दे सकता है और असंगठित क्षेत्र में काम करने वालों को सुरक्षा और अवसर दोनों दे सकता है। इसी सोच के साथ मार्च 2024 में सरकार ने इंडिया एआई मिशन को मंजूरी दी। इस मिशन का उद्देश्य है—भारत में एआई का विकास करना और एआई को भारत की जरूरतों के अनुसार काम में लाना। इसके तहत कंप्यूटिंग क्षमता बढ़ाने, नए इनोवेशन सेंटर खोलने, भरोसेमंद डेटा प्लेटफॉर्म बनाने, एआई आधारित एप्लिकेशन विकसित करने, युवाओं को भविष्य के कौशल सिखाने और स्टार्टअप्स को वित्तीय मदद देने जैसे कई कदम उठाए गए। उनके सकारात्मक और

सुखद परिणाम अब शिक्षा से लेकर स्वास्थ्य तक, लैब से लेकर खेतों तक और संगीत व कला जैसे हर क्षेत्र में दिखाई देने लगे हैं। इस मिशन का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है इंडिया एआई इनोवेशन सेंटर, जहाँ खास तौर पर समावेश विकास

पर ध्यान दिया जा रहा है। यहाँ ऐसे एआई मॉडल तैयार किए जा रहे हैं, जो भारत की भाषाई और सामाजिक विविधता को समझ सकें। ये मॉडल किसानों, महिला उद्यमियों, गिग वर्कर्स और छोटे व्यापारियों की जरूरतों को ध्यान में रखकर बनाए जा रहे हैं। क्षेत्रीय भाषाओं में काम करने वाले एआई सहायक, छोटे-छोटे सलाह देने वाले डिजिटल टूल और अलग-अलग क्षेत्रों के लिए ज्ञान आधारित सिस्टम इसी दिशा में काम कर रहे हैं। एआई समिट से निकलेगी राह दुनिया के कई देशों में एआई को केवल उत्पादकता और प्रतिस्पर्धा बढ़ाने के औज़ार के रूप में देखा जा रहा है। लेकिन भारत में एआई का असली असर रोज़गार, सुरक्षा, प्रशिक्षण और अवसर के रूप में सामने आ रहा है। फरवरी 2026 में होने वाले इंडिया-एआई इम्पैक्ट समिट में इसी सोच पर चर्चा होगी कि एआई का इस्तेमाल जनता, विकास और धरती के हित में कैसे किया जाए।

आज भारत की गिग और प्लेटफॉर्म अर्थव्यवस्था में महिलाएं एआई की मदद से नई पहचान बना रही हैं। कई महिला उद्यमी एआई आधारित ऑनलाइन बाज़ारों से जुड़कर अपना कारोबार बढ़ा रही हैं। वहीं, टैक्सी चलाने वाली या डिलीवरी का काम करने वाली महिलाएं एआई आधारित सुरक्षा सुविधाओं की वजह से ज्यादा सुरक्षित और आत्मविश्वास से भरी महसूस कर रही हैं। उदाहरण के लिए, ब्यूटी और हेल्थ से जुड़े प्लेटफॉर्म एआई का इस्तेमाल कर ग्राहकों को सही सेवा प्रदाता से जोड़ते हैं। इसमें स्थान, कौशल और पुराने अनुभव जैसी जानकारियों का ध्यान रखा जाता है। इससे महिलाओं को लचीले काम के घंटे, तय आमदनी और बेहतर सुरक्षा मिलती है। इसी तरह, टैक्सी और डिलीवरी सेवाओं में रियल-टाइम लोकेशन शेयरिंग और वॉयस-एक्टिवेटेड इमरजेंसी फीचर जैसी सुविधाओं ने महिला ड्राइवर्स का भरोसा बढ़ाया है। ग्रामीण और अर्ध-शहरी भारत में भी एआई डिजिटल समावेशन को आगे बढ़ा रहा है। क्षेत्रीय भाषाओं में काम करने वाले एआई सहायक और आवाज से चलने वाली डिजिटल भुगतान सेवाएं उन महिलाओं के लिए मददगार साबित हो रही हैं, जो पढ़ना-लिखना कम जानती हैं। अब वे बिना झिझक अपने पैसों का लेन-देन और प्रबंधन कर पा रही हैं। 'युवा एआई फॉर ऑल' युवाओं के लिए एआई केवल एक तकनीक नहीं, बल्कि नए भविष्य का दरवाज़ा है। सरकार और निजी क्षेत्र मिलकर देशभर में एआई से जुड़े कौशल सिखा रहे हैं, चाहे वह बुनियादी डिजिटल जानकारी हो या उन्नत मशीन लर्निंग। इसी कड़ी में शुरू किया गया 'युवा एआई फॉर ऑल' अभियान लाखों छात्रों को एआई की बुनियादी समझ दे रहा है। स्कूलों, कॉलेजों और ऑनलाइन प्लेटफॉर्म के ज़रिये यह कोशिश की जा रही है कि एआई का ज्ञान किसी एक वर्ग तक सीमित न रहे। आज एआई की भूमिका केवल रोज़गार तक सीमित नहीं रही, बल्कि वह जन-कल्याण से भी जुड़ गई है। कई स्टार्ट-अप्स रिहायशी इलाकों और दफ्तरों में महिलाओं की सुरक्षा के लिए एआई आधारित निगरानी और विश्लेषण सिस्टम का इस्तेमाल कर रहे हैं। वहीं, आपातकालीन सेवाओं में एआई आधारित शिकायत निवारण सिस्टम से प्रतिक्रिया का समय कम हुआ है और सेवाएं ज़्यादा प्रभावी बनी हैं। खेती के क्षेत्र में भी एआई बड़ा बदलाव ला रहा है। मौसम, कीट और फसल से जुड़े जोखिमों का अनुमान लगाकर एआई किसानों, खासकर महिला किसानों को बेहतर फैसले लेने में मदद कर रहा है। फाइनेंशियल टेक्नोलॉजी के ज़रिये एआई आधारित क्रेडिट स्कोरिंग से उन महिला-नेतृत्व वाले कारोबारों को भी कर्ज़ मिल पा रहा है, जो पहले बैंकिंग व्यवस्था से बाहर थे। नीति आयोग की रिपोर्ट भी बताती है कि एआई स्वास्थ्य, शिक्षा, कौशल विकास और वित्तीय सेवाओं तक पहुंच बढ़ाकर करोड़ों असंगठित कामगारों को सशक्त बना सकता है। ये वही लोग हैं, जो भारतीय अर्थव्यवस्था की रीढ़ हैं। जैसे-जैसे एआई का इस्तेमाल बढ़ रहा है, उसका नैतिक और निष्पक्ष उपयोग सुनिश्चित करना भी ज़रूरी हो गया है। भारत का दृष्टिकोण 卐सभी के लिए एआई卐 पर आधारित है, जिसमें पारदर्शिता, जवाबदेही और समान अवसर पर ज़ोर दिया गया है। डिजिटल श्रमसेतु जैसी पहलें असंगठित क्षेत्र में तकनीक को पहुंचाने का काम कर रही हैं। भारत की पहली डिजिटल क्रांति ने लोगों को जोड़ा, अब अगली एआई क्रांति का लक्ष्य उन्हें नए अवसर देना होना चाहिए। ऐसा भविष्य, जहाँ गांव की महिला उद्यमी, दूर-दराज़ का युवा और शहर का स्टार्टअप संस्थापक- सभी एआई के लाभ में बराबर के भागीदार हों। भारत में एआई की सफलता इस बात से नहीं मापी जाएगी कि उसके एल्गोरिदम कितने जटिल हैं, बल्कि इस बात से मापी जाएगी कि वह कितने लोगों को आगे बढ़ने का मौका देता है। महिलाएं, युवा और कामगार अब केवल लाभ लेने वाले नहीं हैं, बल्कि एक न्यायपूर्ण और समावेशी एआई अर्थव्यवस्था के निर्माता बन रहे हैं। यही भारत की असली ताकत है।

(लेखिका इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के इंडिया एआई मिशन की सीओओ हैं।)

ऋतुराज बसंत का शुभागमन- प्रकृति के नवश्रृंगार से संस्कृति और साधना तक

कड़ाके की सर्दी के बाद आए बसंत ने नर-नारी ही नहीं, बल्कि समस्त प्राणी जगत, पेड़-पौधों और जीव-जंतुओं में भी नई उम्मीद, नवीन उमंग और आशा का संचार कर दिया है। शिशिर के घोर संताप से संत्रस्त प्रकृति बसंत के शुभागमन के साथ अपना नूतन श्रृंगार कर लेती है। बसंत ऋतु फाल्गुन में जन्म लेती है, चैत्र में जवान होती है और वैशाख में विश्राम को चली जाती है। आदि और अनंत काल से बसंत मनुष्य को हंसाता-खिलखिलाता आया है और उसे यह संदेश देता है कि दुख और पीड़ा के बाद सुख और चैन का समय अवश्य आता है।

-उदय कुमार सिंह

ऋतुओं के राजा बसंत का शुभागमन हो गया है। प्रकृति का यह अद्भुत और अनोखा उपहार अपने साथ उल्लास, उमंग और उत्साह का संदेश लेकर आया है। बसंत के आते ही सर्दी का सितम थम गया है, शीत का प्रकोप दूर हो गया है और मौसम सुहावना बन गया है। चारों ओर आनंद और उत्सव का वातावरण दिखाई देने लगा है।

कड़ाके की सर्दी और पतझड़ के कारण जिन पेड़ों के पत्ते झड़ गए थे, उनकी नंगी शाखाओं की फुनगियों पर लाल-लाल कोपलें फूट पड़ी हैं। प्रकृति में मानो नया उत्साह छा गया है। पहाड़ों की बर्फ पिघलने लगी है, वन-उपवन की शोभा बढ़ गई है और समस्त वातावरण में चार चांद लग गए हैं। घर-बार, बाग-बगीचे, घाटियां और वादियां फूलों से आच्छादित हो गई हैं। पर्वतीय प्रदेश नाना प्रकार के रंग-बिरंगे फूलों से महक उठे हैं। लाल-गुलाबी, नीले-पीले, बैंगनी और आसमानी रंगों की छटा मन को मोह लेती है। भौंरे मंडराने लगे हैं और रंग-बिरंगे फूलों को देखकर मयूर आनंद से नृत्य करने लगता है।

गांव-कस्बों में बसंत की रौनक

बसंत ऋतु में विशेषकर गांवों और कस्बों में अलग ही उल्लास देखने को मिलता है। खेत-खलिहानों, बाग-बगीचों में गजब की रौनक है। किसानों के चेहरे खिले हुए हैं। खेतों में सरसों के पीले-पीले फूल खिल गए हैं, गेहूं और जौ की बालियां हिलोरे मार रही हैं और हरी-भरी फसलें लहलहा रही हैं। पेड़ों पर झूले डाल दिए गए हैं। सखी-सहेलियां हर्षोल्लास के साथ गीत गा रही हैं और नृत्य के माध्यम से ग्रामीण जीवन को प्रफुल्लित कर रही हैं। इन गीतों में प्रकृति के प्रति प्रेम, अपनों के प्रति स्नेह, बच्चों के प्रति ममता और प्रियतम को बुलाने का भाव झलकता है।

कड़ाके की सर्दी के बाद आए बसंत ने नर-नारी ही नहीं, बल्कि समस्त प्राणी जगत, पेड़-पौधों और जीव-जंतुओं में भी नई उम्मीद, नवीन उमंग और आशा का संचार कर दिया है। शिशिर के घोर संताप से संत्रस्त प्रकृति बसंत के शुभागमन के साथ अपना नूतन श्रृंगार कर लेती है। बसंत ऋतु फाल्गुन में जन्म लेती है, चैत्र में जवान होती है और वैशाख में विश्राम को चली जाती है। आदि और अनंत काल से बसंत मनुष्य को हंसाता-खिलखिलाता आया है और उसे यह संदेश देता है कि दुख और पीड़ा के बाद सुख और चैन का समय अवश्य आता है।

बसंत पंचमी- ज्ञान और नवआरंभ का पर्व

भारतवर्ष में बसंत पंचमी का विशेष महत्व है। भारतीय सनातन संस्कृति में यह हिंदू धर्म का महान और पावन पर्व माना गया है। बसंत पंचमी अपने आप में मनोहारी प्राकृतिक परिवर्तनों को समेटे हुए है। इस दिन जहां ऋतु परिवर्तन स्पष्ट दिखाई देता है, वहीं धर्मपरायण लोग विद्या की देवी मां सरस्वती की आराधना करते हैं। बसंत पंचमी को देश-विदेश में मां महासरस्वती के जन्मोत्सव के रूप में मनाया जाता है।

छात्र-छात्राएं, शिक्षक, विद्वान, लेखक, साहित्यकार और कला जगत से जुड़े लोग इस दिन मां सरस्वती की विधि-विधान से पूजा, अर्चना और उपासना करते हैं। इस दिन मां सरस्वती के साथ-साथ भगवान विष्णु, श्रीकृष्ण-राधा, भगवान शिव, सूर्यदेव, बसंत स्वरूप कामदेव और रति का भी पूजन किया जाता है। मान्यता है कि कामदेव-रति का पुष्पों और अबीर-गुलाल से पूजन करने से गृहस्थ जीवन में सुख-शांति बनी रहती है।

पीले रंग का इस दिन विशेष महत्व है। पीला रंग ओज, ऊर्जा, सात्विकता और बलिदान का प्रतीक माना जाता है। इसलिए पीले वस्त्र धारण करना, पीले वस्त्रों का दान करना और पीले रंग की मिठाइयां व पकवान ग्रहण करना शुभ माना गया है। बसंत पंचमी को अबूझ मुहूर्त माना जाता है, इसलिए इस दिन विवाह, गृहप्रवेश, विद्यारंभ और अन्य मांगलिक कार्य संपन्न किए जाते हैं। कई क्षेत्रों में पतंगबाजी का उत्सव भी बड़े उत्साह के साथ मनाया जाता है।

मां सरस्वती-- ज्ञान, वाणी और कला की अधिष्ठात्री

शास्त्रों के अनुसार मां सरस्वती का जन्म भगवान ब्रह्मा के मुख से हुआ है। वे वाणी की अधिष्ठात्री देवी हैं और वागेश्वरी, वाग्देवी, भारती, ब्राह्मी, शारदा आदि नामों से जानी जाती हैं। हंस पर विराजमान, कुंद के समान उज्ज्वल वर्ण, चंद्रमा के समान मुखमंडल, मंद मुस्कान और मस्तक पर चंद्ररेखा से सुशोभित मां सरस्वती श्वेत कमल पर आसीन हैं। उनके हाथों में पुस्तक, वीणा, अक्षयमाला और अमृतमय घट सुशोभित हैं।

मां सरस्वती समस्त विद्याओं की अधिष्ठात्री हैं। उनकी कृपा से ही प्राणी ज्ञान अर्जित करता है। उनका कलात्मक स्पर्श कुरूप को भी सुंदर बना देता है। वे अत्यंत दयालु और उदार हृदय वाली हैं, जिनमें असीम करुणा विद्यमान है।

मां सरस्वती का विग्रह- जीवन प्रबंधन का संदेश

मां सरस्वती का विग्रह केवल पूजन का विषय नहीं, बल्कि जीवन प्रबंधन का गहन संदेश भी देता है। उनके श्वेत वस्त्र यह सिखाते हैं कि हमारा ज्ञान और चरित्र दोनों निर्मल हों। कमलासन यह संदेश देता है कि संसार में रहते हुए भी झूठ, कपट, असंयम और कुसंग से दूर रहना चाहिए।

श्रुतिहस्ता में धारण किया गया सदग्रंथ यह बताता है कि हमारे हाथों से वही कर्म हों जो सत्य और धर्म के अनुरूप हों। स्फटिक माला मनन और आत्मचिंतन की प्रेरणा देती है। वीणावादिनी मां यह संदेश देती हैं कि जीवन एकांगी न हो, बल्कि अपनी सुप्त योग्यताओं को जागृत कर सफलता के मधुर राग रचे जाएं। हंसवाहिनी मां विवेकशील बुद्धि और सद्गुणों को ग्रहण करने की शिक्षा देती हैं, जबकि निकट स्थित मयूर कला, मधुरता और समभाव का प्रतीक है।

बसंत पंचमी पर मां सरस्वती पूजन

बसंत पंचमी मुख्यत: विद्यार्थियों और बुद्धिजीवियों का पर्व है। इस दिन प्रात: स्नान कर बसंती रंग के वस्त्र धारण कर कलश स्थापना के साथ मां सरस्वती की प्रतिमा या चित्र की विधिवत पूजा की जाती है। पीले पुष्प, अक्षत, कुमकुम, फल, मिठाइयां और दीप-धूप अर्पित किए जाते हैं। श्रद्धा और भक्ति से की गई पूजा से मां सरस्वती प्रसन्न होकर दुर्विचार और दुर्गुणों का शमन करती हैं तथा सत्य, अहिंसा, क्षमा, करुणा, प्रेम, बुद्धि, विद्या, वाणी और प्रतिभा का वरदान देती हैं।

23 जनवरी को होगी सरस्वती पूजा

पंचांग के अनुसार, माघ शुक्ल पंचमी तिथि की शुरुआत 22 जनवरी, गुरुवार के दिन रात में 2 बजकर 29 मिनट से होगी और इसका समापन 23 जनवरी, शुक्रवार को रात में 1 बजकर 47 मिनट पर होगा। ऐसे में शास्त्रों के अनुसार, बसंत पंचमी 23 तारीख को मनाई जाएगी और इसी दिन देवी सरस्वती की पूजा की जाएगी। ऐसा करने से जातक के ज्ञान, कला और बुद्धि में वृद्धि होती है। साथ ही, माता सरस्वती की कृपा प्राप्त हो सकती है।

बसंत पंचमी 2026 का शुभ संयोग

23 जनवरी, शुक्रवार के दिन यानी बसंत पंचमी पर चंद्रमा का गोचर मीन राशि में होने जा रहा है। वहीं, चंद्रमा से चतुर्थ भाव में गुरु के होने से गजकेसरी का शुभ संयोग बन रहा है। ज्ञान के कारक गुरु की राशि में बैठकर चंद्रमा का गजकेसरी योग बनाना अत्यंत शुभ है। यह छात्रों के लिए उत्तम संयोग बना रहा है। बसंत पंचमी पर सुबह 8 बजकर 33 मिनट से लेकर 11 बजकर 13 मिनट का समय शिक्षा आरंभ के लिए सबसे उत्तम रहेगा।

ऋतुराज बसंत और बसंत पंचमी हमें आशावादी, प्रफुल्लित और उत्साही बनने की प्रेरणा देते हैं। बसंत यह सिखाता है कि समय सदा एक-सा नहीं रहता। दुख और पीड़ा के बाद सुख और आनंद अवश्य आता है। प्रकृति की तरह मानव जीवन भी निरंतर परिवर्तनशील है, और हर परिवर्तन अपने साथ नई संभावनाएं लेकर आता है। बसंत ऋतु और मां सरस्वती की कृपा से जीवन ज्ञान, सौंदर्य, संतुलन और उल्लास से परिपूर्ण हो—यही इस पावन पर्व का संदेश है।

(लेखक, हिन्दुस्थान समाचार से संबद्ध हैं।)

आर्थिक मोर्चे पर आत्मविश्वास से आगे बढ़ता भारत

- डॉ. मयंक चतुर्वेदी

दुनिया की अर्थव्यवस्था जब अनिश्चितताओं, राजनीतिक तनावों और सुस्त मांग के दौर से गुजर रही हो, तब भारत की तस्वीर निश्चित ही उत्साह से भर देती है। मजबूत घरेलू मांग, निवेश के प्रति सकारात्मक माहौल, बढ़ता औद्योगिक भरोसा जिसमें कि सुधारों की निरंतरता भी लगातार बनी हुई है, ये सभी कारण आज भारत को आर्थिक मोर्चे पर एक आत्मविश्वासी राष्ट्र के रूप में स्थापित करते हैं। वस्तुत- भारतीय उद्योग परिसंघ यानी सीआईआई का ताजा बिजनेस आउटलुक सर्वे इसी सशक्त और आशाजनक परिदृश्य की पुष्टि कर रहा है।

दरअसल, भारत की अर्थव्यवस्था की सबसे बड़ी ताकत उसका विशाल और गतिशील घरेलू बाजार है। देखा जाए तो इस वक्त वैश्विक स्तर पर निर्यात आधारित अर्थव्यवस्थाएं दबाव महसूस कर रही हैं, दूसरी ओर भारत है जहां आंतरिक मांग विकास का मजबूत आधार तैयार करती है। यही कारण है कि भारत में उद्योग जगत का भरोसा लगातार बढ़ रहा है और कंपनियां भविष्य को लेकर आशावादी नजर आती हैं। इसीलिए ही इस वित्त वर्ष 2025-26 की तीसरी तिमाही में सीआईआई का बिजनेस कॉन्फिडेंस इंडेक्स बढ़कर 66.5 पर जा पहुंचा है। यह पिछले पांच तिमाहियों का उच्चतम स्तर है।

यहां उल्लेखित कर दें कि किसी भी सूचकांक में 50 से ऊपर का आंकड़ा इस दिशा में सकारात्मकता का संकेत है। ऐसे में 66.5 का स्तर इतना बताने के लिए पर्याप्त है कि भारतीय उद्योग सही दिशा में आगे बढ़ रहा है। इसके सामने आए आंकड़ों के अनुसार वित्त वर्ष 2026 की दूसरी तिमाही में लगभग दो तिहाई कंपनियों ने मजबूत मांग दर्ज की। वहीं चालू वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही में 72 प्रतिशत कंपनियों का मानना है कि आने वाले समय में मांग और बढ़ेगी। वहीं, सार्वजनिक और निजी दोनों क्षेत्रों में निवेश बढ़ना इस बात का प्रमाण है कि अर्थव्यवस्था में विश्वास का माहौल है। वस्तुत- सीआईआई सर्वे में यह बात भी सामने आई है कि कंपनियां अपनी हायरिंग और निवेश योजनाओं को आगे बढ़ाना इसलिए भी चाह रही हैं क्योंकि जहां एक ओर विश्व के कई देशों में आज ऊंची ब्याज दरों, महंगाई के दबाव और वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं में बाधाओं का सामना देखा जा रहा है। वहीं, भारत की अर्थव्यवस्था अपेक्षाकृत स्थिर और मजबूत दिखाई देती है। यदि इसके पीछे के कारणों को देखें तो इसका प्रमुख कारण मजबूत घरेलू सुधार, नीतिगत स्थिरता और सरकार तथा उद्योग के बीच निरंतर संवाद का सतत प्रक्रिया के रूप में चलते रहना है। अंतरराष्ट्रीय एजेंसियां भी भारत की विकास दर को लेकर सकारात्मक हैं और आने वाले वर्षों में भारत के 6 से 7 प्रतिशत की दर से बढ़ने की संभावना जताई जा रही है। अभी इंटरनेशनल मॉनेटरी फंड (आईएमएफ) ने बोला भी कि भारत आज दुनिया के लिए एक प्रमुख ग्रोथ इंजन की तरह काम कर रहा है। आईएमएफ के कम्युनिकेशन डिपार्टमेंट की डायरेक्टर जूली कोज़ैक का कहना है कि भारत की तीसरी तिमाही की आर्थिक ग्रोथ उम्मीद से कहीं ज्यादा मजबूत रही है। जब कई बड़े देश स्लो ग्रोथ या मंदी के खतरे से जूझ रहे हैं, तब भारत की अर्थव्यवस्था लगातार आगे बढ़ रही है। आईएमएफकी आर्टिकल आईवी स्टाफ रिपोर्ट के अनुसार, वित्त वर्ष 2025-26 में भारत की जीडीपी ग्रोथ 6.6 प्रतिशत रह सकती है। इस ग्रोथ का सबसे बड़ा कारण बताया गया है- मजबूत घरेलू खपत। सरल शब्दों में कहें तो भारत के लोग खर्च कर रहे हैं, बाजार चल रहे हैं, उद्योग सक्रिय हैं और यही अर्थव्यवस्था को आगे बढ़ा रहा है। आईएमएफ अगले हफ्ते अपना विश्व आर्थिक आउटलुक (डब्ल्यूईओ) अपडेट जारी करने वाला है। इस रिपोर्ट में भारत की नई ग्रोथ दर, अन्य प्रमुख देशों की आर्थिक स्थिति और वैश्विक अर्थव्यवस्था की ताजा तस्वीर शामिल होगी। आईएमएफ का कहना है कि इस रिपोर्ट के बाद यह और साफ हो जाएगा कि हाल के आर्थिक आंकड़ों ने भारत और दुनिया की अर्थव्यवस्था को किस तरह प्रभावित किया है।

अत- निष्कर्ष यही है कि सीआईआई का बिजनेस आउटलुक सर्वे यह स्पष्ट संदेश देता है कि भारत का घरेलू आर्थिक मोर्चा मजबूत, संतुलित और आत्मविश्वास से भरा हुआ है। मजबूत मांग, बढ़ता निवेश, सुधारों की निरंतरता और नवाचार पर फोकस ने भारत को एक उज्ज्वल आर्थिक भविष्य की ओर अग्रसर किया है। यदि सरकार और उद्योग मिलकर इसी दिशा में आगे बढ़ते रहेंगे तब यह तय है कि आने वाले वर्षों में भारत इसी तरह से तेज गति से बढ़ने वाली अर्थव्यवस्था बना रहेगा। वह आगे भी समावेशी और टिकाऊ विकास का वैश्विक उदाहरण भी प्रस्तुत करता रहेगा।

लिज़ेल ली पर आचार संहिता उल्लंघन का मामला, मैच फीस का 10 प्रतिशत जुर्माना और एक डिमेरिट अंक

एजेंसी

नई दिल्ली। महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) में दिल्ली कैपिटल्स की खिलाड़ी लिज़ेल ली पर आचार संहिता के उल्लंघन के चलते कार्रवाई की गई है। मुंबई इंडियंस के खिलाफ वडोदरा के बीसीए स्टेडियम में खेले गए मुकाबले के दौरान लिज़ेल ली पर मैच फीस का 10 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया है और उनके खाते में एक डिमेरिट अंक जोड़ा गया है। यह घटना दिल्ली कैपिटल्स की पारी के 11वें ओवर में हुई, जब लिज़ेल ली को अमनजोत कौर की गेंद पर स्टंप आउट दिया गया। गेंद लेग साइड पर थी और फ्लिक शॉट खेलने के प्रयास में ली का संतुलन बिगड़ गया। विकेटकीपर राहिला फिरदौस ने तेजी से स्टंपिंग की। इसके बाद मैदानी अंपायरों ने थर्ड अंपायर की मदद ली और स्टंप कैमरे समेत विभिन्न एंगल से जांच की गई।रीप्ले देखने के बाद थर्ड अंपायर ने फैसला सुनाया कि जब बेल्स गिरीं, उस समय लिज़ेल ली का बल्ला हवा में था, जिसके चलते उन्हें आउट करार दिया गया। उस समय ली 28 गेंदों पर 46 रन बनाकर शानदार बल्लेबाजी कर रही थीं। आउट दिए जाने के बाद लिज़ेल ली फैसले से काफी नाराज़ नजर आईं। मैदान से बाहर जाते समय उन्होंने असंतोष जाहिर किया और निर्णय के बाद भी अपनी नाराजगी व्यक्त करती रहीं। लीग की मीडिया एडवाइजरी के अनुसार, लिज़ेल ली ने आचार संहिता के तहत लेवल-1 अपराध को स्वीकार कर लिया है, जो मैच के दौरान क्रिकेट उपकरण के दुरुपयोग से जुड़ा है।

डब्ल्यूपीएल 2026: जेमिमा रोड्रिग्स की फिफ्टी से दिल्ली कैपिटल्स ने मुंबई इंडियंस को 7 विकेट से हराया

वडोदरा। महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) 2026 में दिल्ली कैपिटल्स ने शानदार वापसी करते हुए मुंबई इंडियंस को 7 विकेट से हरा दिया और अपनी प्लेऑफ की उम्मीदों को ज़िंदा रखा। वडोदरा में खेले गए इस मुकाबले में मुंबई इंडियंस ने पहले बल्लेबाज़ी करते हुए 20 ओवर में 154 रन बनाए थे, जिसे दिल्ली ने 6 गेंद शेष रहते हासिल कर लिया। लक्ष्य का पीछा करते उतरी दिल्ली कैपिटल्स को शेफाली वर्मा और लिज़ेल ली ने बेहतरीन शुरुआत दिलाई। दोनों के बीच 63 रनों की ओपनिंग साझेदारी हुई। शेफाली 29 रन बनाकर आउट हुईं, जबकि 11वें ओवर में लिज़ेल ली का रन आउट मैच का सबसे बड़ा विवाद बन गया। रन आउट की अपील पर थर्ड अंपायर ने टीवी रीप्ले देखा, जिसमें एक एंगल पर ली का बल्ला ज़मीन पर टिका दिखा, जबकि दूसरे एंगल में बल्ला हवा में था। थर्ड अंपायर ने दूसरे एंगल को आधार बनाते हुए लिज़ेल ली को आउट करार दिया, जिस पर काफी चर्चा हुई। इसके बाद दिल्ली की कप्तान जेमिमा रोड्रिग्स ने पारी संभाली और दबाव के बीच संयमित बल्लेबाज़ी करते हुए नाबाद 51 रन बनाए। उन्होंने सूझबूझ भरे शॉट्स और तेज़ रनिंग के दम पर टीम को जीत दिलाई। दिल्ली ने 19 ओवर में 155 रन बनाकर मुकाबला 7 विकेट से अपने नाम कर लिया।

टाइगर्स ऑफ मुंबई दंगल्स ने हाफवे मार्क पर पंजाब रॉयल्स पर 3-2 की बढ़त बनाई

नोएडा। प्रो रेसलिंग लीग 2026 में टाइगर्स ऑफ मुंबई दंगल्स ने नोएडा इंडोर स्टेडियम में खेले जा रहे मुकाबले में हाफवे मार्क तक पंजाब रॉयल्स के खिलाफ 3-2 की करीबी बढ़त हासिल कर ली है। सीजन की पहली जीत की तलाश में उतरी मुंबई की टीम ने शुरुआती पांच बाउट्स में आक्रामक और संतुलित प्रदर्शन किया, जबकि पंजाब रॉयल्स ने भी अहम मुकाबले जीतकर टाई को रोमांचक बनाए रखा। मुकाबले की शुरुआत 86 किग्रा पुरुष वर्ग में मुकुल दहिया ने दमदार अंदाज़ में की। उन्होंने जॉर्जिया के ताज़िएल गफ़्रिंडाशविली पर शुरू से दबदबा बनाते हुए टेकडाउन, टर्न्स और हाई-वैल्यू थ्रो के दम पर टेक्निकल सुपीरियॉरिटी से जीत दर्ज की। इसके बाद 62 किग्रा महिला वर्ग में पंजाब की कॉमनवेल्थ सिल्वर मेडलिस्ट एना गोडिनेज ने सारिका मलिक को फॉल से हराकर स्कोर बराबर किया। 65 किग्रा पुरुष वर्ग में रोहित राहल ने शानदार वापसी करते हुए पेरिस ओलंपिक पदक विजेता इस्लाम गुसेइनोव को फॉल से हराकर मुंबई को फिर बढ़त दिलाई। 57 किग्रा पुरुष वर्ग में कज़ान और पेरिस ओलंपिक ब्रॉन्ज मेडलिस्ट अमन सहरावत ने चिराग छिकारा को 17-7 से मात देकर बढ़त मजबूत की। हालांकि 76 किग्रा महिला वर्ग में पंजाब की प्रिया मलिक ने 10-0 की एकतरफा जीत दर्ज कर टीम को मुकाबले में बनाए रखा।

ऑपरेटिंग विभाग की टीम बनी डीआरएम कप 2026 चैम्पियन

वडोदरा। वडोदरा मंडल की ऑपरेटिंग विभाग की टीम ने डीआरएम कप 2026 क्रिकेट टूर्नामेंट जीत लिया है। प्रतापनगर में माधव राव सिंधिया स्टेडियम में खेले गए फाइनल मैच में टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए विद्युत विभाग की टीम को 7 विकेट से हराकर डीआरएम कप पर कब्जा किया। पश्चिम रेलवे के वडोदरा मंडल के जनसम्पर्क अधिकारी अनुभव सक्सेना द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार 08 जनवरी से 20 जनवरी तक आयोजित इस टूर्नामेंट में वडोदरा मंडल के विभिन्न विभागों की कुल 16 टीमों ने खेल भावना के साथ भाग लिया। प्रतियोगिता का फाइनल मैच विद्युत(ट्रैक्शन)विभाग एवं ऑपरेटिंग विभाग की टीमों के बीच खेला गया, जिसमें ऑपरेटिंग विभाग की टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए जीत हासिल की और 'डीआरएम ट्रॉफी-2026' की चैम्पियन बनी।

इंग्लैंड के खिलाफ वनडे सीरीज के लिए श्रीलंका टीम घोषित, चरिथ असलांका होंगे कप्तान

एजेंसी

कोलंबो। इंग्लैंड के खिलाफ होने वाली तीन वनडे मैचों की घरेलू सीरीज के लिए श्रीलंका ने 17 सदस्यीय टीम की घोषणा कर दी है। टी20 विश्व कप 2026 से पहले इस फॉर्मेट की कप्तानी से हटाए गए चरिथ असलांका को वनडे टीम की कमान सौंपी गई है। लंबे समय से वनडे टीम से बाहर चल रहे धनंजय डी सिल्वा और दुष्मंथा चमीरा को भी टीम में जगह दी गई है। पाकिस्तान के खिलाफ पिछली वनडे सीरीज का हिस्सा रहे 14 खिलाड़ियों ने अपनी जगह बरकरार रखी है। बतौर बल्लेबाज टीम में पथुम निसांका, कुसल मेंडिस, कामिल मिशारा, सदीरा समरविक्रमा, और कामिंडु मेंडिस को जगह दी गई है। जेनिथ लियानागे भी मध्यक्रम को मजबूत करेंगे। बल्लेबाजी के साथ-साथ टीम में गेंदबाजी विभाग में भी स्पिन और

तेज गेंदबाजी का सही संतुलन बनाने पर जोर दिया गया है। बतौर तेज गेंदबाज असिथा फर्नांडो, प्रमोद मदुशन और ईशान मलिंगा को जगह दी गई है, जबकि वानिंदु हसरंगा, महेश तिक्षणा, जेफरी वेंडरसे और डुनिथ वेल्लालेज स्पिन गेंदबाजी को मजबूत करेंगे। तीन वनडे मैचों की सीरीज 22, 24 और 27 जनवरी को खेली जानी है। सभी मैच कोलंबो के आर. प्रेमदासा स्टेडियम में खेले जाएंगे। वनडे सीरीज के बाद श्रीलंका और इंग्लैंड के बीच 3 मैचों की टी20 सीरीज भी खेली जानी है। टी20 सीरीज के मैच 30 जनवरी, 1 फरवरी और 3 फरवरी को खेले जाएंगे। तीनों मैच पल्लेकेले इंटरनेशनल स्टेडियम में खेले जाएंगे। श्रीलंका और इंग्लैंड के बीच पूर्व के रिकॉर्ड पर नजर डालें तो दोनों देशों के बीच 79 वनडे खेले गए हैं और दोनों टीमों का पलड़ा लगभग बराबर रहा है। श्रीलंका ने 37 मैच जीते हैं, जबकि इंग्लैंड ने 38 मैचों में जीत हासिल की है। 3 मैचों का परिणाम नहीं आया है, जबकि एक मैच टाई रहा है। श्रीलंका का प्रदर्शन हाल के दिनों में बेशक निराशाजनक रहा है, लेकिन अपने घर में उसे कभी भी हल्के में नहीं लिया जा सकता। इंग्लैंड और श्रीलंका वनडे सीरीज रोमांचक हो सकती है।

इंग्लैंड के खिलाफ वनडे सीरीज के लिए श्रीलंका की टीम:-

चरिथ असलांका (कप्तान), पथुम निसांका, कामिल मिशारा, कुसल मेंडिस, सदीरा समरविक्रमा, पवन रत्नायके, धनंजय डी सिल्वा, जेनिथ लियानागे, कामिंडु मेंडिस, डुनिथ वेल्लालेज, वानिंदु हसरंगा, जेफरी वेंडरसे, महेश थीक्षाना, मिलन रथनायके, असिथा फर्नांडो, प्रमोद मदुशन, ईशान मलिंगा

पत्नी की एचआईएल खिताबी जीत से मिली प्रेरणा: मंदीप सिंह

एजेंसी

भुवनेश्वर। महिला हीरो हॉकी इंडिया लीग (एचआईएल) 2025-26 का खिताब एसजी पाइपर्स के साथ जीतने वाली उदिता की सफलता ने सिर्फ उनकी टीम को ही नहीं, बल्कि उनके पति और रांची रॉयल्स के फॉरवर्ड मंदीप सिंह को भी खास तौर पर प्रेरित किया है। पुरुष हीरो एचआईएल में खेल रहे मंदीप ने कहा कि पत्नी की इस उपलब्धि ने उनके भीतर भी ट्रॉफी जीतने की भूख को और तेज कर दिया है। मंदीप ने एक आधिकारिक बयान में कहा, 'मैंने फाइनल से पहले ही उससे कह दिया था कि उसकी टीम जीतेगी, लेकिन जब मैंने उसे ट्रॉफी उठाते देखा, तो वह पल बेहद खास था। मुझे उस पर बहुत गर्व महसूस हुआ। हम दोनों इस खेल के लिए जीते हैं और एक ही लीग में खेलते हैं, इसलिए उसकी जीत मेरे लिए बहुत भावुक और प्रेरणादायक रही।' उदिता की जीत को लेकर मंदीप ने साफ किया कि इससे उन पर किसी तरह का नकारात्मक दबाव नहीं है, बल्कि यह एक सकारात्मक प्रेरणा है। उन्होंने मुस्कुराते हुए कहा, 'हम मजाक में कहते हैं कि उसने मुझ पर दबाव डाल दिया है, लेकिन यह अच्छा दबाव है। यह मुझे और बेहतर खेलने के लिए प्रेरित करता है। अभी मेरे पास भी मौका है और मैं उसका पूरा फायदा उठाना चाहता हूं। हमारी टीम अच्छा प्रदर्शन कर रही है और लगातार मैच जीत रही है।' जब उनसे पूछा गया कि क्या पत्नी की सफलता ने उनके भीतर खिताब जीतने की भूख बढ़ा दी है, तो मंदीप ने बिना किसी झिझक के कहा, 'बिल्कुल! मैं भी ट्रॉफी जीतना चाहता हूं।' पिछले साल शादी के बंधन में बंधे इस जोड़े ने लीग शुरू होने से पहले ही तय कर लिया था।

इंडोनेशिया मास्टर्स : पीवी सिंधु और किदांबी श्रीकांत ने पहले राउंड में जीत दर्ज की

एजेंसी

जकार्ता। भारत की स्टार शटलर पीवी सिंधु और किदांबी श्रीकांत ने इंडोनेशिया मास्टर्स 2026 के पहले राउंड में जीत दर्ज करते हुए अगले दौर में प्रवेश कर लिया है। सिंधु ने जापान की मनामी सुइज़ु को सीधे गेम में 22-20, 21-18 से हराकर दूसरे दौर में जगह बनाई। पहले गेम में सिंधु की शुरुआत निराशाजनक रही थी और मिड-गेम ब्रेक तक वह 2-11 से पीछे थीं, लेकिन इसके बाद उन्होंने लगातार छह पॉइंट बनाकर गेम 22-20 से अपने नाम किया। दूसरे गेम में उन्होंने शुरुआत से बढ़त बनाए रखी और अंततः 21-18 से जीत दर्ज की। दूसरे राउंड में सिंधु का मुकाबला डेनमार्क की लाइन केयर्सफेल्ड या चीन की हान कियान शी के साथ होगा। वहीं, किदांबी श्रीकांत ने पहले राउंड में जापान के कोकी वतनबे को 21-15, 21-23, 24-22 से हराकर अगले दौर में प्रवेश किया। पहले गेम में श्रीकांत ने आक्रामक शॉट्स के दम पर आसानी से जीत हासिल की। दूसरे गेम में श्रीकांत से कुछ गलतियां हुईं और वतनबे ने इसे 23-21 से जीत लिया।

तीसरे और निर्णायक गेम में 7-4 की बढ़त के बावजूद श्रीकांत को कई बार अपनी पकड़ बनाए रखने में संघर्ष करना पड़ा, लेकिन आखिरी मौके पर उनके आक्रामक स्ट्रोक ने जीत दिलाई। दूसरे राउंड में श्रीकांत का सामना चौथी सीड चो टिएन चेन से होगा। इसी टूर्नामेंट में भारतीय शटलर अनमोल खरब और आकर्षि कश्यप ने क्वालिफाइंग राउंड में जीत हासिल कर महिला एकल मेन ड्रॉ में जगह बनाई। हालांकि, मेन ड्रॉ ओपनर में आकर्षि तीन गेम हारकर बाहर हो गई और किरण जॉर्ज भी सीधे गेम में हार गए। मिक्स्ड डबल्स में ध्रुव कपिला/तनिषा क्रैस्टो और रोहन कपूर/रुथविका शिवानी गड्डे की टीमें पहले राउंड में फ्रेंच जोड़ियों से हार गईं। पीवी सिंधु और किदांबी श्रीकांत को अपना दूसरा मैच जीतने के लिए कड़ी मेहनत करनी पड़ सकती है। भारत के दोनों शीर्ष बैडमिंटन खिलाड़ियों को अगले दौर से आगे बढ़ने के लिए श्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा।

ऑस्ट्रेलियन ओपन: एरिना सबालेंका ने चीनी खिलाड़ी को हराकर तीसरे राउंड में जगह बनाई

एजेंसी

मेलबर्न। विश्व नंबर 1 एरिना सबालेंका ने ऑस्ट्रेलियन ओपन 2026 के तीसरे दौर में जगह बना ली है। चीनी क्वालिफायर बाई झुओक्सुआन को केवल 32 मिनट में 6-3, 6-1 से हराकर सबालेंका ने तीसरे राउंड में जगह बनाई। मैच की शुरुआत में बाई ने पेस बनाने में कठिनाई महसूस की और 15 मिनट में 0-5 से पीछे हो गईं। हालांकि, उन्होंने दो एस के जरिए अपनी स्थिति सुधारने की कोशिश की और शुरुआती सेट में सबालेंका की पकड़ थोड़ी कमजोर हुई। बाई ने तीसरे गेम में तीन ब्रेक पॉइंट बचाए, लेकिन विश्व नंबर 1 ने अपनी मजबूती बनाए रखी और सेट जीत लिया। दूसरे राउंड में सबालेंका ने 4-0 से बढ़त बनाई और अंततः 74 मिनट में मैच जीतकर तीसरे राउंड में जगह पक्की की। अब उनका मुकाबला 28वीं सीड एम्मा राडुकानु या अनास्तासिया पोटापोवा से होगा। सबालेंका ने अपनी 25वीं एकल मैच जीत दर्ज की और 2000 के बाद यह उपलब्धि हासिल करने वाली

छठी महिला खिलाड़ी बन गईं। इससे पहले सेरेना विलियम्स, लिंडसे डेवनपोर्ट, जस्टिन हेनिन, ऐश बार्टी और इगा स्वियाटेक इस मुकाम तक पहुंच चुकी हैं। दो बार की ऑस्ट्रेलियन ओपन चैंपियन सबालेंका ने लगातार सातवीं जीत दर्ज की और 2026 का सीजन आसानी से शुरू किया। वह लगातार छठे साल तीसरे राउंड तक पहुंच रही हैं। इसके अलावा, उनके दूसरे राउंड के मैचों में भी उनका रिकॉर्ड 7-0 है।

इसी बीच, एलिना स्वितोलिना ने भी 2026 सीजन में अपने शानदार फॉर्म को जारी रखा और लिंडा क्लिमोविकोवा को 7-5, 6-1 से हराकर तीसरे राउंड में जगह बनाई। अब उनका सामना डायना श्नैडर से होगा। श्नैडर ने ऑस्ट्रेलियाई वाइल्डकार्ड टैलिया गिब्सन के खिलाफ 3-6, 7-5, 6-3 से जीत दर्ज की, जिसमें उन्होंने दो मैच पॉइंट बचाए थे। सबालेंका और स्वितोलिना की जीत ने महिलाओं के सिंगल्स ड्रॉ में मुकाबले और रोमांचक बना दिए हैं। तीसरे राउंड में उनका प्रदर्शन यह तय करेगा कि कौन ग्रैंड स्लैम के आगे के राउंड में अपना दबदबा दिखा पाएगा।

ऑस्ट्रेलियन ओपन: मेदवेदेव ने क्वेंटिन हेलिस को और रुबलेव ने जैमे फारिया को हराकर तीसरे दौर में जगह बनाई

एजेंसी

मेलबर्न। रूस के स्टार टेनिस खिलाड़ी डेनियल मेदवेदेव ने ऑस्ट्रेलियन ओपन के तीसरे दौर में प्रवेश कर लिया है। जॉन केन एरिना में खेले गए दूसरे दौर के मुकाबले में मेदवेदेव ने फ्रांस के क्वेंटिन हेलिस को 6-7(9), 6-3, 6-4, 6-2 से हराया। शुरुआती सेट गंवाने के बाद मेदवेदेव ने शानदार वापसी की और अगले तीन सेट जीतकर मैच अपने नाम किया। इस जीत के साथ वर्ल्ड नंबर 11 मेदवेदेव ने 2026 सीजन में अपना अपराजित क्रम सात मैचों तक बढ़ा दिया है, जो उनके करियर की सर्वश्रेष्ठ सीजन शुरुआत की बराबरी है। इससे पहले उन्होंने 2021 में भी ऐसा ही प्रदर्शन किया था, जो उनके करियर का सबसे सफल साल माना जाता है। ग्रैंड स्लैम के मुकाबलों की शुरुआत मेदवेदेव के लिए हमेशा से संघर्षपूर्ण रही है। क्वेंटिन हेलिस के खिलाफ भी मैच के पहले सेट में उन्हें हार का सामना करना पड़ा था, लेकिन उसके बाद दमदार वापसी करते हुए

उन्होंने न सिर्फ मैच अपने नाम किया, बल्कि ग्रैंड स्लैम के शुरुआती मैचों में अच्छा प्रदर्शन न कर पाने के अपने रिकॉर्ड को पीछे छोड़ा। हेलिस के खिलाफ पहला सेट 20-पॉइंट के लंबे टाईब्रेक में गंवाने के बाद मेदवेदेव ने अपने अनुभव और धैर्य का इस्तेमाल करते हुए मैच पर नियंत्रण बना लिया। मैच के बाद मेदवेदेव ने कैमरे पर '5 सेट नहीं' लिखकर हल्के अंदाज में अपनी उस छवि को दोहराया, जिसके तहत वह मेलबर्न में लंबे मुकाबलों के लिए जाने जाते हैं। नए कोच थॉमस जोहानसन और रोहन गोएट्जके के मार्गदर्शन में वह शारीरिक रूप से ज्यादा फिट और मानसिक रूप से मजबूत नजर आ रहे हैं। 2021 में ऑस्ट्रेलियन ओपनफाइनल, यूएस ओपन खिताब और रूस को एटीपी कप व डेविस कप जिताने वाले मेदवेदेव अब एक बार फिर उसी लय में लौटते दिख रहे हैं। तीसरे दौर में उनका सामना हंगरी के फैबियन मारोजान से होगा। दिन के एक अन्य मुकाबले में रूस के ही एंड्री रुबलेव ने भी तीसरे दौर में जगह बनाई। मार्गरेट कोर्ट एरिना में खेले गए मैच में 13वें सीड रुबलेव ने पुर्तगाल के क्वालिफायर जैमे फारिया को 6-4, 6-3, 4-6, 7-5 से हराया। हालांकि वर्ल्ड नंबर 151 फारिया ने तीसरे सेट में वापसी कर रुबलेव को थोड़ी देर के लिए परेशान किया, लेकिन अनुभव और आक्रामक खेल के दम पर रुबलेव ने चौथे सेट में मैच खत्म कर दिया।

मुंबई इंडियंस के खिलाफ मैच जिताऊ पारी के बाद जेमिमा रोड्रिग्स ने कहा-मैं पारी को अंत तक ले जाना चाहती थी

एजेंसी

वडोदरा। महिला प्रीमियर लीग 2026 में दिल्ली कैपिटल्स की कप्तान जेमिमा रोड्रिग्स ने शानदार नेतृत्व करते हुए नाबाद अर्धशतक जमाया और अपनी टीम को मुंबई इंडियंस के खिलाफ सात विकेट से जीत दिलाई। मैच के बाद जेमिमा ने ओपनिंग साझेदारी की अहमियत पर कहा, 'लिज़ेल और शैफाली एक बेहद खतरनाक ओपनिंग जोड़ी हैं। गेंदबाज़ों को पता होता है कि अगर उन्होंने थोड़ी भी गलती की, तो उसकी सजा मिलेगी। इस विकेट पर पावरप्ले में जिस तरह उन्होंने बल्लेबाज़ी की, वह हमारे लिए बहुत अहम रही। जब गेंद पुरानी हुई तो विकेट धीमा होने लगा, ऐसे में उनकी शुरुआत ने आगे आने वाले बल्लेबाज़ों का काम आसान कर दिया। अपनी पारी और मैच फिनिश करने को लेकर जेमिमा ने कहा, 'पिछले कुछ मैचों में मैंने प्रभावशाली पारियां खेलीं, लेकिन मैं देर से बल्लेबाज़ी के लिए आ रही थी। मुझसे और ज्यादा उम्मीदें थीं और मैं खुद भी पारी को अंत तक खत्म करना चाहती थी। आज मैं खुश हूं कि मैं अंत तक टिक सकी और टीम के लिए जिम्मेदारी निभा सकी।' कप्तानी के शुरुआती अनुभव साझा करते हुए जेमिमा ने कहा, 'यह मेरे लिए सीखने का दौर है। मुझे लगा था कि कप्तानी से दबाव बढ़ेगा, लेकिन टीम और सपोर्ट स्टाफ ने वह दबाव काफी कम कर दिया है। हेड कोच जोनाथन बैटी और लीडरशिप ग्रुप ने मेरी काफी मदद की है। कप्तानी में आपको अपने फैसलों पर भरोसा रखना होता है और गलतियों से सीखना भी जरूरी है।

ईटीपीएल: यूरोप में शुरू हो रही नई टी20 लीग, अभिषेक बच्चन और स्टीव वॉ जैसे बड़े नाम जुड़े

एजेंसी

नई दिल्ली। यूरोप में क्रिकेट को नई ऊंचाइयों तक ले जाने की दिशा में एक बड़ा कदम उठाते हुए यूरोपियन टी20 प्रीमियर लीग (ईटीपीएल) का ऐलान किया गया है। 6 टीमों के बीच खेली जाने वाली इस लीग में ऑनर के तौर पर क्रिकेट और मनोरंजन जगत की हस्तियां जुड़ी हुई हैं। प्रमुख नामों में ऑस्ट्रेलिया क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान स्टीव वॉ और बॉलीवुड अभिनेता अभिषेक बच्चन हैं। न्यूजीलैंड के पूर्व खिलाड़ी काइल मिल्स और नाथन मैकुलम भी एक फ्रेंचाइजी के मालिक हैं, और ऑस्ट्रेलिया के दिग्गज ऑलराउंडर ग्लेन मैक्सवेल भी एक फ्रेंचाइजी के मालिक हैं। स्टीव स्मिथ और मिचेल मार्श जैसे खिलाड़ी लीग में खेलते हुए नजर आ सकते हैं। बुधवार को आधिकारिक तौर पर यह पुष्टि की गई कि स्टीव वॉ और ग्लेन मैक्सवेल ईटीपीएल की फ्रेंचाइजी ओनरशिप का हिस्सा होंगे। यह लीग आयरलैंड, स्कॉटलैंड और नीदरलैंड्स में खेली जाएगी। इसका उद्देश्य यूरोप में क्रिकेट के स्तर को ऊपर उठाना है।

लीग पिछली गर्मियों में लॉन्च होनी थी, लेकिन अब इसे 2026 में शुरू करने की तैयारी है। लीग की तीन फ्रेंचाइजियों में एम्स्टर्डम, बेलफास्ट और एडिनबर्ग हैं। अन्य तीन टीमें अभी बिकनी बाकी हैं। भविष्य में बिकने वाली टीमों के बेस डबलिन, रॉटरडैम और ग्लासगो में होंगे। लीग का पहला सीजन 26 अगस्त से 20 सितंबर के बीच खेला जाना है। यह आईसीसी से मान्यता प्राप्त पहली ऐसी टी20 लीग होगी, जो एक से ज्यादा देशों में आयोजित की जाएगी। मौजूदा शेड्यूल के मुताबिक, यह इंग्लैंड की द हंड्रेड लीग के फाइनल के करीब 10 दिन बाद शुरू होगी, हालांकि इसके कैरेबियन प्रीमियर लीग (सीपीएल) से टकराने की संभावना बनी हुई है। स्टीव वॉ एम्स्टर्डम फ्लेम्स फ्रेंचाइजी के मालिक निवेशक समूह का हिस्सा हैं। इस समूह में ऑस्ट्रेलिया के पूर्व फील्ड हॉकी महान खिलाड़ी जेमी ड्वायर भी शामिल हैं। वहीं, ग्लेन मैक्सवेल आयरिश वुल्फ्स फ्रेंचाइजी के को-ओनर हैं और उनके साथ ऑस्ट्रेलिया की इंश्योरेंस कंपनी एनआरएमए के पूर्व ग्रुप सीईओ रोहन लुंड जुड़े हुए हैं। नाथन मैकुलम और काइल मिल्स ने एडिनबर्ग फ्रेंचाइजी खरीदी है। ईटीपीएल, क्रिकेट आयरलैंड और भारत की रूल्स ग्लोबल का एक संयुक्त उद्यम है, जबकि क्रिकेट स्कॉटलैंड और नीदरलैंड क्रिकेट बोर्ड इसके रणनीतिक साझेदार हैं। अभिषेक बच्चन इस लीग के को-फाउंडर हैं, और उनके साथ तीन अन्य भारतीय निवेशक भी जुड़े हैं, जिनमें आईपीएल फ्रेंचाइजी दिल्ली कैपिटल्स के पूर्व सीईओ धीरज मल्होत्रा का नाम भी शामिल है। स्टीव वॉ ने ईएसपीएनक्रिकइंफो को बताया कि स्टीवन स्मिथ और मिचेल मार्श ने एम्स्टर्डम फ्लेम्स के साथ करार किया है।

रियल मैड्रिड की बड़ी जीत, स्पोर्टिंग ने पीएसजी को चौंकाया

एजेंसी

मैड्रिड। काइलियन एम्बाप्पे के शानदार प्रदर्शन की बदौलत रियल मैड्रिड ने यूईएफए चैंपियंस लीग के लीग फेज मुकाबले में मोनाको को 6-1 से करारी शिकस्त दी। इस बड़ी जीत के साथ ही रियल मैड्रिड ने टॉप-आठ में जगह बनाने की अपनी उम्मीदों को और मजबूत कर लिया है। अपने पुराने क्लब मोनाको के खिलाफ खेलते हुए एम्बाप्पे ने दो गोल दागे और अपनी टीम की जीत में बड़ी भूमिका निभाई। एम्बाप्पे ने फेडे वाल्वरडे की थ्रू बॉल पर पांचवें मिनट में ही पहला गोल कर रियल को बढ़त दिलाई। इसके बाद 25वें मिनट के आसपास फार पोस्ट पर शानदार स्लाइड करते हुए उन्होंने दूसरा गोल दागा और हाफटाइम तक स्कोर 2-0 कर दिया। दूसरे हाफ में रियल मैड्रिड का दबदबा और बढ़ गया। 51वें मिनट में फ्रेंको मास्टैंटुओनो ने तीसरा गोल किया, जबकि थिलो केहरर से आत्मघाती गोल हो गया। विनीसियस जूनियर ने पांचवां और जूड बेलिंगहैम ने छठा गोल किया। मोनाको की ओर से एकमात्र गोल जॉर्डन टेजे ने किया।

दूसरी ओर, पुर्तगाल में खेले गए मुकाबले में स्पोर्टिंग क्लब डी पुर्तगाल ने पेरिस सेंट जर्मेन को 2-1 से हराकर बड़ा उलटफेर किया। लुइस सुआरेज ने 74वें और 90वें मिनट में गोल कर स्पोर्टिंग को अहम जीत दिलाई, जिससे टीम स्टैंडिंग में छठे स्थान पर पहुंच गई। पीएसजी का दबदबा पूरे मैच में रहा, लेकिन उसके दो गोल रद्द कर दिए गए। सब्स्टीट्यूट ख्विचा क्वारात्स्खेलिया ने शानदार कर्लिंग शॉट से बराबरी जरूर की, लेकिन आखिरी क्षणों में सुआरेज ने हेडर से निर्णायक गोल कर दिया।

अन्य मुकाबलों में, एजेक्स ने आखिरी मिनट में ओलिवर एडवर्ड्सन के गोल की मदद से विलारियल को हराया। वहीं, ओलंपियाकोस ने पिरियस में बायर लेवरकुसेन को 2-0 से मात देकर जर्मन टीम के खिलाफ 14 मैचों में पहली जीत दर्ज की। कोस्टिन्हा और मेहदी तारेमी के तेज काउंटरअटैक ने ओलंपियाकोस की जीत की नींव रखी, जबकि गोलकीपर कोस्टास ज़ोलाकिस ने शानदार बचाव कर टीम की बढ़त बनाए रखी।

गुजरात की निरमा ठाकोर ने टाटा मुंबई मैराथन 2026 में रजत पदक जीता

एजेंसी

पाटण। गुजरात के पाटण जिला के हाजीपुर गांव की निरमा ठाकोर ने 19वीं टाटा मुंबई फुल मैराथन 2026 में इंडियन एलीट महिला वर्ग में शानदार प्रदर्शन करते हुए रजत पदक हासिल किया। वह प्रदेश की खेती बैंक की ब्रांड एंबेसडर भी हैं। साधारण पृष्ठभूमि से आने वाली गरीब किसान परिवार की निरमा ठाकोर ने अपने अद्भुत दमखम का परिचय देते हुए चुनौतीपूर्ण 41.195 किलोमीटर की दूरी मात्र 2 घंटे 49 मिनट 07 सेकंड में पूरी कर इतिहास रच दिया। उनकी यह उपलब्धि केवल खेल की सफलता नहीं, बल्कि सहकार से समृद्धि का जीवंत उदाहरण है, जहां सहयोग व्यक्ति को सशक्त बनाता है। समुदाय को उन्नत करता है और सपनों को हकीकत में बदलता है। निरमा ठाकोर की यात्रा संघर्ष, त्याग और अटूट संकल्प की प्रेरणादायक कहानी है। आर्थिक कठिनाइयों और सामाजिक बाधाओं को पार करते हुए उन्होंने अब तक राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर 19 से अधिक पदक अपने नाम किए हैं। उनकी सफलता यह साबित करती है कि सही अवसर और सहयोग मिलने पर प्रतिभा इतिहास रच सकती है। गुजरात राज्य सहकारी कृषि और ग्रामीण विकास बैंक (खेती बैंक) की ब्रांड एंबेसडर निरमा ठाकोर ने अथक मेहनत और आत्मविश्वास के बल पर टाटा मुंबई मैराथन 2026 में रजत पदक जीतकर अपने सपनों को साकार किया है।

टी20 विश्व कप के लिए बांग्लादेश टीम के भारत न आने के रुख का पाकिस्तान ने किया समर्थन: रिपोर्ट

एजेंसी

नई दिल्ली। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड द्वारा टी20 विश्व कप 2026 के लिए अपनी टीम भारत न भेजने के फैसले का पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने समर्थन किया है। इससे यह स्पष्ट हो गया है कि बांग्लादेश किसके शह पर विश्व कप के लिए भारत न आने के अपने बयान को बार-बार दोहरा रहा है। ईएसपीएनक्रिकइंफो की एक रिपोर्ट के मुताबिक पीसीबी ने आईसीसी की गवर्निंग बॉडी को एक पत्र लिखा है जिसमें उसने बांग्लादेश के भारत में न खेलने के रुख का समर्थन किया है। हालांकि पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड की तरफ से इससे जुड़ा कोई भी सार्वजनिक बयान नहीं दिया गया है। आईसीसी ने बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड को अपना रुख स्पष्ट करने के लिए 21 जनवरी तक का वक्त दिया है। माना जा रहा है कि आईसीसी ने बुधवार को बोर्ड की बैठक बुलाई है। इसका उद्देश्य बीसीबी के भारत में सुरक्षा चिंताओं के कारण बांग्लादेश के मैच श्रीलंका में शिफ्ट करने के मामले पर बातचीत करना है।

पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने बांग्लादेश के समर्थन में पत्र आईसीसी के अंतिम निर्णय से ठीक पहले लिखा है। हालांकि, ये माना जा रहा है कि आईसीसी के रुख पर पीसीबी द्वारा लिखे पत्र का कोई असर नहीं पड़ेगा।

बीसीबी ने बांग्लादेश सरकार के सपोर्ट से टीम के ग्रुप-स्टेज गेम्स के लिए भारत आने से मना कर दिया है।

आईसीसी और बीसीबी इस मुद्दे पर कई बैठक कर चुके हैं। पिछले सप्ताह आखिरी बैठक ढाका में हुई थी। आईसीसी ने बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड द्वारा विश्व कप 2026 के लीग

मैचों को श्रीलंका शिफ्ट करने या फिर बांग्लादेश को दूसरे ग्रुप में रखने जैसी बात नहीं मानी है। आईसीसी का अब तक का स्टैंड यही रहा है कि बांग्लादेश क्रिकेट टीम को अपने ग्रुप स्टेज के मैच भारत जाकर खेलने चाहिए। खिलाड़ियों की सुरक्षा की जिम्मेदारी बीसीसीआई देखेगी।

बांग्लादेश की सत्ता से शेख हसीना के हटने और मोहम्मद युनूस के काबिज होने के बाद अल्पसंख्यकों के खिलाफ हिंसा बढ़ी है। हाल के दिनों में अल्पसंख्यक हिंदुओं के खिलाफ हिंसा में भारी इजाफा हुआ है। भारत में हिंदू संगठनों ने बांग्लादेश में हिंदुओं के खिलाफ हो रही हिंसा का भारी विरोध किया है।

आईपीएल 2026 के लिए हुई नीलामी में बांग्लादेश के तेज गेंदबाज मुस्तफिजुर रहमान को केकेआर ने 9.2 करोड़ की बड़ी कीमत में खरीदा था। रहमान के आईपीएल में खेलने को लेकर विरोध था और भारी दबाव के बीच बीसीसीआई ने केकेआर को रहमान को रिलीज करने का आदेश दिया। बीसीसीआई के आदेश के बाद केकेआर ने रहमान को रिलीज कर दिया और इसी के बाद से बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड ने टी20 विश्व कप के लिए अपनी टीम को भारत न भेजने की बात शुरू की।

चावल, चीनी, दालों में तेजी; खाद्य तेलों में घट-बढ़

एजेंसी

नई दिल्ली। घरेलू थोक जिंस बाजारों में चावल के औसत भाव बढ़ गये जबकि गेहूं की कीमतों में टिकाव रहा। चीनी और दालों के दाम भी बढ़े। खाद्य तेलों में उतार-चढ़ाव का रुख रहा। औसत दर्जे के चावल की औसत कीमत पांच रुपये बढ़कर 3,854 रुपये प्रति क्विंटल पर पहुंच गयी। गेहूं 2,856 रुपये प्रति क्विंटल पर लगभग स्थिर रहा। आटे की कीमत भी दो रुपये बढ़ी। दाल-दलहनों में तेजी का रुख रहा। तुअर दाल औसतन 33 रुपये प्रति क्विंटल चढ़ी। उड़द दाल 22 रुपये और मसूर दाल 17 रुपये मजबूत हुई। चना दाल 16 रुपये और मूंग दाल 15 रुपये प्रति क्विंटल महंगी हुई। विदेशों में मलेशिया के बुरसा मलेशिया डेरिवेटिव एक्सचेंज में पाम ऑयल का अप्रैल वायदा 26 रिंगिट की मजबूती के साथ 4,120 रिंगिट प्रति टन पर पहुंच गया। अमेरिका का सोया तेल का मार्च वायदा 0.36 प्रतिशत चढ़कर 52.80 सेंट प्रति पौंड बोला गया। स्थानीय बाजारों में सरसों तेल औसतन 48 रुपये प्रति क्विंटल सस्ता हुआ। सूरजमुखी तेल 27 रुपये और वनस्पति 22 रुपये महंगा हुआ। मूंगफली तेल की कीमत 18 रुपये प्रति क्विंटल बढ़ गयी। सोया तेल और पाम ऑयल में टिकाव रहा। मीठे के बाजार में आज गुड़ के औसत भाव 22 रुपये प्रति क्विंटल बढ़ गये। चीनी भी पांच रुपये प्रति क्विंटल महंगी हुई।

कोच्चि में 23 जनवरी को होगी आईडब्ल्यूडीसी 3.0 बैठक, पूर्वोत्तर में 5000 करोड़ निवेश से जलमार्ग विकास को मिलेगी गति

एजेंसी

नई दिल्ली। देश में जलमार्गों के विकास को नई दिशा देने के लिए अंतर्देशीय जलमार्ग विकास परिषद (आईडब्ल्यूडीसी) की तीसरी बैठक 23 जनवरी को कोच्चि, केरल में होगी। इस बैठक में अब तक की उपलब्धियों पर चर्चा की जाएगी और आने वाले समय की योजना तय की जाएगी। केंद्रीय बंदरगाह, पोत परिवहन एवं जलमार्ग मंत्रालय ने बताया कि बैठक की अध्यक्षता मंत्री सर्बानंद सोनोवाल करेंगे। इस बैठक में उनके साथ राज्य मंत्री शांतनु ठाकुर और कई राज्यों के मंत्री भी शामिल होंगे। इस दौरान नई पहल शुरू की जाएगी और केंद्र तथा राज्यों के बीच सहयोग बढ़ाने के लिए समझौते किए जाएंगे। बैठक में शहरी जल परिवहन को मजबूत बनाने, माल ढुलाई को आसान करने, पर्यावरण अनुकूल जहाजों को बढ़ावा देने, नदी पर्यटन को आगे बढ़ाने और डिजिटल तरीकों को अपनाने पर चर्चा की जाएगी। साथ ही नियमों की समीक्षा और राज्यों की चिंताओं पर भी विचार किया जाएगा। सरकार ने 2025 से 2030 के बीच उत्तर पूर्व में जलमार्ग विकास के लिए 5000 करोड़ रुपये निवेश की योजना बनाई है। 1152 करोड़ रुपये के प्रोजेक्ट पहले से चल रहे हैं। कोच्चि बैठक में डिब्रूगढ़ में उत्कृष्टता केंद्र, पांडु में जहाज मरम्मत

सुविधा और हरित जहाजों को बढ़ावा देने पर जोर दिया जाएगा। साथ ही बोगीबील नदी बंदरगाह तक पहुंच मार्ग और उजान बाजार घाट पर पर्यटक जेट्टी की घोषणा भी हो सकती है। उल्लेखनीय है कि देश में जलमार्गों का बड़ा नेटवर्क है, जहां हर साल 145 मिलियन टन से ज्यादा माल ढोया जाता है। यह तरीका रेल और सड़क से सस्ता और पर्यावरण के लिए बेहतर है। अभी 111 राष्ट्रीय जलमार्गों में से 32 पर माल और यात्री परिवहन हो रहा है। पिछले 10 सालों में जलमार्गों पर माल ढुलाई 18 मिलियन टन से बढ़कर 145.84 मिलियन टन हो गई है। यात्री संख्या भी 7.64 करोड़ तक पहुंच गई है। 'जलवाहक' और 'जल समृद्धि' जैसी योजनाओं ने इस क्षेत्र को और तेज गति दी है। असम में ब्रह्मपुत्र नदी पर बने राष्ट्रीय जलमार्ग 2 ने उत्तर पूर्व में परिवहन का नया मॉडल पेश किया है। यहां पांडु, जोगीघोपा, धुबरी और बोगीबील जैसे टर्मिनल काम कर रहे हैं। असम का 98 प्रतिशत माल इसी मार्ग से जाता है।

डाक विभाग ने निर्यातकों के लिए शुरू की कर वापसी सुविधा, एमएसएमई और कारीगरों को मिलेगी शुल्क रियायत

एजेंसी

नई दिल्ली। छोटे कारोबारियों, एमएसएमई, कारीगरों और स्टार्टअप को अब डाकघर से माल विदेश भेजने पर भी सरकार की ओर से ड्यूटी ड्रॉबैक, कर वापसी और अन्य रियायतों का फायदा मिलेगा। इससे उनकी लागत घटेगी, पैसा जल्दी वापस मिलेगा और अंतरराष्ट्रीय बाजार में प्रतिस्पर्धा बढ़ेगी। डाक विभाग ने 15 जनवरी से यह सुविधा लागू कर दी। संचार मंत्रालय के अनुसार, इस कदम से छोटे निर्यातक, कारीगर और स्टार्टअप को खास फायदा होगा, क्योंकि वे कम कीमत वाले माल को विदेश भेजने के लिए डाक नेटवर्क पर निर्भर रहते हैं। पहले से ही आईजीएसटी की वापसी की सुविधा है, अब इन नए लाभों से लागत घटेगी और कारोबारियों को पैसा जल्दी मिलेगा।

देशभर में 1,013 'डाकघर निर्यात केंद्र' काम कर रहे हैं। यहां से सामान की बुकिंग, डिजिटल कागजी काम और सीमा शुल्क की प्रक्रिया एक ही जगह पूरी हो जाती है। इससे दूर-दराज के इलाकों के लोग भी आसानी से अपना माल विदेश भेज सकते हैं। डाक विभाग ने सिस्टम में जरूरी बदलाव किए हैं और साफ नियम बनाए हैं ताकि निर्यातक और अधिकारी आसानी से काम कर सकें। यह कदम सरकार की 'ईज ऑफ डूइंग बिजनेस' और सीमा-पार ई-कॉमर्स को बढ़ावा देने की नीति के अनुरूप है। भारत डाक विभाग एक ही जगह से पूरी सुविधा देता है। सामान उठाने से लेकर कागजी काम, ऑनलाइन भुगतान, सीमा शुल्क निकासी और ट्रैकिंग तक। 'अंतरराष्ट्रीय ट्रैक्ड पैकेट सेवा' जैसी सुविधाएं 135 देशों में उपलब्ध हैं, जो छोटे कारोबारियों के लिए सस्ती और भरोसेमंद हैं।

रुपया सात पैसे टूटा, ऐतिहासिक निचले स्तर पर बंद

मंबुई। अंतरबैंकिंग मुद्रा बाजार में रुपया सात पैसे कमजोर हुआ और कारोबार की समाप्ति पर एक डॉलर 90.97 रुपये का बोला गया। यह रुपये का अब तक का निचला बंद स्तर है। इससे पहले, 16 दिसंबर 2025 को यह बीच कारोबार में 91.14 रुपये प्रति डॉलर तक लुढ़कने के बाद 90.93 रुपये प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। भारतीय मुद्रा में यह लगातार पांचवीं गिरावट है। यह 11.25 पैसे टूटकर 90.90 रुपये प्रति डॉलर पर हुई थी। पांच दिन में यह 79.50 पैसे टूटी है। रुपया आज एक पैसे फिसलकर 90.91 रुपये प्रति डॉलर पर खुला। यह ऊपर 90.88 रुपये और नीचे 91.06 रुपये प्रति डॉलर तक गया। अंत में 90.97 रुपये प्रति डॉलर पर बंद हुआ। दुनिया की अन्य प्रमुख मुद्राओं के बास्केट में डॉलर सूचकांक में करीब एक प्रतिशत की नरमी से रुपये को समर्थन मिला, लेकिन घरेलू शेयर बाजार में चौतरफा बिकवाली के कारण रुपया कुल मिलाकर दबाव में रहा।

स्पाइसजेट अहमदाबाद से शारजांह के लिए शुरू करेगी उड़ान

नई दिल्ली। किफायती विमान सेवा कंपनी स्पाइसजेट अगले महीने गुजरात के अहमदाबाद से शारजांह के लिए उड़ान शुरू करेगी। एयरलाइंस ने एक प्रेस विज्ञप्ति में बताया कि नयी उड़ान छोड़कर सप्ताह में पांच दिन उपलब्ध रहेगी। इस नॉन स्टॉप सेवा की शुरुआत 05 फरवरी से होगी। इसके लिए बुकिंग शुरू हो गयी है। विज्ञप्ति में कहा गया है कि इस नयी उड़ान से संयुक्त अरब अमीरात

(यूएई) और भारत के बीच हवाई संपर्क बढ़ेगा। दुबई के बाद यूएई में यह उसका दूसरा गंतव्य होगा। स्पाइसजेट के मुख्य व्यवसाय अधिकारी देबोजो महर्षि ने कहा कि यूएई की सांस्कृतिक राजधानी और एक महत्वपूर्ण क्षेत्रीय केंद्र के रूप में शारजांह एयरलाइंस के नेटवर्क से जुड़ने वाला एक महत्वपूर्ण शहर है। शारजांह संयुक्त अरब अमीरात का तीसरा सबसे बड़ा और अकेला ऐसा अमीरात है जिसकी सीमा शेष सभी छह अमीरात के साथ मिलती है।

आठ प्रमुख उद्योगों का उत्पादन दिसंबर में 3.7 प्रतिशत बढ़ा

नई दिल्ली। इस्पात और बिजली क्षेत्र के मजबूत प्रदर्शन से देश के आठ प्रमुख उद्योगों का उत्पादन दिसंबर 2025 में सालाना आधार पर 3.7 प्रतिशत बढ़ गया। यह अगस्त 2025 के बाद प्रमुख उद्योगों के उत्पादन में चार महीने में सबसे तेज बढ़ोतरी है। इससे पहले, नवंबर 2025 में प्रमुख उद्योगों का उत्पादन 2.1 प्रतिशत और दिसंबर 2024 में 5.1 प्रतिशत बढ़ा था। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार, आठ उद्योगों में से तीन के उत्पादन में गत दिसंबर में गिरावट दर्ज की गयी जबकि अन्य पांच उद्योगों के उत्पादन में वृद्धि हुई है। इस्पात उद्योग का उत्पादन 6.9 प्रतिशत और बिजली का 5.3 प्रतिशत बढ़ा है। सीमेंट का उत्पादन 13.5 प्रतिशत और उर्वरकों का 4.1 प्रतिशत बढ़ा है। कोयले के उत्पादन में 3.6 फीसदी की वृद्धि देखी गयी।कोर उद्योगों के उत्पादन में 28 प्रतिशत से अधिक का भारांश रखने वाले रिफाइनरी उत्पादों के उत्पादन में एक प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गयी। कच्चे तेल का उत्पादन 5.6 प्रतिशत और प्राकृतिक गैस का 4.4 प्रतिशत घट गया। चालू वित्त वर्ष 2025-26 के पहले नौ महीने (अप्रैल-दिसंबर) के दौरान आठ प्रमुख उद्योगों का उत्पादन 2.6 प्रतिशत बढ़ा है। पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि में इसमें 4.5 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की गयी थी।

बीएसएनएल को राजस्व लक्ष्य और सेवा गुणवत्ता पर ध्यान देना होगा: सिंधिया

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय संचार एवं पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने यहां विज्ञान भवन में भारत संचार निगम लिमिटेड (बीएसएनएल) की तिमाही-3 समीक्षा और रणनीति बैठक दर्शन और सेवा गुणवत्ता मानकों की विस्तृत समीक्षा की । केंद्रीय संचार मंत्रालय के अनुसार बैठक में सिंधिया मोबाइल ग्राहक आधार बढ़ाने, औसत राजस्व प्रति उपभोक्ता (एआरपीयू) सुधारने और राजस्व लक्ष्य हासिल करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि कुछ सर्किलों ने मोबाइल ग्राहक आधार में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की है, जबकि अन्य सर्किलों को सुधार की आवश्यकता है। तिमाही-दर-तिमाही एआरपीयू में सुधार हुआ है, लेकिन जिन सर्किलों में एआरपीयू स्थिर है, उन्हें इसे बढ़ाने के लिए कदम उठाने होंगे। इसके लिए बेहतर सेवा, ग्राहक बनाए रखने की रणनीति और मूल्यवर्धित सेवाओं पर ध्यान देने की आवश्यकता है। सिंधिया ने सभी मुख्य महाप्रबंधकों को निर्देश दिया कि वे ग्राहक आधार बढ़ाने और सेवा गुणवत्ता पर निरंतर ध्यान देकर राजस्व लक्ष्य हासिल करें। उन्होंने कहा कि अंतिम तिमाही में सर्किल स्तर पर केंद्रित क्रियान्वयन, जवाबदेही और प्रदर्शन की करीबी निगरानी जरूरी है, ताकि निर्धारित राजस्व लक्ष्य पूरे किए जा सकें।

बैठक में मोबाइल नेटवर्क उपलब्धता और मरम्मत में लगने वाले औसत समय (एमटीटीआर) जैसे प्रमुख सेवा गुणवत्ता मानकों की समीक्षा की गई। केरल, तमिलनाडु, यूपी पूर्व, कर्नाटक, पंजाब, गुजरात, आंध्र प्रदेश, कोलकाता, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड को मोबाइल बीटीएस एमटीटीआर में उल्लेखनीय सुधार करने वाले सर्किलों के रूप में पहचाना गया। सभी सर्किलों को नेटवर्क की विश्वसनीयता बढ़ाने, डाउनटाइम कम करने और समय पर खराबी दूर करने के निर्देश दिए गए। एंटरप्राइज बिजनेस खंड में सिंधिया ने कर्नाटक, ओडिशा, गुजरात, हरियाणा और यूपी (पश्चिम) सर्किलों को उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए बधाई दी। चौथी तिमाही के राजस्व लक्ष्य हासिल करने के लिए सर्किलवार योजनाएं और रणनीतियां भी बताई गईं। बैठक में संचार राज्यमंत्री डॉ. चंद्रशेखर पेम्मासानी, दूरसंचार सचिव अमित अग्रवाल, अतिरिक्त सचिव गुलजार नटराजन, बीएसएनएल के सीएमडी ए रॉबर्ट जे रवि, निदेशक मंडल और देशभर के मुख्य महाप्रबंधक मौजूद रहे।

एवरस्टोन समूह ने मप्र में विनिर्माण, नवीकरणीय ऊर्जा और खाद्य प्रसंस्करण में निवेश की दिखाई रूचि

एजेंसी

दावोस। स्विट्जरलैंड के शहर दावोस में वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम-2026 के दूसरे दिन विभिन्न उद्योगपतियों से चर्चाओं का दौर जारी है। इस दौरान एवरस्टोन समूह ने मध्य प्रदेश में निवेश की रूचि दिखाई। स्टेट लाउंज में मध्य प्रदेश के अधिकारियों ने एवरस्टोन समूह के प्रेसिडेंट और पूर्व केंद्रीय मंत्री जयंत सिन्हा के साथ बैठक कर राज्य में निवेश एवं औद्योगिक सहयोग की संभावनाओं पर विस्तृत चर्चा की। अधिकारियों ने ऑटोमोबाइल और इलेक्ट्रिक व्हीकल (ईवी) इकोसिस्टम में मध्?य प्रदेश की सशक्त उपस्थिति को रेखांकित किया। इंदौर, उज्जैन और भोपाल के आसपास विकसित हो रहे ईवी और ऑटोमोबाइल क्लस्टर्स के साथ वस्त्र एवं परिधान उद्योग में राज्य की स्थापित क्षमताओं तथा नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र में मजबूत आधार की जानकारी साझा की गई। चर्चा के दौरान नवीन और नवकरणीय ऊर्जा मंत्री राकेश शुक्ला, अपर मुख्य सचिव मनु श्रीवास्तव, मनीष सिंह ▫ और प्रमुख सचिव राघवेन्द्र कुमार सिंह ने उद्योगपतियों के साथ सोलर पैनल, बैटरी, इंगट्स और वेफर्स सहित उपकरण और कंपोनेंट विनिर्माण में उपलब्ध निवेश अवसरों पर भी विचार किया गया। राज्य शासन ने निवेशकों के अनुकूल भूमि अधिग्रहण ढांचे की जानकारी देते हुए भोपाल और होशंगाबाद के समीप क्षेत्रों को विनिर्माण आधारित निवेश के लिए उपयुक्त बताया और राज्य में बढ़ती आंतरिक मांग को भी रेखांकित किया। प्रेसिडेंट एवरस्टोन समूह जयंत सिन्हा ने समूह के पोर्टफोलियो और निवेश प्राथमिकताओं से अवगत कराते हुए स्केलेबल प्लेटफॉर्म, दीर्घकालिक इंफ्रास्ट्रक्चर और विनिर्माण क्षेत्रों में रुचि साझा की। बैठक में दोनों पक्षों ने खाद्य प्रसंस्करण, नवीकरणीय ऊर्जा एवं संबंधित क्षेत्रों में संभावित सहयोग और निवेश के लिए आगे भी विस्तृत चर्चा जारी रखने पर सहमति व्यक्त की। यह संवाद मध्य प्रदेश की विनिर्माण आधारित विकास रणनीति और सतत आर्थिक प्रगति की दिशा में वैश्विक निवेशकों के साथ मजबूत साझेदारी की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

मध्य प्रदेश की मल्टीमॉडल लॉजिस्टिक्स और सप्लाई चेन निवेश पर क्रेसेंट एंटरप्राइजेज के साथ हुई अहम चर्चा

एजेंसी

दावोस। वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम-2026 के दूसरे दिन स्विट्जरलैंड के दावोस शहर में मध्य प्रदेश स्टेट लाउंज में नवीन और नवकरणीय ऊर्जा मंत्री राकेश शुक्ला ने क्रेसेंट एंटरप्राइजेज के साथ निवेश संबंधी चर्चा की। मध्य प्रदेश के अधिकारियों ने क्रेसेंट एंटरप्राइजेज डिप्टी सीईओ एवं हेड ऑफ इन्वेस्टमेंट्स तुषार सिंहवी के साथ बैठक कर राज्य में मल्टीमॉडल लॉजिस्टिक्स, इनलैंड कंटेनर डिपो, वेयरहाउसिंग तथा एकीकृत सप्लाई चेन अवसंरचना में निवेश की संभावनाओं पर चर्चा की। बैठक के दौरान क्रेसेंट एंटरप्राइजेज ने भारत में अपने विस्तार की मजबूत मंशा व्यक्त करते हुए लॉजिस्टिक्स आधारित निवेश के लिए मध्य प्रदेश को एक रणनीतिक गंतव्य के रूप में परखने में गहरी रुचि दिखाई। इस अवसर पर मंत्री शुक्ला ने राज्य की समर्पित लॉजिस्टिक्स एवं निर्यात नीति की जानकारी साझा की, जिसके अंतर्गत पूंजी निवेश सहायता, अवसंरचना सुविधा, स्टांप शुल्क प्रतिपूर्ति, भूमि आवंटन में सहयोग और हरित लॉजिस्टिक्स के लिए विशेष प्रोत्साहन उपलब्ध कराए जा रहे हैं।

प्रमुख सचिव औद्योगिक नीति एवं निवेश प्रोत्साहन राघवेन्द्र सिंह ने बताया कि मध्यप्रदेश, देश के केंद्र में स्थित होने से यहां प्राप्त भौगोलिक लाभ, राज्य के हवाई अड्डों के माध्यम से लागत प्रभावी कार्गो हैंडलिंग और खाद्य प्रसंस्करण, ऑटोमोबाइल, फार्मास्यूटिकल्स (एपीआई सहित), वस्त्र एवं परिधान और नवीकरणीय ऊर्जा उपकरण निर्माण जैसे क्षेत्रों में मजबूत औद्योगिक आधार मौजूद हैं। साथ ही भूमि की पर्याप्त उपलब्धता, विश्वसनीय विद्युत एवं जल आपूर्ति तथा स्थिर श्रम वातावरण मध्यप्रदेश को लॉजिस्टिक्स एवं सप्लाई चेन परियोजनाओं के लिए उच्च दक्षता वाला निवेश गंतव्य बनाता है। दोनों पक्षों ने विशिष्ट परियोजना अवसरों की पहचान करने तथा लॉजिस्टिक्स और संबद्ध अवसंरचना क्षेत्रों में संभावित निवेश पर आगे भी संवाद जारी रखने पर सहमति व्यक्त की।

658 करोड़ के फर्जी आईटीसी घोटाले में कोलकाता, झारखंड, मणिपुर समेत ईडी का कई राज्यों में छापा

एजेंसी

कोलकाता। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने करीब 658 करोड़ के फर्जी इनपुट टैक्स क्रेडिट (आईटीसी) घोटाले के सिलसिले में कोलकाता, झारखंड, मणिपुर समेत कई राज्यों में एक साथ तलाशी अभियान चलाया। केंद्रीय जांच एजेंसी से जुड़े सूत्रों ने यह जानकारी दी। सूत्रों के अनुसार, यह छापेमारी उन व्यक्तियों और कंपनियों के ठिकानों पर की गई है, जिनके इस बड़े कर घोटाले से जुड़े होने का संदेह है। इस पूरे ऑपरेशन का नेतृत्व ईडी की ईटानगर यूनिट कर रही है, जो संबंधित राज्यों की पुलिस के साथ समन्वय में कार्रवाई कर रही है।

जांच एजेंसी का कहना है कि इस मामले में कई फर्मों पर बिना किसी वास्तविक माल या सेवा की आपूर्ति के फर्जी चालानों के जरिए इनपुट टैक्स क्रेडिट बनाने और उसका लाभ उठाने का आरोप है। ऐसे फर्जी दावे न केवल सरकारी राजस्व को भारी नुकसान पहुंचाते हैं, बल्कि इनके तार अक्सर मनी लॉन्ड्रिंग और शेल कंपनियों के

नेटवर्क से भी जुड़े होते हैं। ईडी सूत्रों के मुताबिक, यह मामला अरुणाचल प्रदेश के ईटानगर पुलिस थाने में दर्ज एक प्राथमिकी से जुड़ा है। इस एफआईआर में राकेश शर्मा और आशुतोष कुमार झा सहित अन्य अज्ञात व्यक्तियों के खिलाफ धोखाधड़ी, जालसाजी और आपराधिक साजिश के आरोप लगाए गए हैं।

शिकायत के अनुसार, एम/एस सिद्धि विनायक ट्रेड मर्चेंट्स नामक एक कथित गैर-मौजूद कंपनी के जरिए बड़े पैमाने पर फर्जीवाड़ा किया गया। जांच में सामने आया है कि 658.55 करोड़ के फर्जी चालानों के आधार पर 99.31 करोड़ का इनपुट टैक्स क्रेडिट हासिल किया गया। इस घोटाले में अलग-अलग राज्यों में फैली 58 शेल कंपनियों की भूमिका बताई जा रही है। ईडी अब फर्जी आईटीसी की परत-दर-परत जांच कर रही है और इस प्रक्रिया में कथित रूप से किए गए धनशोधन के पैसों का पता लगाने में जुटी है। एजेंसी सूत्रों ने बताया कि मामले में आगे की जांच जारी है। इस बीच, ईडी ने पश्चिम बंगाल के बहुचर्चित करोड़ों के कोयला तस्करी मामले में भी अपनी गतिविधियां तेज कर दी हैं। एजेंसी ने इस मामले में सात और कोयला व्यापारियों को पूछताछ के लिए तलब किया। इसके साथ ही इस प्रकरण में अब तक कुल 15 कोयला व्यापारियों को समन जारी किया जा चुका है। गौरतलब है कि, यह मामला तब और सुर्खियों में आया था, जब 8 जनवरी को ईडी ने एक साथ इंडियन पॉलिटिकल एक्शन कमेटी (आई-पैक) के कार्यालय और उसके निदेशक व सह-संस्थापक प्रतीक जैन के आवास पर छापेमारी और तलाशी अभियान चलाया था, जो इसी कोयला तस्करी मामले से जुड़ा हुआ है।

गूगल करेगा मध्य प्रदेश में आईटी, आईटीईएस और डेटा सेंटर में निवेश

एजेंसी

दावोस। वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम-2026 के दौरान गूगल के एशिया पैसिफिक क्षेत्र के प्रेसिडेंट संजय गुप्ता के साथ मध्य प्रदेश के अधिकारियों ने बैठक कर राज्य में आईटी, आईटीईएस सेक्टर और मौजूदा प्रस्तावित डेटा सेंटर परियोजनाओं पर विस्तार से चर्चा की। गुप्ता ने मध्य प्रदेश में आईटी, आईटीईएस और डेटा सेंटर में निवेश की रूचि दिखाई। स्विट्जरलैंड के दावोस शहर में हुई बैठक में नवीन एवं नवकरणीय ऊर्जा मंत्री राकेश शुक्ला सहित अधिकारी उपस्थित रहे। गूगल की ओर से राज्य में जेमिनी एआई के माध्यम से कृषि एवं शिक्षा क्षेत्रों में नवाचार और डिजिटल समाधान लागू करने की संभावनाओं पर भी विचार साझा किए गए। बैठक में राज्य शासन द्वारा आईटी एवं डेटा सेंटर परियोजनाओं के लिए पर्याप्त एवं सतत विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए हरित ऊर्जा आधारित नीति तैयार करने की योजना से

अवगत कराया गया। साथ ही, गूगल जैसी वैश्विक कंपनियों की विशिष्ट आवश्यकताओं को पूरा करने की मध्य प्रदेश की क्षमता, अनुकूल नीतिगत ढांचा और सहयोगी दृष्टिकोण को भी रेखांकित किया गया। गूगल के एशिया पैसिफिक क्षेत्र के प्रेसिडेंट संजय गुप्ता ने आईटी अवसंरचना, डिजिटल नवाचार और कौशल विकास के माध्यम से मध्य प्रदेश को एक उभरते तकनीकी केंद्र के रूप में विकसित करने की दिशा में सहयोग दिए जाने पर सहमति व्यक्त की। श्रीलंकाई उद्योग समूह जॉन कील्स के साथ निवेश अवसरों पर हुई चर्चावर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम के दौरान श्रीलंकाई उद्योग समूह से भी मध्?य प्रदेश के अधिकारियों ने निवेश को लेकर चर्चा की। इस दौरान मप्र के प्रमुख सचिव तकनीकी शिक्षा, कौशल विकास और रोजगार मनीष सिंह ने श्रीलंका के प्रतिष्ठित औद्योगिक समूह जॉन कील्स होल्डिंग्स पीएलसी के चेयरमैन कृष्णन बालेंद्र के साथ मीटिंग की। उन्होंने राज्य में निवेश एवं सहयोग की संभावनाओं पर विस्तृत चर्चा की। बैठक में लॉजिस्टिक्स, आतिथ्य (हॉस्पिटैलिटी), खाद्य प्रसंस्करण एवं पर्यटन जैसे प्रमुख क्षेत्रों में मध्य प्रदेश में उपलब्ध अवसरों पर विचार-विमर्श किया गया। राज्य सरकार द्वारा निवेश को प्रोत्साहित करने के लिए लागू नीतियों एवं उपलब्ध प्रोत्साहनों की जानकारी भी प्रतिनिधिमंडल के साथ साझा की गई। जॉन कील्स समूह ने भारतीय कंपनियों के साथ अपने मौजूदा व्यावसायिक जुड़ाव तथा भारत में विभिन्न टाई-अप्स के माध्यम से अपने व्यापार की जानकारी दी। प्रमुख सचिव सिंह ने राज्य की अनुकूल निवेश नीति, मजबूत अवसंरचना, कुशल मानव संसाधन एवं उद्योग-अनुकूल वातावरण को रेखांकित करते हुए जॉन कील्स समूह को राज्य में निवेश के लिए आमंत्रित किया।

भारत का पुनर्बीमा कारोबार क्षेत्र एक नये परिवर्तन के मुहाने पर : वित्तीय सेवा सचिव

एजेंसी

मुंबई। वित्तीय सेवा विभाग (डीएफएस) के सचिव एम. नागराजू ने सोमवार को कहा कि सरकार और बीमा विनियामक ने विकास और बीमा की सुलभता को बढ़ावा देने के लिए नीतिगत ढांचे और संरचनात्मक सुधारों को सक्षम बनाया है और देश में पुनर्बीमा कारोबार का क्षेत्र एक नये परिवर्तन के मुहाने पर है। उन्होंने भारतीय बीमाकर्ताओं और पुनर्बीमाकर्ताओं को गिफ्ट सिटी के माध्यम से वैश्विक अवसरों का लाभ उठाने और '2047 तक सभी के लिए बीमा' के लक्ष्य को प्राप्त करने के हेतु सभी हितधारकों के साथ मिलकर काम करने के लिए प्रोत्साहित किया ग। श्री नागराजू यहां आयोजित अंतराष्ट्रीय वित्त केंद्र (आईएफएस)- इरडाई-गिफ्टसिटी वैश्विक पुनर्बीमा शिखर सम्मेलन के तीसरे संस्करण को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि भारत पुनर्बीमा क्षेत्र में परिवर्तनकारी विकास के मुहाने पर खड़ा है। भारत में कुल पुनर्बीमा बाजार का कारोबार 2024-25 में 1.12 लाख करोड़ रुपये रहा। उन्होंने सम्मेलन के विषय 'आज के भारत को जोड़ना, कल के भारत का बीमा करना - भारत विकास रोडमैप' को पूरी तरह से '2047 तक सभी के लिए बीमा' की सरकार की सोच के अनुरूप बताया। व्यक्तियों और इकाइयों को बीमा संरक्षण देने के साथ साथ अर्थव्यवस्था में बीमा क्षेत्र के बड़े योगदान की चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि वित्त वर्ष 2024-25 के दौरान देश में इस क्षेत्र ने 41.84 करोड़ पॉलिसियां जारी कीं, 11.93 लाख करोड़ रुपये का प्रीमियम एकत्र किया, 8.36 लाख करोड़ रुपये के दावों का भुगतान किया और 31 मार्च 2025 तक इस क्षेत्र के अंतर्गत प्रबंधनाधीन परिसम्पत्तियां 74.44 लाख करोड़ रुपये की थीं। वित्तीय सेवा सचिव ने कहा कि सरकार और बीमा विनियामक इरडाई ने विकास और बीमा की सुलभता को बढ़ावा देने के लिए नीतिगत ढांचे और संरचनात्मक सुधारों को सक्षम बनाया है। इस संदर्भ में उन्होंने बीमा क्षेत्र में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) की सीमा बढ़ाकर 100 प्रतिशत किये जाने , पिछले वर्ष एक नयी पुनर्बीमाकर्ता कंपनी के पंजीकरण और सबका बीमा सबकी रक्षा (बीमा कानूनों में संशोधन) अधिनियम, 2025 के अंतर्गत पॉलिसीधारक शिक्षा एवं संरक्षण कोष के गठन के प्रावधान तथा डेटा संरक्षण को डिजिटल व्यक्तिगत डेटा संरक्षण अधिनियम, 2023 के अनुरूप बनाये जाने का उल्लेख किया।

वित्त मंत्रालय 30 जनवरी को पीएसबी के सीईओ के साथ समीक्षा बैठक करेगा

एजेंसी

नई दिल्ली। वित्त मंत्रालय 30 जनवरी को सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों (पीएसबी) के प्रमुखों और क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों (आरआरबी) के चेयरपर्सन के साथ एक बैठक करेगा। इसमें आरआरबी के विलय के बाद उनके प्रदर्शन की समीक्षा की जाएगी। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि बैठक की अध्यक्षता वित्तीय सेवा विभाग के सचिव एम. नागराजू करेंगे। समीक्षा बैठक में नाबार्ड के चेयरमैन, सिडबी के सीएमडी और रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) के संबंधित कार्यकारी निदेशक शामिल हो सकते हैं।प्राप् त जानकारी के मुताबिक एक मई से प्रभावी आरआरबी के एकीकरण के चौथे दौर के बाद ये पहली उच्च स्तरीय बैठक होने जा रही है। इस एकीकरण से आरआरबी की संख्या 43 से घटकर 28 रह गई है। इस समीक्षा बैठक में विलय के बाद आरआरबी के वित्तीय प्रदर्शन की समीक्षा की जाएगी। इसमें प्राथमिकता प्राप्त क्षेत्र को ऋण देने की प्रगति और आरआरबी द्वारा शुरू की गई विभिन्न वित्तीय योजनाओं की समीक्षा होगी। बेहतर परिचालन दक्षता और लागत को युक्तिसंगत बनाने के लिए एक मई को 11 राज्यों के 15 आरआरबी के एकीकरण के बाद राज्य के स्वामित्व वाला एक आरआरबी अस्तित्व में आया है। पहले चरण वित्त वर्ष 2005-06 से 2009-10 में आरआरबी की संख्या 196 से घटाकर 82 कर दी गई थी।

टाटा मोटर्स ने 7 से 55 टन क्षमता वाले अगली पीढ़ी के ट्रक किए लॉन्च

एजेंसी

नई दिल्ली। टाटा मोटर्स ने भारत में 7 टन से 55 टन क्षमता वाले 17 नए अलगी पीढ़ी के ट्रकों को लॉन्च किया है। इन ट्रकों को टाटा मोटर्स के मुख्य कार्यकारी अधिकारी एवं प्रबंध निदेशक गिरीश वॉग और उपाध्यक्ष एवं ट्रक कारोबार के प्रमुख राजेश कौल ने यहां के भारत मंडपम में पेश किया। इसमें डीजल और इलेक्ट्रिक दोनों तरह के ट्रक शामिल हैं, जो प्राइमा, सिग्ना, अल्ट्रा और नई अजुरा प्लेटफॉर्म पर आधारित हैं। कंपनी ने 'टाटा ट्रक्स डॉट ईवी' ब्रांड के तहत देश की अब तक की सबसे बड़ी इलेक्ट्रिक ट्रक रेंज पेश की है, जिसमें अल्ट्रा ईवी सीरीज, प्राइमा ई.55एस इलेक्ट्रिक प्राइम मूवर और प्राइमा ई.28के इलेक्ट्रिक टिपर शामिल हैं। ये ट्रक शहरी माल ढुलाई, ई-कॉमर्स, निर्माण, पोर्ट संचालन और खनन जैसे क्षेत्रों के लिए तैयार किए गए हैं। टाटा मोटर्स द्वारा प्रस्तुत किए गए ये नए ट्रक रसद, ई-कॉमर्स, एफएमसीजी, निर्माण, खनन, कृषि, बंदरगाह संचालन और क्षेत्रीय माल परिवहन जैसे क्षेत्रों की आवश्यकताओं को पूरा करेंगे। कंपनी का दावा है कि हल्के, मध्यम और भारी तीनों श्रेणियों में ये ट्रक बेहतर भार क्षमता, कम ईंधन खर्च और अधिक लाभ देने में सहायक होंगे। मध्यम और हल्के वाणिज्यिक वाहन श्रेणी में कंपनी ने पहली बार नई अजुरा श्रृंखला प्रस्तुत की है। यह श्रृंखला 7 टन से 19 टन तक की क्षमता में उपलब्ध होगी। इनमें नया 3.6-लीटर डीजल इंजन दिया गया है, जिसे बेहतर प्रदर्शन और ईंधन दक्षता के लिए विकसित किया गया है। अजुरा ट्रकों में वॉक-थ्रू केबिन, डी प्लस 2 बैठने की क्षमता, रिक्लाइनिंग सीट, अधिक भंडारण

स्थान और चालक की सुविधा के लिए बेहतर आरामदायक रूपांकन दिया गया है। इन ट्रकों को मध्यम दूरी, अंतर-नगरीय और क्षेत्रीय परिवहन के लिए उपयुक्त बताया गया है। सुरक्षा के मानकों पर टाटा मोटर्स ने अपने पूरे डीजल ट्रक पोर्टफोलियो को यूरोपीय ईसीई आर29 03 टक्कर सुरक्षा मानकों के अनुरूप किया है। इसमें सामने, किनारे और पलटाव सुरक्षा शामिल की गई है। साथ ही कुछ मॉडलों में लेन छोड़ने की चेतावनी, टक्कर से बचाव और अन्य उन्नत चालक सहायता प्रणाली जैसे आधुनिक विशेषताएं भी दी गई हैं, जिससे सड़क सुरक्षा को और मजबूत किया जा सके। कंपनी के अनुसार नए तकनीकी सुधारों के चलते कुछ ट्रकों में भार क्षमता को 1.8 टन तक बढ़ाया गया है। वहीं, 6.7-लीटर डीजल इंजन में सुधार कर ईंधन दक्षता में लगभग 7 प्रतिशत तक की वृद्धि की गई है। इससे परिवहन कारोबारियों की परिचालन लागत घटेगी और लाभ बढ़ेगा।

ई-ट्रकों के साथ टाटा मोटर्स ऊर्जा भरने की सुविधा, वित्तपोषण, रखरखाव और संयोजित डिजिटल सेवाओं का पूरा पारिस्थितिकी तंत्र भी उपलब्ध कराएगी। इसके अंतर्गत 'संपूर्ण सेवा 2.0' कार्यक्रम से 24 घंटे सड़क किनारे सहायता, बेड़ा सहयोग, पुर्जों की उपलब्धता और डिजिटल निगरानी की सुविधा दी जाएगी। टाटा मोटर्स ने फिलहाल इन नए ट्रकों की कीमतों का खुलासा नहीं किया है, लेकिन कंपनी का दावा है कि यह नई श्रृंखला देश में ट्रकिंग क्षेत्र को अधिक सुरक्षित, किफायती और पर्यावरण के अनुकूल बनाने में अहम भूमिका निभाएगी।

नेपाल में 62 प्रतिशत उम्मीदवार 40 वर्ष से कम आयु के

एजेंसी

काठमांडू। प्रतिनिधि सभा सदस्य निर्वाचन-2026 के अंतर्गत नामांकन पत्र दाखिल वाले उम्मीदवारों की संख्या 3,484 पहुंच गई है। निर्वाचन आयोग के आंकड़ों के अनुसार, कुल उम्मीदवारों में महिलाओं की संख्या 11 प्रतिशत अर्थात 395, पुरुष 3,088 यानी 79 प्रतिशत और अन्य एक उम्मीदवार हैं। आयु वर्ग के आधार पर देखें तो 36 से 40 वर्ष आयु समूह में सबसे अधिक 46 प्रतिशत अर्थात 1,610 उम्मीदवार हैं। इस समूह में 235 महिलाएं और 1,375 पुरुष शामिल हैं। 25 से 35 वर्ष आयु समूह में 16 प्रतिशत यानी 583 उम्मीदवार पंजीकृत हुए हैं, जबकि 41 से 45 वर्ष आयु समूह में 31 प्रतिशत यानी 1,090 उम्मीदवार हैं। 45 वर्ष से अधिक आयु के उम्मीदवारों की संख्या 5 प्रतिशत यानी 201 है। राजनीतिक दलों की ओर से नामांकन पत्र भरने वाले उम्मीदवारों की संख्या 2,297 है। इनमें से 10 प्रतिशत यानी 235 महिलाएं, 90 प्रतिशत यानी 2,064 पुरुष और एक अन्य लिंग के उम्मीदवार शामिल हैं। वहीं, स्वतंत्र उम्मीदवारों की संख्या 1,187 है, जिनमें 160 महिलाएं और 1,024 पुरुष हैं। निर्वाचन आयोग के अनुसार, इस बार प्रतिनिधि सभा चुनाव में उम्मीदवार उतारने वाले राजनीतिक दलों की संख्या 68 है। आयोग ने बताया है कि ये आंकड़े प्रारंभिक हैं, जिनमें सामान्य बदलाव हो सकता है।

चुनाव अभियान के दौरान आपस में भिड़े बीएनपी और जमात कार्यकर्ता, कई घायल

एजेंसी

ढाका । बांग्लादेश में 12 फरवरी को नई सरकार चुनने के लिए वोट डाले जाएंगे। सभी दल वोटर्स को लुभाने की जुगत में हैं। एक चुनाव अभियान के दौरान देश की दो प्रमुख पार्टियों के कार्यकर्ताओं में जबरदस्त मार पीट हुई। इस हिंसा में बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) और कट्टरपंथी इस्लामिक पार्टी जमात-ए-इस्लामी के कई कार्यकर्ता और समर्थक घायल हो गए। घटना ढाका के मीरपुर इलाके में हुई। गवाहों के हवाले से, बांग्लादेश के प्रमुख अखबार द डेली स्टार ने बताया कि यह झड़प मंगलवार शाम करीब 4:00 बजे हुई, जब जमात कार्यकर्ताओं का एक समूह मुबारक मस्जिद के पास प्रचार कर रहा था।

रिपोर्ट्स के मुताबिक, राजधानी में 'हेवन टावर' नाम की 10-मंजिला इमारत में घुसने की कोशिश करते समय जमात कार्यकर्ताओं का सामना बीएनपी के लोगों से हुआ।

इमारत के एक सुरक्षा गार्ड अब्दुल अलीम ने बताया कि बीएनपी के लोगों ने जमात कार्यकर्ताओं को रोक दिया और दावा किया कि 22 जनवरी से पहले चुनाव प्रचार की इजाजत नहीं है। इमारत के फ्लैट मालिकों के एसोसिएशन के पूर्व महासचिव इदरीस अली ने दावा किया कि जमात कार्यकर्ता घरों में जाकर निवासियों से वोट मांग रहे थे। द डेली स्टार ने अली के हवाले से कहा, 'उन्होंने पहले भी इस इलाके और इस इमारत में कई बार प्रचार किया है। हमने तो एंट्री गेट पर एक नोटिस बोर्ड भी लगाया था जिस पर लिखा था 'यहां राजनीतिक चर्चा और प्रचार मना है,' लेकिन उन्होंने इसे नजरअंदाज कर दिया।' कई स्थानीय बीएनपी नेताओं ने जमात कार्यकर्ताओं पर प्रचार के दौरान निवासियों से मोबाइल नंबर और राष्ट्रीय पहचान पत्र मांगने का आरोप लगाया। दोनों समूहों के बीच तीखी बहस हुई, लेकिन आखिरकार स्थिति शांत हो गई और दोनों पक्ष तितर-बितर हो गए। हालांकि, मस्जिद के बाहर कथित तौर पर तनाव फिर से बढ़ गया, जिसमें स्थानीय बीएनपी नेताओं ने दावा किया कि जमात कार्यकर्ताओं ने उनके कुछ सदस्यों को घेर लिया और उन पर जमात कार्यकर्ताओं को इमारत के अंदर 'बंद करने' का आरोप लगाया।

काफरुल थाना से बीएनपी की युवा शाखा जुबो दल के पूर्व महासचिव शरीफुल इस्लाम मिलन ने कहा, 'जमात के 100-150 लोग मस्जिद के सामने आए और हमारे लोगों का पीछा किया। यह सुनकर लगभग 1,000-1,500 लोग इकट्ठा हो गए।' स्थानीय निवासियों ने बताया कि बीएनपी कार्यकर्ता मस्जिद के आसपास की गलियों में जमा हो गए और जमात विरोधी नारे लगाने लगे। मिलन ने दावा किया कि झड़प में छह बीएनपी कार्यकर्ता घायल हुए, जिनमें से तीन का अस्पताल में इलाज चल रहा है। स्थानीय मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, रविवार रात को हुए हमलों की एक श्रृंखला के बाद, कुमिला जिले के चौदग्राम उपजिला में बीएनपी और जमात समर्थकों के बीच झड़प में पांच लोग घायल हो गए थे।

बांग्लादेश के सुंदरबन में समुद्री डाकुओं का डेरा, दहशत में मछुआरे

एजेंसी

ढाका। बांग्लादेश की 1320 किलोमीटर की समुद्री सीमा पर स्थानीय मछुआरों के लिए सुंदरबन में घुसना आसान नहीं है। यहां समुद्री डाकुओं (समुद्री दस्युओं) के दर्जनों गिरोह पहुंच चुके हैं। यह डाकू मछुआरों को कथित तौर पर परमिट जारी करते हैं। इसके एवज में मोटा पैसा लेते हैं। बांग्लादेश तट रक्षक बल ने इस नए खतरे का मुकाबला करने के लिए ऑपरेशन तेज कर दिए हैं। ढाका ट्रिब्यून अखबार की रिपोर्ट के अनुसार, मछुआरों का कहना है कि पैसा न देने पर उनका अपहरण कर लिया जाता है। इस दौरान यातना दी जाती है। फिर फिरौती देने पर ही छोड़ा जाता है। इससे बचने के लिए वह समुद्री डाकू समूहों के तथाकथित टोकन लेने के लिए मजबूर हैं। बताते हैं कि 2017 में बड़े पैमाने पर समुद्री डाकुओं के आत्मसमर्पण के बाद यह प्रथा काफी हद तक खत्म हो गई थी। मगर पांच अगस्त, 2024 को राजनीतिक अशांति के बाद फिर से सुंदरबन में डाकू सक्रिय हो गए हैं। स्थानीय सूत्रों के अनुसार, सुंदरबन से सटे सतखिरा, बागेरहाट और खुलना जिलों के जंगलों में 10 से ज्यादा समुद्री डाकू समूह सक्रिय हैं। यह डाकू कथित तौर पर मछुआरों को समानांतर परमिट जारी करते हैं। इनका परमिट टोकन होता है। यह टोकन तय पैसा लेने के बाद दिया जाता है। इस टोकन के बाद ही मछुआरों को बेखौफ होकर खास इलाकों से गुजरने की इजाजत मिलती है। कुछ मछुआरों ने बताया कि टोकन अकसर एक खास सीरियल नंबर वाला करेंसी नोट होता है। उसपर समुद्री डाकू समूह मछुआरे के नाम लिख देते हैं। इस टोकन को जंगल में घुसते समय पास में रखना होता है।

स्पेन में एक और ट्रेन हादसा, एक की मौत, 37 घायल

मैड्रिड (स्पेन)। स्पेन में एक सप्ताह के भीतर हुए दूसरे रेल हादसे में ड्राइवर की मौत हो गई और 37 लोग घायल हो गए। यह हादसा स्पेन के बार्सिलोना शहर के पास गेलिडा में हुआ। कैटेलोनिया की क्षेत्रीय सरकार के प्रवक्ता के अनुसार, यह ट्रेन देश के उत्तर-पूर्व में गेलिडा और सैंट सैडर्नी डी'एनोइया नगर पालिका के मध्य चलती है। रोजाना हजारों लोग इस गाड़ी का प्रयोग करते हैं। अमेरिकी चैनल सीएनएन की रिपोर्ट के अनुसार, यह हादसा स्पेन में पिछली रेल दुर्घटना के ठीक दो दिन बाद हुआ। दक्षिणी कॉर्डोबा प्रांत के अदामुज के पास दो हाई-स्पीड ट्रेनें टकरा गई थीं, जिसमें 41 लोगों की मौत हो गई थी। ट्रेन हादसा आर 4 लाइन पर हुआ। कैटेलोनिया की क्षेत्रीय सरकार के प्रवक्ता के अनुसार भारी बारिश की वजह से सुरक्षा दीवार पटरियों पर गिर गई थी। इस वजह से यह ट्रेन फिसलकर पटरी से उतर गई। ट्रेन ऑपरेटर के बयान के अनुसार, यह दुर्घटना स्थानीय समयानुसार रात करीब 10:00 बजे हुई। स्पेन के अखबार एल पेइस के अनुसार, रविवार को अदमूज (कोर्डोबा) में दो हाई-स्पीड ट्रेनों के पटरी से उतरने से कम से कम 41 लोगों की मौत हो गई और दर्जनों लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। सिविल गार्ड और अंडालूसी आपातकालीन सेवाओं के सूत्रों के अनुसार, 38 लोग अभी भी अस्पताल में भर्ती हैं।

नासा बड़ी उड़ान की तैयारी में, आर्टेमिस-2 रचेगा इतिहास

वाशिंगटन। अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी 'राष्ट्रीय वैमानिकी और अंतरिक्ष प्रबंधन' (नेशनल एरोनॉटिक्स एंड स्पेस एडमिनिस्ट्रेशन) यानी नासा मनुष्य को पृथ्वी की कक्षा से बाहर ले जाने की अंतिम तैयारी में जुटा हुआ है। नासा वैज्ञानिकों की पूरी कोशिश है कि आर्टेमिस-2 की लॉन्चिंग फरवरी के पहले सप्ताह हो जाए। अगर फरवरी में यह संभव नहीं हो पाया तो इसे अप्रैल में हर हाल में लक्ष्य पर भेजा जाएगा। नासा की आधिकारिक वेबसाइट पर कहा गया है कि आर्टेमिस-2 अंतरिक्ष यात्रियों को पहले से कहीं ज्यादा दूर भेजने से बस कुछ ही हफ्ते दूर है। नासा के प्रशासक जेरेड आइजकमैन ने कहा, आर्टेमिस-2 इंसान की अंतरिक्ष उड़ान की दिशा में अब तक सबसे बड़ा कदम होगा। यह ऐतिहासिक मिशन इंसान को पृथ्वी से पहले से कहीं अधिक दूर भेजेगा और हमें चंद्रमा पर लौटने के लिए जरूरी जानकारी देगा। यह सब अमेरिका की अगुवाई में होगा। उन्होंने कहा कि आर्टेमिस-2 चंद्रमा पर एक स्थायी मौजूदगी बनाने और अमेरिकियों को मंगल पर भेजने की दिशा में प्रगति को दर्शाता है। नासा की वेबसाइट के अनुसार, चंद्रमा पृथ्वी से 41,541 मील दूर है। मगर यह दूरी नासा के आगामी मिशन आर्टेमिस-2 के लिए एक पड़ाव भर है। यह मिशन अपोलो कार्यक्रम के बाद पहली बार इंसान को पृथ्वी की कक्षा से बाहर, चांद के चारों ओर और उससे भी आगे ले जाएगा।

रूसी हमले के बाद यूक्रेन की संसद अंधेरे में, बिजली-पानी और हीटिंग ठप

कीव। रूस द्वारा रातभर किए गए मिसाइल और ड्रोन हमलों के बाद यूक्रेन की ऊर्जा व्यवस्था बुरी तरह प्रभावित हुई है। इन हमलों के चलते राजधानी कीव में स्थित यूक्रेनी संसद भवन (वर्खोवना राडा) में बिजली, पानी और हीटिंग की आपूर्ति पूरी तरह ठप हो गई है।

यूक्रेन की संसद के स्पीकर रूसलान स्टेफानचुक ने सोशल मीडिया पर जानकारी देते हुए कहा कि ताजा रूसी हमलों के बाद कई यूक्रेनी शहरों में बुनियादी सेवाएं बाधित हो गई हैं। उन्होंने बताया कि संसद भवन भी फिलहाल बिजली, पानी और हीटिंग जैसी आवश्यक सुविधाओं से वंचित है। स्टेफानचुक ने कहा कि रूस के लगातार हमलों से आम नागरिकों के जीवन पर गहरा असर पड़ रहा है और ऊर्जा ढांचे को जानबूझकर निशाना बनाया जा रहा है। यूक्रेनी प्रशासन हालात सामान्य करने के प्रयासों में जुटा हुआ है।

इंडिया-कनाडा एआई डायलॉग 2026 : जिम्मेदार एआई के लिए द्विपक्षीय सहयोग पर जोर

एजेंसी

टोरंटो। समावेशी, जिम्मेदार और समाज के हित में काम करने वाली आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस में भारत की अहम भूमिका को रेखांकित करते हुए कनाडा के टोरंटो शहर में भारतीय वाणिज्य दूतावास ने 'इंडिया-कनाडा एआई डायलॉग 2026' का आयोजन किया। इस संवाद में भारत और कनाडा के बीच सहयोग को अर्थव्यवस्था और समाज दोनों के लिए लाभकारी बताया गया। यह उच्चस्तरीय संवाद कनाडा के ओंटारियो प्रांत में स्थित कनाडा की वाटरलू यूनिवर्सिटी, कनाडा इंडिया टेक काउंसिल और ज़ोहो इंक. के साथ सहयोग से आयोजित किया गया। टोरंटो स्थित भारतीय वाणिज्य दूतावास के अनुसार, यह संवाद दुनिया के कुछ चुनिंदा प्री-समिट कार्यक्रमों में से एक था। इसका उद्देश्य नई दिल्ली में 19-20 फरवरी को होने वाले बड़े वैश्विक सम्मेलन 'इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट 2026' से पहले विचारों का आदान-प्रदान करना और सहयोग को गति देना था।इस कार्यक्रम में कनाडा भर से 600 से अधिक वरिष्ठ लोग शामिल हुए। इनमें बड़ी कंपनियों के शीर्ष अधिकारी, नीति बनाने वाले लोग, शोधकर्ता और नवाचार से जुड़े

विशेषज्ञ मौजूद थे। सभी ने मिलकर आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के क्षेत्र में भारत और कनाडा के बीच सहयोग को मजबूत करने पर चर्चा की।

भारत के उच्चायुक्त दिनेश के. पटनायक ने कहा कि यह संवाद दोनों देशों की उस साझा सोच को दिखाता है, जिसमें तकनीक का विकास जिम्मेदारी और नैतिकता के साथ किया जाए। पटनायक ने कहा, 'इंडिया-कनाडा एआई डायलॉग 2026 आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के भविष्य को ज़िम्मेदारी से आकार देने के हमारे साझा दृष्टिकोण को दर्शाता है। जैसे-जैसे हम नई दिल्ली में इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट 2026 की ओर बढ़ रहे हैं, यह जुड़ाव इस बात पर जोर देता है कि कनाडा जैसे भरोसेमंद साझेदार भारत के साथ मिलकर कैसे ऐसे इनोवेशन को बढ़ावा दे सकते हैं जो समावेशी, नैतिक और विश्व स्तर पर प्रासंगिक हो। ' कनाडा के आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और डिजिटल नवाचार मंत्री इवान सोलोमन ने कहा कि एआई अब भविष्य की नहीं, बल्कि वर्तमान की जरूरत बन चुकी है और इसका उपयोग लोगों और समाज के भले के लिए होना चाहिए। उन्होंने कहा, 'भारत और कनाडा की एक साझा ज़िम्मेदारी हैः यह सुनिश्चित करना कि यह तकनीक लोगों की सेवा करे, समाजों को मजबूत करे और वास्तविक आर्थिक मूल्य प्रदान करे। '

मैक्रों ने ग्रीनलैंड में नाटो अभ्यास की उठाई मांग, ट्रंप के मंत्री बोले-फ्रांस के खस्ताहाल बजट पर दें ध्यान

एजेंसी

पेरिस/दावोस । फ्रांस ने ग्रीनलैंड में नाटो के सैन्य अभियान की मांग करते हुए इसमें पूर्ण योगदान देने का दावा किया है। इस बयान को लेकर जब दावोस में ट्रंप के वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट से सवाल किया गया तो उन्होंने फ्रांस के खस्ताहाल बजट की ओर ध्यान देने की सलाह दे डाली। स्थानीय मीडिया ने बुधवार को मैक्रों के कार्यालय के हवाले से ये जानकारी दी। बताया कि उन्होंने ग्रीनलैंड में नाटो अभ्यास की मांग उठाई है। उनकी इस मांग को लेकर जब दावोस में अमेरिका के वित्त मंत्री बेसेंट से सवाल किया गया तो उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि मेरी तो यही सलाह है कि मैक्रों को अपने देश के आर्थिक हालात की फिक्र होनी चाहिए। उन्हें अपनी जनता की चिंता करनी चाहिए, खस्ताहाल बजट की ओर ध्यान देना चाहिए। मैक्रों का नाटो अभ्यास बयान ऐसे समय में आया है जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप बुधवार को विश्व आर्थिक मंच का इस्तेमाल यूरोपीय विरोध के बावजूद ग्रीनलैंड को

हासिल करने की अपनी कोशिश को तेज करने के लिए कर सकते हैं। दावोस में मैक्रों ने कहा था कि यूरोप धमकियों के आगे नहीं झुकेगा और न ही डरेगा। यह ट्रंप की उस धमकी की कड़ी आलोचना थी जिसमें उन्होंने कहा था कि अगर यूरोप उन्हें ग्रीनलैंड पर कब्जा नहीं करने देता है तो वह भारी टैरिफ लगाएंगे। मैक्रों ने टैरिफ को 'बेवकूफाना' और 'अनावश्यक आक्रामकता' बताया था। साथ ही ट्रंप के 'बोर्ड ऑफ पीस' को संयुक्त राष्ट्र (यूएन) का विकल्प मानने से भी इनकार कर दिया था। दावोस में नाटो नेताओं ने चेतावनी दी है कि ग्रीनलैंड को लेकर ट्रंप की रणनीति गठबंधन को खतरे में डाल सकती है। ट्रंप ने फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों और नाटो के सेक्रेटरी जनरल मार्क रुटे द्वारा भेजे गए टेक्स्ट मैसेज का स्क्रीनशॉट शेयर किया था, जिसमें दोनों नेताओं ने उनके शांति प्रयासों की सराहना की थी।

अमेरिकी एजेंसी ने भारत-सिंगापुर सबमरीन केबल लिंक प्रोजेक्ट का किया समर्थन

एजेंसी

वॉशिंगटन । अमेरिकी ट्रेड एंड डेवलपमेंट एजेंसी ने भारत को सिंगापुर और दक्षिण-पूर्व एशियाई डेटा हब से जोड़ने वाले एक प्रस्तावित सबमरीन केबल सिस्टम के लिए सपोर्ट की घोषणा की। यूएसटीडीए ने कहा कि उसने एससीएनएक्स3 सबमरीन केबल सिस्टम के लिए एक फीजिबिलिटी स्टडी को फंड करने के लिए सबकनेक्स मलेशिया एसडीएन.बीएचडी. के साथ एक एग्रीमेंट साइन किया है। यह प्रोजेक्ट भारत को सिंगापुर और दक्षिण-पूर्व एशिया के दूसरे हिस्सों से जोड़ेगा और इससे लगभग 1.85 बिलियन लोगों को सर्विस मिलने की उम्मीद है। यूएसटीडीए ने कहा कि यह स्टडी केबल सिस्टम के लिए निवेश लाने और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और क्लाउड-बेस्ड सर्विसेज के लिए जरूरी क्षमता बढ़ाने में मदद करने के लिए डिजाइन की गई है। एजेंसी ने

कहा कि इस कोशिश के जरिए यह सुनिश्चित करने में भी मदद मिलेगी कि इंटरनेशनल नेटवर्क भरोसेमंद और सुरक्षित रहें। इसके साथ ही साइबर खतरों और विदेशी दखलंदाजी के खतरे को कम किया जा सके। यह एग्रीमेंट हवाई के होनोलूलू में पैसिफिक टेलीकम्युनिकेशंस काउंसिल 26 कॉन्फ्रेंस में साइन किया गया था।

यूएसटीडीए के डिप्टी डायरेक्टर थॉमस आर हार्डी ने कहा, 'सेंसिटिव डेटा और जरूरी इंफ्रास्ट्रक्चर को साइबर हमलों और विदेशी जासूसी से बचाने के लिए सुरक्षित, अमेरिका में बनी सबसी केबल टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल करना जरूरी है। यह प्रोजेक्ट दक्षिण और दक्षिण-पूर्व एशिया में हमारे साझेदारों की रणनीतिक प्राथमिकता को आगे बढ़ाता है और वैश्विक डिजिटल अर्थव्यवस्था में अमेरिका के नेतृत्व को मजबूत करता है। '

सबकनेक्स ने फिजिबिलिटी स्टडी करने के लिए फ्लोरिडा की एपीटेलीकॉम एलएलसी को चुना है। स्टडी रूट डिजाइन, इंजीनियरिंग, फाइनेंशियल मॉडलिंग, कमर्शियलाइजेशन प्लानिंग और रेगुलेटरी एनालिसिस पर फोकस करेगी।

यूएसटीडीए के मुताबिक, इस काम का मकसद एससीएनएक्स3 केबल प्रोजेक्ट के लिए निजी निवेश को बढ़ाना और शुरुआती स्टेज के रिस्क को कम करना है। अमेरिकी एजेंसी ने कहा कि सिस्टम के टेक्निकल और कमर्शियल फ्रेमवर्क को बनाने में अमेरिकी विशेषज्ञ अहम भूमिका निभाएंगे।

पाकिस्तान में 2.5 करोड़ बच्चे स्कूल से बाहर

एजेंसी

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल एंड पॉलिसी साइंसेज की ताजा रिपोर्ट ने संघीय सरकार की शिक्षा आपात नीति की पोल खो दी है।रिपोर्ट के अनुसार, लगभग 2.5 करोड़ (25 मिलियन) बच्चे अभी भी स्कूल से बाहर हैं। देश में शिक्षा पर कुल खर्च 5 खरब (500 बिलियन रुपये) तक पहुंच गया है। इस खर्च का बड़ा हिस्सा अब सरकार के बजाय आम पाकिस्तानी परिवार उठा रहे हैं।

दुनिया न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल एंड पॉलिसी साइंसेज ने कहा कि देश के इतिहास में यह पहली बार है कि शिक्षा पर परिवारों का खर्च सरकार के शिक्षा बजट से ज्यादा हो गया है। रिपोर्ट के 15वें संस्करण के अनुसार, 25 मिलियन से ज्यादा बच्चे शिक्षा से वंचित हैं। आंकड़े बताते हैं कि जनता शिक्षा पर 280 अरब रुपये खर्च कर रही है, जबकि सरकारी निवेश घटकर 220 अरब रुपये हो गया है। नतीजतन, शिक्षा का 56 प्रतिशत वित्तीय बोझ जनता उठा रही है और सिर्फ 44 प्रतिशत सरकार उठा रही है। माता-पिता प्राइवेट स्कूलों की फीस पर 1,31,0 अरब रुपये , कोचिंग और ट्यूशन पर 613 अरब रुपये और शिक्षा से जुड़े अन्य निजी खर्चों पर 878 अरब रुपये खर्च करने के लिए मजबूर हैं। इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल एंड पॉलिसी साइंसेज के कार्यकारी निदेश डॉ. सलमान हुमायूं ने कहा कि जब शिक्षा पर परिवारों का खर्च सरकारी निवेश से ज्यादा हो जाता है, तो यह एक गंभीर समानता संकट का संकेत देता है।

एआई कुछ नौकरियों को बेहतर बना रहा है, तो कुछ की जगह भी ले रहा है, स्किल्स पर फोकस जरूरी :आईएमएफ प्रमुख

एजेंसी

दावोस । अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) की मैनेजिंग डायरेक्टर क्रिस्टालिना जॉर्जीवा ने कहा है कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) की वजह से लेबर मार्केट यानी नौकरी के क्षेत्र में सुनामी जैसी स्थिति उत्पन्न हो रही है। उन्होंने कहा कि एआई कुछ नौकरियों को बेहतर बना रहा है, तो वहीं कुछ नौकरियों की जगह भी ले रहा है। दावोस में आयोजित वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम (डब्ल्यूईएफ) की वार्षिक बैठक के दौरान एक सत्र में बोलते हुए जॉर्जीवा ने कहा कि दुनिया अब एआई के दौर में प्रवेश कर चुकी है, लेकिन उन्हें चिंता है कि एआई से मिलने वाले मौके हर जगह एक जैसे नहीं हैं। कहीं ज्यादा अवसर हैं तो कहीं बहुत कम। उन्होंने कहा, 'एआई तेजी से अर्थव्यवस्थाओं को बदल रहा है। कुछ काम बढ़ रहे हैं, कुछ खत्म हो रहे हैं। हमें लोगों की स्किल्स बढ़ाने में निवेश करना होगा और समाज को इसके लिए तैयार करना होगा। ' आईएमएफ प्रमुख

ने बताया कि एआई की वजह से अनुवाद, भाषा समझने और रिसर्च से जुड़े कामों में उत्पादन क्षमता बढ़ रही है। इन क्षेत्रों में एआई लोगों की मदद कर रहा है, उनकी जगह नहीं ले रहा। लेकिन उन्होंने उन समुदायों को लेकर चिंता जताई जहां एआई की पहुंच अभी भी नहीं है। आईएमएफ के अनुसार, दुनिया में औसतन 40 प्रतिशत नौकरियां एआई से प्रभावित हो रही हैं। इनमें कुछ नौकरियां बेहतर बन रही हैं, कुछ बदल रही हैं और कुछ खत्म भी हो सकती हैं। विकसित देशों में यह असर करीब 60 प्रतिशत नौकरियों पर है, जबकि गरीब देशों में यह 20 से 26 प्रतिशत के बीच है। जॉर्जीवा ने कहा कि एआई की वजह से वैश्विक आर्थिक विकास पर 0.1 से 0.8 प्रतिशत तक का असर पड़ सकता है। अगर उत्पादन क्षमता में 0.8 प्रतिशत की बढ़ोतरी होती है, तो दुनिया की आर्थिक ग्रोथ कोरोना महामारी से पहले के स्तर से भी ज्यादा हो सकती है।

इस सत्र में भारत के इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि सिर्फ बड़ा एआई मॉडल बनाना ही किसी देश को ताकतवर नहीं बनाता। उन्होंने कहा कि हमें पांचवीं औद्योगिक क्रांति की अर्थव्यवस्था को समझना होगा। इस दौर में असली ताकत आरओआई यानी निवेश पर मिलने वाले लाभ से आएगी। सबसे कम लागत में सबसे ज्यादा फायदा पाने वाली तकनीक ही सफल होगी। सऊदी अरब के निवेश मंत्रालय के निवेश मंत्री खालिद अल-फालीह ने कहा कि एआई को लेकर दुनिया में तेज प्रतिस्पर्धा चल रही है। हर देश इसके लिए जरूरी इंफ्रास्ट्रक्चर बनाना चाहता है, लेकिन एआई की असली ताकत तब सामने आएगी ।

चुनाव के नामांकन प्रक्रिया में उत्साहजनक सहभागिता के बाद प्रधानमंत्री कार्की ने जताया आभार

एजेंसी

काठमांडू। नेपाल की प्रधानमंत्री सुशीला कार्की ने देश में आगामी संसदीय चुनावों में भाग लेने के लिए निर्धारित समय-सीमा के भीतर उत्साहपूर्वक नामांकन करने वाले सभी राजनीतिक दलों और उम्मीदवारों के प्रति आभार व्यक्त किया है।श्रीमती कार्की ने स्पष्ट किया कि चुनाव को शांतिपूर्ण, निष्पक्ष और विश्वसनीय वातावरण में संपन्न कराने के लिए नेपाल सरकार पूरी ईमानदारी और क्षमता के साथ प्रयासरत है। प्रधानमंत्री ने कहा कि सुरक्षा व्यवस्था में किसी प्रकार का समझौता नहीं किया जाएगा और सभी सुरक्षा संयंत्र उच्च सतर्कता के साथ परिचालित हैं। उन्होंने यह भी कहा कि चुनाव प्रक्रिया में दिखाई दे रहा उत्साह और प्रतिबद्धता केवल राजनीतिक क्षेत्र ही नहीं, बल्कि निजी क्षेत्र और समग्र अर्थव्यवस्था में भी सकारात्मक ऊर्जा का संचार कर रहा है। प्रधानमंत्री कार्की ने कहा कि 165 पदों के लिए 3,400 से अधिक उम्मीदवारों द्वारा मनोनयन दायर किया जाना लोकतांत्रिक व्यवस्था में गहरे विश्वास का प्रमाण है। उन्होंने कहा कि यह राष्ट्रीय उत्साह इस बात की पुनः पुष्टि करता है कि नेपाली जनता लोकतांत्रिक प्रणाली को मजबूत बनाने के लिए सजग और सक्षम है।

देश से अनिश्चितता और भ्रम की स्थिति पूरी तरह समाप्त होने की बात कहते हुए प्रधानमंत्री कार्की ने कहा कि पूरा राष्ट्र इस लोकतांत्रिक महाकुंभ में सहभागी हो चुका है। राष्ट्र के नाम अपने संदेश में प्रधानमंत्री कार्की ने इस लोकतांत्रिक अभ्यास को सफल बनाने के लिए राजनीतिक दलों, नागरिक समाज और संचार माध्यमों की रचनात्मक भूमिका निर्वाह करने के लिए आह्वान किया है। नेपाली संसद के निचले सदन प्रतिनिधि सभा के चुनाव के लिए 20 जनवरी को सुबह 10 बजे से शाम छह बजे तक नामांकन दाखिल किया गया। प्रतिनिधि सभा की 165 सीटों के लिए 391 महिलाओं सहित कुल 3,428 उम्मीदवारों ने नामांकन किया है। कार्यक्रम के अनुसार किसी भी उम्मीदवार के विरुद्ध आपत्ति दर्ज कराने का समय बुधवार 21 जनवरी को सुबह 10 बजे से अपराह्न तीन बजे तक निर्धारित है। इसके बाद उम्मीदवारों की सत्यापित सूची प्रकाशित की जाएगी। जो उम्मीदवार अपना नाम वापस लेना चाहते हैं।

ट्रम्प ने नया नक्शा किया शेयर, कनाडा-ग्रीनलैंड और वेनेजुएला को दिखाया अमेरिका का क्षेत्र

एजेंसी

वॉशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने मंगलवार को अपने सोशल मीडिया मंच ट्रूथ सोशल पर एक संशोधित (एआई-जनित) तस्वीर साझा की है, जिसमें कनाडा, ग्रीनलैंड और वेनेजुएला को संयुक्त राज्य अमेरिका के क्षेत्र के रूप में दिखाया गया है। इस कदम ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर विवाद और कूटनीतिक तनाव को और बढ़ा दिया है।तस्वीर में ट्रम्प को अन्य देशों के नेताओं के साथ व्हाइट हाउस के ओवल ऑफिस में दिखाया गया, पीछे एक नक्शा है जिसमें इन तीनों क्षेत्रों को अमेरिकी झंडे के साथ एक साथ दर्शाया गया है। यह तस्वीर अगस्त 2025 की एक वास्तविक बैठक की तस्वीर पर आधारित है, जिसमें ट्रम्प ने यूरोपीय नेताओं के साथ यूक्रेन युद्ध पर चर्चा की थी। एक अन्य पोस्ट में ट्रम्प खुद, उपराष्ट्रपति जे.डी. वेंस और विदेश सचिव मार्को रुबियो को ग्रीनलैंड में अमेरिकी झंडा लगाते हुए दिखाया गया है, जहां तस्वीर में एक तख्ती पर लिखा है- 'ग्रीनलैंड - यूएस टेरीटरी इस्ट. 2026 '। ट्रम्प इन चित्रों को साझा करते हुए डेनमार्क के अधीन स्वायत्त ग्रीनलैंड को अमेरिकी नियंत्रण में लेने की अपनी जोरदार इच्छा दोहराई है, जिसे उन्होंने राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए आवश्यक बताया है। इससे पहले उन्होंने कहा कि अगर डेनमार्क इसपर सहमत नहीं होता है तो अमेरिका 10फीसदी और बाद में 25फीसदी तक टैरिफ लगा सकता है।

फ्रांस और कनाडा ने बड़ी ताकतों के खतरे का मुकाबला करने के लिए एकजुटता की अपील की

एजेंसी

न्यूयॉर्क । स्विट्जरलैंड के दावोस में विश्व आर्थिक मंच 2026 का आयोजन किया जा रहा है। इसमें अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप भी शामिल हो रहे हैं। दूसरी तरफ, ट्रंप ने फ्रांस के पेरिस में जी7 की आपातकालीन बैठक में शामिल होने से इनकार कर दिया है। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने जी7 में शामिल होने के लिए अमेरिकी राष्ट्रपति को निमंत्रण दिया था, जिस पर ट्रंप ने कहा कि नहीं, मैं ऐसा नहीं करूंगा, क्योंकि इमैनुएल बहुत लंबे समय तक वहां नहीं रहने वाले हैं और वहां कोई स्थायित्व नहीं है। इससे पहले उन्होंने फ्रांसीसी राष्ट्रपति के साथ अपनी बातचीत का एक स्क्रीनशॉट ट्रूथ सोशल पर साझा किया था। ट्रंप के ग्रीनलैंड पर कब्जा करने के कदम और कनाडा पर कब्जा करने में उनकी नई दिलचस्पी को लेकर वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम के नेताओं ने बड़ी ताकतों के दबाव का विरोध करने की अपील की।

फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने कहा कि दुनिया के सामने जो अस्थिरता और असंतुलन है, उसका जवाब उभरते देशों, ब्रिक्स और जी20 के साथ पुल बनाना और ज्यादा सहयोग करना है। ' कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने कहा, 'मिडिल पावर्स को मिलकर काम करना चाहिए क्योंकि अगर आप टेबल पर नहीं हैं, तो आप मेन्यू में हैं। बड़ी ताकतें अब अकेले चलने का जोखिम उठा सकती हैं। ' उन्होंने कहा, 'वर्ल्ड ऑर्डर टूट रहा है, एक अच्छी कल्पना का अंत हो रहा है और एक क्रूर सच्चाई की शुरुआत हो रही है, जहां बड़ी ताकतों की भू-राजनीति पर कोई रोक नहीं है। ' ट्रंप या अमेरिका का नाम लिए बिना, उन्होंने कहा, 'मैं सीधे कहता हूं, हम एक बदलाव के नहीं, बल्कि बिखरने के बीच में हैं। ' ग्रीनलैंड पर कब्जा का विरोध कर रहे देशों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए अमेरिकी राष्ट्रपति ने अगले महीने फ्रांस और डेनमार्क का समर्थन करने वाले सात दूसरे देशों पर 10 प्रतिशत टैरिफ लगाने की धमकी दी है। यूरोपियन यूनियन की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन ने चेतावनी दी कि ट्रंप का एक्शन हमें खतरनाक रास्ते की ओर ले जाएगा, जो सिर्फ उन्हीं दुश्मनों की मदद करेगा, जिन्हें हम रणनीतिक माहौल से बाहर रखने के लिए प्रतिबद्ध हैं। '

अमेरिकी अधिकारियों ने दावोस में यूरोपियन लोगों को भरोसा दिलाने की कोशिश की। अमेरिकी वित्त विभाग के सचिव स्कॉट बेसेंट ने शांति बनाए रखने की अपील की और कहा कि लेटेस्ट टैरिफ खतरों की तुलना ट्रंप द्वारा अप्रैल में घोषित बड़े टैरिफ से की जा सकती है। ट्रेड रिप्रेजेंटेटिव जैमीसन ग्रीर ने फोरम में अपने भाषण में कहा कि टैरिफ खतरा बातचीत की एक चाल थी। ट्रंप इस मोर्चे पर जो उम्मीद करते हैं, उसे लेकर बहुत साफ हैं। वहीं, इमैनुएल मैक्रों ने कहा कि अमेरिका खुले तौर पर टैरिफ के जरिए यूरोप को कमजोर और अपने अधीन करना चाहता है। इससे नियमों पर आधारित व्यवस्था खत्म हो रही है।

अमेरिका से इतर उन्होंने चीन से खतरे के बारे में भी बात की। मैक्रों ने माना कि चीन की बहुत ज्यादा क्षमता और गलत कामों से पूरे इंडस्ट्रियल और कमर्शियल सेक्टर पर असर पड़ने का खतरा है। उन्होंने यूक्रेन पर रूस के हमले का भी जिक्र किया।

ग्रीनलैंड को ट्रंप की धमकी के बारे में उन्होंने कहा, 'फ्रांस और यूरोप राष्ट्रीय संप्रभुता और आजादी, संयुक्त राष्ट्र और उसके चार्टर से जुड़े हुए हैं। '

दूसरे विश्व युद्ध के अनुभवों का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि सहयोग की जरूरत है और हमने ग्रीनलैंड में आपसी अभ्यास में शामिल होने का फैसला किया है, बिना किसी को धमकी दिए, बल्कि सिर्फ एक साथी और दूसरे यूरोपीय देश, डेनमार्क का समर्थन करते हुए।

page 1 and 8 jan 22_page 1 Mar 25 final ds.qxd 1/21/2026 9:49 PM Page 2

नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश त्रिपाठी का गुरुवार से दो दिवसीय झारखंड दौरा, युवाओं से विकसित भारत-2047 पर करेंगे संवाद

रांची, 21 जनवरी। भारतीय नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश कुमार त्रिपाठी दो दिवसीय आधिकारिक दौरे पर गुरुवार को झारखंड की राजधानी रांची पहुंच रहे हैं। इस संबंध में रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने बुधवार को प्रेस विज्ञप्ति जारी कर जानकारी दी।

रक्षा राज्य मंत्री ने बताया कि यह पहला अवसर है जब भारतीय नौसेना के प्रमुख का आगमन झारखंड की राजधानी रांची में हो रहा है। उन्होंने इसे राज्य के लिए गौरव का क्षण बताते हुए कहा कि यह दौरा युवाओं में राष्ट्र निर्माण, रक्षा जागरूकता और देश के भविष्य को लेकर सकारात्मक संवाद स्थापित करने की दिशा में महत्वपूर्ण होगा।

प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, गुरुवार की शाम एडमिरल दिनेश कुमार त्रिपाठी रांची एयरपोर्ट पहुंचेंगे, जहां झारखंड के सांस्कृतिक कलाकारों द्वारा पारंपरिक तरीके से उनका स्वागत एवं अभिनंदन किया जाएगा। इसके बाद वे लोक भवन में रात्रि विश्राम करेंगे।

अपने दौरे के दूसरे दिन, 23 जनवरी को एडमिरल त्रिपाठी का कार्यक्रम विद्यार्थियों और युवाओं से संवाद पर केंद्रित रहेगा। सुबह 10:00 बजे, वे सेंट्रल कोल फील्ड्स लिमिटेड (सीसीएल) के सभागार में आयोजित कार्यक्रम में रांची शहरी क्षेत्र के विभिन्न शैक्षणिक संस्थानों, महाविद्यालयों एवं विद्यालयों के विद्यार्थियों से रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ के साथ मिलकर 卐विकसित भारत 2047 विषय पर संवाद करेंगे।

इसके पश्चात एडमिरल त्रिपाठी तुपुदाना स्थित टेंडर हार्ट स्कूल पहुंचेंगे, जहां वे रांची ग्रामीण क्षेत्र के दर्जनों विद्यालयों के विद्यार्थियों के साथ भी रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ के साथ विकसित भारत 2047 को लेकर संवाद करेंगे। इस दौरान विद्यार्थियों को राष्ट्र निर्माण में युवाओं की भूमिका, अनुशासन, नेतृत्व और रक्षा सेवाओं के महत्व के बारे में प्रेरित किया जाएगा।

दोपहर में एडमिरल दिनेश कुमार त्रिपाठी रांची क्लब पहुंचेंगे, जहां सांसद कला महोत्सव के तहत आयोजित पेंटिंग एवं चित्रकला प्रदर्शनी का अवलोकन करेंगे। यह प्रदर्शनी युवाओं की रचनात्मकता, देशभक्ति और सांस्कृतिक अभिव्यक्ति को प्रदर्शित करती है।

रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने कहा कि नौसेना प्रमुख का यह दौरा न केवल झारखंड के विद्यार्थियों और युवाओं के लिए प्रेरणास्रोत बनेगा, बल्कि रक्षा क्षेत्र और नागरिक समाज के बीच संवाद को भी मजबूत करेगा। उन्होंने विश्वास जताया कि ऐसे कार्यक्रमों से युवाओं में देश के प्रति जिम्मेदारी और समर्पण की भावना और अधिक प्रबल होगी।

विकसित भारत की सोच का केंद्र समावेशी और समान शिक्षा : धर्मेंद्र प्रधान

नई दिल्ली, 21 जनवरी (हि.स.)। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने बुधवार को कहा कि समावेशी और समान शिक्षा ही विकसित भारत की परिकल्पना का मूल आधार है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास' के विजन का उल्लेख करते हुए कहा कि हर बच्चे को गरिमा, समान अवसर और आत्मनिर्भर भविष्य सुनिश्चित करना सरकार और समाज की सामूहिक जिम्मेदारी है।

प्रधान ने यहां शिक्षा मंत्रालय के स्कूल शिक्षा एवं साक्षरता विभाग द्वारा आयोजित तीन दिवसीय समावेशी शिक्षा शिखर सम्मेलन-2026 के उद्घाटन के अवसर पर यह विचार व्यक्त किए। इस मौके पर उन्होंने विशेष आवश्यकता वाले बच्चों के लिए नवीनतम तकनीक आधारित सहायक उपकरणों की प्रदर्शनी का भी उद्घाटन किया।

अपने संबोधन में केंद्रीय मंत्री ने कहा कि समावेशी शिक्षा किसी एक योजना तक सीमित नहीं बल्कि यह राष्ट्रीय प्रतिबद्धता का प्रतीक है। उन्होंने बताया कि दिव्यांगता की श्रेणियों को छह से बढ़ाकर 21 करना इसी समावेशी दृष्टिकोण को दर्शाता है। उन्होंने डिस्लेक्सिया और डिस्कैल्कुलिया जैसी सीखने से जुड़ी चुनौतियों की शुरुआती पहचान पर बल देते हुए कहा कि समावेशी शिक्षा केवल स्कूल या परिवार की नहीं बल्कि पूरे समाज की साझा जिम्मेदारी है।

प्रधान ने प्रदर्शनी का अवलोकन करते हुए भारतीय स्टार्ट-अप्स द्वारा विकसित विश्वस्तरीय सहायक तकनीकों की सराहना की। उन्होंने कहा कि दिव्यांगजनों के लिए गरिमा, सुगमता और समान अवसर सुनिश्चित करना सामूहिक प्रयासों से ही संभव है, जिसके लिए सक्षम कानून, सुलभ अवसंरचना, समावेशी नीतियां और सतत नवाचार आवश्यक हैं।

इस अवसर पर स्कूल शिक्षा एवं साक्षरता विभाग के सचिव संजय कुमार ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 का लक्ष्य ऐसा समावेशी शिक्षा तंत्र बनाना है, जिसमें कोई भी बच्चा स्कूल से बाहर न रहे और वर्ष 2030 तक माध्यमिक स्तर पर शत-प्रतिशत सकल नामांकन हासिल किया जा सके।

शिखर सम्मेलन का उद्देश्य एनईपी-2020 और दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम-2016 के अनुरूप विशेष आवश्यकता वाले बच्चों के लिए नीतियों, व्यवहारों और नवाचारों को मजबूत करना है। तीन दिवसीय इस सम्मेलन में नीति निर्माताओं, राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों, राष्ट्रीय संस्थानों, शिक्षा बोर्डों, विशेषज्ञों, स्टार्ट-अप्स और उद्योग जगत के प्रतिनिधि भाग ले रहे हैं, ताकि समावेशी शिक्षा के लिए भविष्य की दिशा तय की जा सके।

केंद्रीय विश्वविद्यालय जम्मू में स्पिक मैके का शास्त्रीय संगीत समारोह आयोजित

जम्मू, 21 जनवरी (हि.स.)। केंद्रीय विश्वविद्यालय जम्मू में आज स्पिक मैके के तत्वावधान में एक भव्य शास्त्रीय संगीत कार्यक्रम का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. संजीव जैन के दूरदर्शी नेतृत्व में छात्रों को भारतीय शास्त्रीय कला से निरंतर जोड़ने की दिशा में यह कार्यक्रम एक महत्वपूर्ण प्रयास रहा। आयोजन डीन ऑफ स्टूडेंट्स वेलफेयर कार्यालय के अंतर्गत स्पिक मैके क्लब द्वारा किया गया।

कार्यक्रम में स्पिक मैके से जुड़े प्रसिद्ध युगल कलाकार अविनाश कुमार और रिंदना रहस्य ने अपनी मनमोहक प्रस्तुति दी। दोनों कलाकार आकाशवाणी, नई दिल्ली के 'ए ग्रेड' कलाकार हैं और मूरछना-भेदम, जिसे जसरंगी शैली के नाम से भी जाना जाता है, में अपनी युगल प्रस्तुतियों के लिए विख्यात हैं। उनके साथ ज़ाहिन खान, ज़ाकिर ढोलपुरी, सोहेल और उजित उदय कुमार ने वाद्य यंत्रों पर संगत कर कार्यक्रम को और प्रभावशाली बनाया।

शास्त्रीय संगीत की इस संध्या में विश्वविद्यालय के शिक्षक एवं छात्र बड़ी संख्या में उपस्थित रहे और आत्मा को छू लेने वाली प्रस्तुतियों का भरपूर आनंद लिया। कार्यक्रम में रजिस्ट्रार प्रो. यशवंत सिंह ने भारतीय शास्त्रीय संगीत के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि ऐसे आयोजन छात्रों में भारतीय सांस्कृतिक जड़ों को पुनर्जीवित करने में अहम भूमिका निभाते हैं। इस अवसर पर प्रो. ऋतु बख्शी ने कलाकारों को सम्मानित किया। कार्यक्रम का सफल संचालन विश्वविद्यालय के स्पिक मैके क्लब के स्वयंसेवकों द्वारा किया गया, जिन्हें संकाय संयोजक डॉ. नैन्सी मेंगी और डॉ. भावना अरोड़ा का मार्गदर्शन प्राप्त रहा।

कमोडिटी ट्रेडिंग क्या है?

कमोडिटी मानकीकृत संसाधन या कच्चे माल हैं जिनका उपयोग परिष्कृत वस्तुओं के निर्माण के लिए किया जाता है। कार्रवाई योग्य दावों और धन को छोड़कर, इसे हर प्रकार की चल वस्तु के रूप में वर्गीकृत किया जा सकता है जिसे खरीदा और बेचा जा सकता है। वस्तुओं की गुणवत्ता परिवर्तनीय हो सकती है, लेकिन उन्हें विभिन्न उत्पादकों के कुछ मानदंडों पर काफी समान होना चाहिए।

बाजार में दो प्रकार की वस्तुएं होती हैं, यानी ठोस वस्तुएं और नरम वस्तुएं। ठोस वस्तुओं का इस्तेमाल अक्सर अन्य वस्तुओं को बनाने और सेवाएं प्रदान करने के लिए उत्पादक सामग्री के रूप में किया जाता है जबकि मुख्य रूप से प्रारंभिक उपभोग के लिए नरम वस्तुओं का इस्तेमाल किया जाता है। धातुओं और खनिजों जैसे उत्पादक सामग्री को कठोर वस्तुओं के रूप में वर्गीकृत किया जाता है जबकि चावल और गेहूं जैसे कृषि उत्पाद नरम वस्तुएं हैं।

वस्तुएं प्रत्यक्ष बाज़ार या एक्सचेंज पर ट्रेड की जाती है। व्यापार करने के लिए एक्सचेंज द्वारा निर्धारित न्यूनतम मानकों को वस्तुओं को पूरा करना होगा। व्यापारी या तो प्रत्यक्ष बाज़ार पर या यौगिक जैसे विकल्प या भावी सौदे के माध्यम से इन वस्तुओं को खरीद सकते हैं। कमोडिटी ट्रेडिंग पारंपरिक प्रतिभूतियों से परे संविभागीय विविधीकरण प्रदान करता है। और चूंकि कमोडिटी की कीमत स्टॉक के विपरीत दिशा में चलती है, इसलिए निवेशक मार्केट की अस्थिरता की अवधि के दौरान कमोडिटी ट्रेडिंग में भाग लेते हैं।

द कमोडिटी मार्किट

किसी अन्य मार्केट के समान, कमोडिटीज़ मार्केट या तो भौतिक या आभासी स्थान है, जहां इच्छुक पार्टियां वर्तमान या भविष्य की तिथि पर कमोडिटी (कच्चे या प्राथमिक उत्पाद) को ट्रेड कर सकती हैं। मूल्य आपूर्ति और मांग के आर्थिक सिद्धांतों द्वारा निर्धारित किया जाता है।

कमोडिटी के प्रकार

100 से अधिक कमोडिटी में विश्वव्यापी पचास प्रमुख कमोडिटी बाजार हैं। व्यापारी चार प्रमुख वस्तुओं की श्रेणियों में व्यापार कर सकते हैं

धातु- आयरन, कॉपर, एल्युमिनियम और निकल जैसी विभिन्न प्रकार की धातुएं, जिनका उपयोग निर्माण और उत्पादन में किया जाता है, सोने, चांदी और प्लेटिनम जैसे कीमती धातुओं के साथ-साथ बाजार में व्यापार के लिए उपलब्ध हैं।

ऊर्जा वस्तुएं- घरों और उद्योगों में इस्तेमाल किए जाने वाले ऊर्जा वस्तुएं बहुतायत में ट्रेड की जाती हैं। ये प्राकृतिक गैस और तेल हैं। अन्य ऊर्जा वस्तुएं जो व्यापार यूरेनियम, इथानॉल, कोयला और बिजली हैं।

कृषि वस्तुएं-कमोडिटी मार्केट में विभिन्न प्रकार के कृषि और पशुधन उत्पाद का व्यापार होता है। उदाहरण के लिए, चीनी, कोको, कॉटन, मसाले, अनाज, तिलहन, दालें, अंडे, फीडर कैटल व और भी बहुत कुछ।

पर्यावरणीय वस्तुएं- इस समूह में नवीकरणीय ऊर्जा, कार्बन उत्सर्जन और सफेद प्रमाणपत्र शामिल हैं।

वैश्विक रूप से, सबसे व्यापारिक वस्तुओं में सोना, चांदी, कच्चा तेल, ब्रेंट ऑयल, प्राकृतिक गैस, सोयाबीन, कपास, गेहूं, मक्का और कॉफी सम्मिलित हैं

भारत में ट्रेड किए गए कमोडिटी के प्रकार (मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज ऑफ इंडिया - MCX)

कृषि वस्तुएं- काली मिर्च, कैस्टर बीज, कच्चा पाम ऑयल, इलायची, कपास, मेंथा ऑयल, रबर, पामोलिन

ऊर्जा-नेचुरल गैस, कच्चा तेल

बेस मेटल्सन्पीतल, एल्युमिनियम, लेड, कॉपर, जिंक, निकल

बहुमूल्य धातु- सोना, चांदी

भारत में ट्रेड किए गए कमोडिटी के प्रकार (नेशनल कमोडिटी और डेरिवेटिव एक्सचेंज - NCDEX

अनाज और दालें- मकाई खरीफ/दक्षिण, मकाई रबी, बार्ली, गेहूं, चाना, चंद्र, धान (बासमती)

नरम - चीनी

फाइबर्स- कपास, ग्वार बीज, ग्वार गम

मसाले--मिर्च, जीरा, हल्दी, धनियातेल और तेल के बीज- कैस्टर बीज, सोयाबीन, सरसों के बीज, कॉटनसीड ऑयल केक, रिफाइन्ड सोया ऑयल, कच्चा पाम तेल

भारत में कमोडिटी ट्रेडिंग

कानूनी इकाई जो मानकीकृत वस्तु संविदाओं और अन्य संबंधित निवेश उत्पादों जैसे व्यापार वस्तुओं के नियमों और प्रक्रियाओं को निर्धारित करती है, विनियमित करती है और लागू करती है, वस्तुओं का आदान-प्रदान करती है। यह एक संगठित बाजार है जहां विभिन्न वस्तुएं और यौगिक ट्रेड किए जाते हैं।

भारत में, कोई भी 20+ एक्सचेंज पर जाकर कमोडिटी ट्रेड कर सकता है जो सिक्योरिटीज़ और एक्सचेंज बोर्ड ऑफ इंडिया की नियामक नजर के तहत इस ट्रेड को सुविधा प्रदान करता है। 2015 तक, बाजार का विनियमन फॉरवर्ड मार्केट कमीशन द्वारा किया गया था जो अंत में वाणिज्यिक निवेश के लिए एकीकृत नियामक वातावरण बनाने के लिए सेबी के साथ मिलाया गया था।

कमोडिटी में ट्रेडिंग शुरू करने के लिए, आपको डीमैट अकाउंट, ट्रेडिंग अकाउंट और बैंक अकाउंट की आवश्यकता होगी। डीमैट अकाउंट आपके सभी ट्रेड और होल्डिंग के रक्षक के रूप में कार्य करेगा, लेकिन एक्सचेंज पर ऑर्डर देने के लिए आपको अभी भी अच्छे ब्रोकर के माध्यम से जाना होगा।

भारत में छह प्रमुख कमोडिटी ट्रेडिंग एक्सचेंज हैं, जैसे,

नेशनल मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज इंडिया (एनएमसीई)

नेशनल कमोडिटी एंड डेरिवेटिव एक्सचेंज (NCDEX)

मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज ऑफ इंडिया (एमसीएक्स)

इंडियन कमोडिटी एक्सचेंज (आईसीईएक्स)

नेशनल स्टॉक एक्सचेंज

बोम्बे स्टोक एक्सचेन्ज (बीएसई)

कमोडिटी मार्केट कैसे काम करता है?

मान लीजिए कि आपने प्रत्येक 100 ग्राम के लिए MCX पर ₹72,000 पर गोल्ड फ्यूचर्स कॉन्ट्रैक्ट खरीदा है। गोल्ड का मार्जिन स्प्रेड पर 3.5% है। इसलिए आपको अपने सोने के लिए रु. 2,520 का भुगतान करना होगा। मान लीजिए कि अगले दिन, सोने की लागत प्रति 100 ग्राम रु. 73,000 तक बढ़ जाती है। कमोडिटी मार्केट से लिंक किए गए बैंक अकाउंट में ₹ 1,000 जमा कर दिए जाएंगे। मान लें कि दिन बाद, यह रु. 72,500 तक गिर जाता है। इसके अनुसार, ₹ 500 आपके बैंक अकाउंट से निकाल दिए जाएंगे।

कमोडिटी ट्रेडिंग के साथ अधिक लाभ प्राप्त करते समय, कमोडिटी में ट्रेडिंग से जुड़े जोखिम भी अधिक होते हैं क्योंकि मार्केट में उतार-चढ़ाव आम हैं।

कमोडिटी मार्केट के प्रकार

आमतौर पर, कमोडिटी ट्रेडिंग या तो डेरिवेटिव मार्केट या प्रत्यक्ष बाज़ार में होता है।

प्रत्यक्ष बाज़ार को कैश मार्केट या फिजिकल मार्केट के रूप में भी जाना जाता है, जहां ट्रेडर भौतिक कमोडिटी का आदान-प्रदान करते हैं, और यह भी तुरंत डिलीवरी के लिए किया जाता है।

भारत में डेरिवेटिव मार्केट में दो प्रकार के कमोडिटी डेरिवेटिव शामिल हैं- फ्यूचर और फॉरवर्ड; ये डेरिवेटिव कॉन्ट्रैक्ट स्पॉट मार्केट का उपयोग अंतर्निहित एसेट के रूप में करते हैं और वर्तमान में सहमत कीमत के लिए भविष्य में इसका मालिक नियंत्रण करते हैं। अनुबंध समाप्त होने पर, कमोडिटी या परिसंपत्ति को भौतिक रूप से डिलीवर किया जाता है।

आगे और भविष्य के बीच मुख्य अंतर यह है कि आगे काउंटर पर कस्टमाइज़ और ट्रेड किया जा सकता है, जबकि भविष्य एक्सचेंज पर ट्रेड किए जाते हैं और मानकीकृत होते हैं।

कमोडिटी फ्यूचर्स कॉन्ट्रैक्ट क्या है?

'कमोडिटी फ्यूचर्स कॉन्ट्रैक्ट' वह अनुबंध है कि ट्रेडर एक निश्चित समय पर पहले से निर्धारित दर पर अपनी कमोडिटी की एक निश्चित राशि खरीद या बेचेगा। जब कोई व्यापारी भविष्य के संविदा खरीदता है, तो उन्हें कमोडिटी की पूरी कीमत का भुगतान करने की आवश्यकता नहीं होती है। इसके बजाय, वे मूल बाजार मूल्य का पूर्वनिर्धारित प्रतिशत अंतर का भुगतान कर सकते हैं। कम अंतर का अर्थ होता है, कोई भी व्यक्ति मूल लागत के एक अंश को खर्च करके बड़ी मात्रा में सोने जैसे कीमती धातु के लिए फ्यूचर कॉन्ट्रैक्ट खरीद सकता है।

कमोडिटी मार्केट के प्रतिभागी

सट्टेबाज़

सट्टेबाज़ हेजर के साथ कमोडिटी मार्केट को चलाते हैं। कमोडिटी की कीमतों का निरंतर विश्लेषण करके वे भविष्य की कीमत के मूवमेंट की पूर्वानुमान लगा सकते हैं। उदाहरण के लिए, अगर पूर्वानुमान यह है कि कीमतें अधिक हो जाएंगी, तो वे कमोडिटी फ्यूचर कॉन्ट्रैक्ट खरीदेंगे और जब कीमतें वास्तव में अधिक हो जाती हैं, तो वे उपरोक्त कॉन्ट्रैक्ट को उनके द्वारा खरीदे गए खरीद से अधिक कीमत पर बेच सकते हैं। इसी प्रकार, अगर भविष्यवाणी कीमतों में गिरावट को दर्शाती है, तो वे कॉन्ट्रैक्ट बेचते हैं और उन्हें कम कीमत पर वापस खरीदते हैं, इस प्रकार लाभ उठाते हैं।

क्योंकि वे माल के वास्तविक उत्पादन में या अपने व्यापार की डिलीवरी में रुचि नहीं रखते हैं, इसलिए वे अधिकांशतः नकद-निपटान भविष्य के माध्यम से निवेश करते हैं जो मार्केट अपनी उम्मीदों के अनुसार उन्हें काफी लाभ प्रदान करते हैं।

हेजर्स

निर्माता और उत्पादक आमतौर पर कमोडिटी फ्यूचर्स मार्केट की मदद से अपने जोखिम को दूर करते हैं। उदाहरण के लिए, अगर कटाई के दौरान कीमतों में उतार-चढ़ाव आता है और गिरता है, तो किसानों को नुकसान होना पड़ेगा। इस घटना के जोखिम को दूर करने के लिए, किसान भविष्य का संविदा ले सकते हैं। इसलिए, जब स्थानीय बाजार में कीमतें गिरती हैं, तो किसान भविष्य के बाजार में लाभ उठाकर नुकसान की भरपाई कर सकते हैं। इसके विपरीत, अगर भविष्य के बाजार में कोई नुकसान होता है, तो स्थानीय बाजार में लाभ उठाकर इसे क्षतिपूर्ति की जा सकती है।

कमोडिटीज़ का इस्तेमाल मुद्रास्फीति के खिलाफ हेज के रूप में भी किया जाता है। चूंकि कमोडिटी की कीमत अक्सर मुद्रास्फीति के रुझान को दर्शाती है, इसलिए निवेशक अक्सर इन्फ्लेशन के समय अपने फंड को सुरक्षित करने के लिए उपयोग करते हैं क्योंकि मुद्रास्फीति के कारण होने वाले नुकसान को कमोडिटी की कीमतों में वृद्धि के कारण समायोजित किया जा सकता है।

कमोडिटी में निवेश करना

कमोडिटी के प्रकार के आधार पर, व्यापारी कमोडिटी में निवेश करने के विभिन्न तरीके खोज सकते हैं। इस तथ्य पर विचार करते हुए कि वस्तुएं भौतिक वस्तुएं हैं, वस्तुओं में निवेश करने के लिए चार प्रमुख तरीके हैं।

प्रत्यक्ष निवेश- कमोडिटी में सीधे निवेश करना

फ्यूचर्स कॉन्ट्रैक्ट-कमोडिटी फ्यूचर्स कॉन्ट्रैक्ट का उपयोग करके कमोडिटी में निवेश करें

कमोडिटी ईटीएफ- ईटीएफ (एक्सचेंज-ट्रेडेड फंड) के शेयर खरीदना

कमोडिटी शेयर- कमोडिटी उत्पन्न करने वाले कंपनियों या संगठनों में स्टॉक के शेयर खरीदना

कमोडिटी ट्रेडिंग के लाभ

मुद्रास्फीति, स्टॉक मार्केट क्रैश और अन्य ब्लैक स्वान कार्यक्रमों से सुरक्षा- जब मुद्रास्फीति बढ़ती है, तो यह कंपनियों के लिए महंगा उधार लेता है और उनकी लाभ-निर्माण क्षमताओं को प्रभावित करता है। इसके परिणामस्वरूप, उच्च मुद्रास्फीति की अवधि के दौरान स्टॉक की कीमतें गिरती हैं। दूसरी ओर, माल की लागत बढ़ जाती है, अर्थात प्राथमिक वस्तुओं और कच्चे माल की कीमत बढ़ जाती है, जिससे कमोडिटी की कीमतें अधिक हो जाती हैं। इसलिए, जब मुद्रास्फीति बढ़ रही हो, तब कमोडिटी ट्रेडिंग लाभदायक हो जाती है।

उच्च लीवरेज सुविधा- व्यापारी कमोडिटी मार्केट में निवेश करके अपनी लाभ क्षमता को बढ़ा सकते हैं। यह व्यापारियों को 5 से 10 प्रतिशत मार्जिन का भुगतान करके बाजार में महत्वपूर्ण स्थिति लेने की अनुमति देता है। इस तरह, एक महत्वपूर्ण कीमत में भी वृद्धि लाभ की क्षमता को तेजी से बढ़ा सकती है। हालांकि न्यूनतम अंतर आवश्यकता एक कमोडिटी से दूसरे कमोडिटी तक अलग-अलग होती है, लेकिन यह अभी भी इक्विटी निवेश में आवश्यक अंतर से कम है। न्यूनतम- जमा अकाउंट और पूर्ण आकार के अनुबंध को नियंत्रित किया जा सकता है

विविधता - कमोडिटी निवेशक को अपने संविभाग में विविधता करने की अनुमति देती है क्योंकि कच्चे माल में स्टॉक के साथ कम संबंध होता है।

पारदर्शिता- कमोडिटी मार्केट विकसित हो रहा है और अत्यधिक विनियमित है। आधुनिक इलेक्ट्रॉनिक ट्रेडिंग सूट ने बाजार की पारदर्शिता और दक्षता में वृद्धि की है, जिससे हर-फेर का जोखिम को खत्म हो गया है। इसने ब्रॉड-स्केल भागीदारी द्वारा उचित कीमत की खोज को सक्षम किया।

कमोडिटी ट्रेडिंग के नुकसान-

कई लाभ के बावजूद, कमोडिटी ट्रेडिंग में कुछ नुकसान होते हैं, जिन्हें निवेश करने से पहले आपको पता होना चाहिए।

लीवरेज- यह दो तरफा तलवार हो सकती है, विशेष रूप से अगर आप अंतर ट्रेडिंग में अनुभव नहीं करते हैं। जैसा कि पहले चर्चा की गई है, व्यापारियों को बाजार में बड़ी बोली लगाने की अनुमति देता है। अगर अंतर 5 प्रतिशत है, तो कोई भी केवल रु. 5000 का भुगतान करके रु. 100,000 की कीमत वाले कमोडिटी फ्यूचर खरीद सकता है। इसका मतलब यह है कि कीमत में थोड़ा गिरावट के साथ, व्यापारी एक महत्वपूर्ण राशि खो सकते हैं।

उच्च अस्थिरता- कमोडिटी ट्रेडिंग से अधिक रिटर्न कमोडिटी की उच्च कीमत में अस्थिरता के कारण होता है। जब माल की मांग और आपूर्ति इनलास्टिक होती है तो मूल्य मांग और आपूर्ति द्वारा चलाया जाता है। इसका मतलब है कीमत, आपूर्ति और मांग में बदलाव होने के बावजूद, जो कमोडिटी फ्यूचर के मूल्य को महत्वपूर्ण रूप से बदल सकता है।मुद्रास्फीति के लिए आवश्यक नहीं- प्रतिभूतियों और वस्तुओं के बीच नकारात्मक संबंध होने के बावजूद, बाद में पोर्टफोलियो विविधता के लिए उपयुक्त नहीं है। वह सिद्धांत जो कमोडिटी प्राइस स्टॉक के साथ विपरीत दिशा में चलता है, वह 2008 के आर्थिक संकट के दौरान अनुभव के अनुसार नहीं होता है। कमोडिटी मार्केट में मुद्रास्फीति, बेरोजगारी और कम मांग वाली कंपनियों के उत्पादन को रोकती है और कच्चे माल की मांग को प्रभावित करती है।

खरीदने और होल्ड निवेशकों के लिए कम रिटर्न- महत्वपूर्ण रिटर्न जनरेट करने के लिए कमोडिटी ट्रेडिंग को थोक निवेश की आवश्यकता होती है। ब्लूमबर्ग कमोडिटी इंडेक्स, जिसे गोल्ड स्टैंडर्ड माना जाता है, प्रदर्शित किया गया है कि सबसे सुरक्षित सरकारी बांड भी ऐतिहासिक रूप से कमोडिटी ट्रेडिंग की तुलना में अधिक रिटर्न प्राप्त कर चुके हैं। यह मुख्य रूप से उत्पादों की चक्रीय प्रकृति के कारण होता है, जो निवेशकों को खरीदने और रखने के लिए निवेश के मूल्य को कम करता है

संपत्ति एकाग्रता- जब कमोडिटी में निवेश करने का प्राथमिक कारण पोर्टफोलियो को विविधता प्रदान करना है, तब भी कमोडिटी निवेश उपकरण अक्सर एक या दो इंडस्ट्री पर ध्यान केंद्रित करते हैं, जिसका अर्थ है एक खंड में एसेट की उच्च सांद्रता।

कमोडिटी ब्रोकर कैसे चुनें?

विश्वसनीयता और अनुभव अच्छे ब्रोकर का प्रभाव चिह्नित करता है। प्रस्तुत की गई सेवाओं के वर्गीकरण, सक्रीय ग्राहक सहायता टीम और वित्तीय सलाह, मार्जिन-प्रोसेसिंग प्रैक्टिस के आधार पर ब्रोकर चुनें और केवल उनके शुल्क पर ही नहीं।

ब्रोकर के साथ साइन-अप करने से पहले, निवेशक को उन प्लेटफॉर्म की जांच करनी चाहिए जिनके माध्यम से निवेश लाइव हो रहे हैं। नौसिखिये निवेशक के लिए एप्लीकेशन या मीडिया का प्रदर्शन करने की सलाह दी जाती है।

उधमपुर की डेयरी उत्पाद 'कलाड़ी' को मिलेगी नई पहचान, आधुनिक खाद्य तकनीक से बढ़ाया जाएगा आगे

नई दिल्ली, 21 जनवरी। जम्मू-कश्मीर के उधमपुर जिले की पारंपरिक डेयरी उत्पाद कलाड़ी को आधुनिक खाद्य तकनीक की मदद से आगे बढ़ाया जाएगा।

कलाड़ी को हाल ही में जियोग्राफिकल इंडिकेशन (जीआई) टैग मिला है और इसे सरकार की एक जिला एक उत्पाद योजना के तहत चुना गया है।

इस संबंध में कर्तव्य भवन में बुधवार को केंद्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी तथा पृथ्वी विज्ञान राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) डॉ. जितेंद्र सिंह ने संबंधित अधिकारियों के साथ बैठक की।

उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि जम्मू-कश्मीर के उधमपुर जिले की पारंपरिक डेयरी उत्पाद कलाड़ी को आधुनिक खाद्य तकनीक की मदद से आगे बढ़ाया जाए।

उन्होंने कहा कि कलाड़ी का स्वाद, बनावट और पोषण बिल्कुल वैसे ही बनाए रखते हुए इसे नए-नए खाद्य रूपों और व्यंजनों में इस्तेमाल किया जाए। इससे स्थानीय किसानों और कारीगरों की आमदनी बढ़ने की संभावना है। लेकिन कलाड़ी की सबसे बड़ी समस्या इसकी कम शेल्फ लाइफ है। यह कुछ ही दिनों में खराब हो जाती है, खासकर अगर इसे ठंडे तापमान में न रखा जाए।

इसी वजह से इसे दूर-दराज के बाजारों तक पहुंचाना मुश्किल होता है।

डॉ. जितेंद्र सिंह ने अधिकारियों से कहा कि वैज्ञानिक तरीके से इसकी शेल्फ लाइफ बढ़ाई जानी चाहिए, ताकि इसे देश और विदेश के बाजारों में भेजा जा सके। उन्होंने साफ कहा कि किसी भी तरह की तकनीक अपनाते समय यह ध्यान रखा जाए कि कलाड़ी का पारंपरिक स्वाद, दूधिया खुशबू और खिंचने वाली बनावट खराब न हो। कलाड़ी को अक्सर 卐जम्मू की मोज़रेला चीज़卐 भी कहा जाता है, इसलिए इसकी पहचान बनी रहनी चाहिए।

इस काम के लिए सीएसआईआर की दो प्रमुख संस्थाओं—मैसूरु स्थित सीएफटीआरआई और जम्मू स्थित आईआईआईएम को साथ मिलकर काम करने के निर्देश दिए गए हैं। ये संस्थान कलाड़ी के पोषण तत्वों की जांच, स्वाद की पुष्टि, शेल्फ लाइफ बढ़ाने और पैकेजिंग पर काम करेंगे। शुरुआती रिपोर्ट कुछ हफ्तों में और पूरी परियोजना छह महीने में पूरी होने की उम्मीद है।

उल्लेखनीय है कि कलाड़ी आमतौर पर कच्चे फुल-फैट दूध से बनाई जाती है और इसमें मट्ठे के पानी का इस्तेमाल होता है। कलाड़ी को अक्सर 卐जम्मू की मोज़रेला चीज़卐 भी कहा जाता है,जीआई टैग मिलने के बाद इसकी मांग बढ़ी है, जिससे ग्रामीण युवाओं को रोजगार भी मिला है।